THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

दिल्ली चुनाव के लिए एनसीपी ने जारी की पहली लिस्ट

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली चुनाव से पहले अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने भी बिगुल बजा दिया है। अजित पवार की पार्टी एनसीपी ने दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 11 उम्मीदवारों के नाम हैं।

एनसीपी ने बुराड़ी से रतन त्याकी, बादली से मुलायम सिंह, मंगोल पुरी से खेम चंद, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्लीमारान से मोहम्मद हारून, छतरपुर से नरेंद्र तंवर, संगम विहार से कमर अहमद, ओखला से इमरान सैफी, लक्ष्मी नगर से श्री नमा, सीमा पुरी से राजेश लोहिया, गोकल पुरी से जगदीश भगत को मैदान में उतारा है। >14

वर्ष-29 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष कृ.14 2081 रविवार, 29 दिसंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ⁂ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

आज के अंक के साथ कैलेंडर

स्वतंत्र वार्ता का **नव वर्ष 2025** का आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक कैलेंडर **रविवार 29 दिसंबर** के अंक के साथ निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। अतः अपनी प्रति के साथ आज कैलेंडर लेना ना भूलें। -प्रबंधक

मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन-बेटी ने मुखाग्नि दी

> तीनों सेनाओं ने सलामी दी > राहुल शवयात्रा के साथ आए > राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री और सोनिया-प्रियंका मौजूद रहीं

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के बाद अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगमबोध घाट पर मौजूद थे। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की। बेटी ने मुखाग्नि दी। निगमबोध घाट में सोनिया, प्रियंका, राहुल और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें

श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु, राजनाथ भी उन्हें अंतिम विदाई प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री देने पहुंचे। अंतिम संस्कार के दौरान भी मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्रेचर कलर बना लिया था। डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9:30 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। निगमबोध घाट पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। केसी वेणुगोपाल ने कहा, सरकार पूर्व पीएम का स्मारक बनाने के लिए जमीन तक नहीं तलाश पाई। ये देश के पहले सिख पीएम का अपमान है।

दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी-शाह से मांग की थी कि मनमोहन सिंह का जहां अंतिम संस्कार हो, वहीं स्मारक बनाया जाए। हालांकि, गृह मंत्रालय ने देर रात बताया कि स्मारक की सही जगह तय करने में कुछ दिन लग सकते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केटीआर की बढ़ी मुश्किलें : ईडी ने 7 जनवरी को किया तलब

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने फरवरी 2023 में हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला-ई रेस के दौरान कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केटी रामाराव (केटीआर) को अगले महीने पूछताछ के लिए तलब किया है। केंद्रीय एजेंसी ने तेलंगाना पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पिछले सप्ताह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत मामले में एफआईआर दर्ज की थी।

सूत्रों ने बताया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे केटीआर को 7 जनवरी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और सेवानिवृत्त नौकरशाह तथा हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी को क्रमशः 2 जनवरी और 3 जनवरी को तलब किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत मामले में संभावित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच कर रहा है। वहीं दूसरी ओर रामराव ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार करते हुए कहा, इसमें भ्रष्टाचार कहां है?

'निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार मनमोहन सिंह का अपमान'

राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को निगम बोध घाट पर किया गया। इस फैसले से राजनीतिक गलियारों में सियासी हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे पूर्व प्रधानमंत्रियों के प्रति सम्मान की परंपरा का उल्लंघन बताया है। राहुल गांधी ने कहा कि, भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार आज निगम बोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया गया है।

एक दशक के लिए वह भारत के प्रधानमंत्री रहे, उनके दौर में देश आर्थिक महाशक्ति बना और उनकी नीतियां आज भी देश के गरीब और पिछड़े वर्गों का सहारा हैं। आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान और समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था।

क्या बोले अरविंद केजरीवाल :

वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। सिख समाज से आने वाले, पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त, 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए बीजेपी सरकार 1000 गत जमीन भी न दे सकी।

सीएम नीतीश आज दिल्ली में

'ऑफर पॉलिटिक्स' के बीच आगे का प्लान सेट करेंगे

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सियासी सरगर्मी के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार (29 दिसंबर) को दिल्ली जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे कुछ राजनीतिक नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के परिवार और बीजेपी नेताओं के नाम शामिल हैं। नीतीश कुमार का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब बिहार की राजनीति में हलचल तेज है। बीजेपी और जेडीयू के बीच तल्खी की खबरें आ रही हैं। इस बीच आरजेडी ने भी नीतीश कुमार को महागठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली में अपना रूटीन चेकअप करवाएंगे। सीएम सचिवालय के अनुसार, यह एक दिन का दौरा होगा। वे शाम तक पटना लौट आएंगे। हालांकि, इस दौरान कुछ राजनीतिक भेंट संभव है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नीतीश कुमार पहले भी स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली जा चुके हैं, खासकर आंखों की जांच के लिए। यही कारण है कि यह दौरा स्वास्थ्य जांच के लिए बताया जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के परिवार से मिल सकते हैं। इसके अलावा बीजेपी नेताओं से भी मुलाकात की संभावना है। हालांकि, इन मुलाकातों को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। राजनीतिक हलकों में नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे को लेकर अभी से ही मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, इस वक्त बिहार की राजनीति गरमाई हुई है। बीजेपी और जेडीयू के बीच तनातनी की खबरें हैं। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के एक बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। >14

अमृतसर में 2 आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने पुलिस स्टेशन इस्लामाबाद पर हैंड ग्रेनेड फेंकने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी से नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है।

यह मॉड्यूल विदेश में बैठे ऑपरेटर चला रहे थे। आरोपियों ने 17 दिसंबर 2024 को ग्रेनेड हमला किया था। डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों गुरजीत सिंह (निवासी डांडे, अमृतसर ग्रामीण) और बलजीत सिंह (निवासी छप्पा, तरनतारन) को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी न केवल इस हमले में शामिल थे बल्कि ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के जरिए देश में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे।

वाईएसआरसीपी नेता ने दलित अधिकारी को पीटा

अमरावती, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने शनिवार को कहा कि जिन नेताओं ने दलित सरकारी अधिकारी पर हमला किया था उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। पवन पीडित अधिकारी से मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, अन्नामय्या जिले में मंडल परिषद विकास अधिकारी पर वाईएसआरसीपी नेता सुदर्शन रेड्डी ने हमला किया। अधिकारी के ऑफिस के एक कमरे की चाभी देने से इनकार के बाद उन्हें एक कमरे में बंद करके पीटा गया और जातिसूचक गालियां दी गईं।

World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS

SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS

Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection

WHOLESALE PRICES GUARANTEED
जहाँ विश्वास ही परम्परा है
SINCE 1975
BIS IGI EXCLUSIVE 916

Exclusive Designer Light weight Jewellery Collection of this marriage season has been arrived

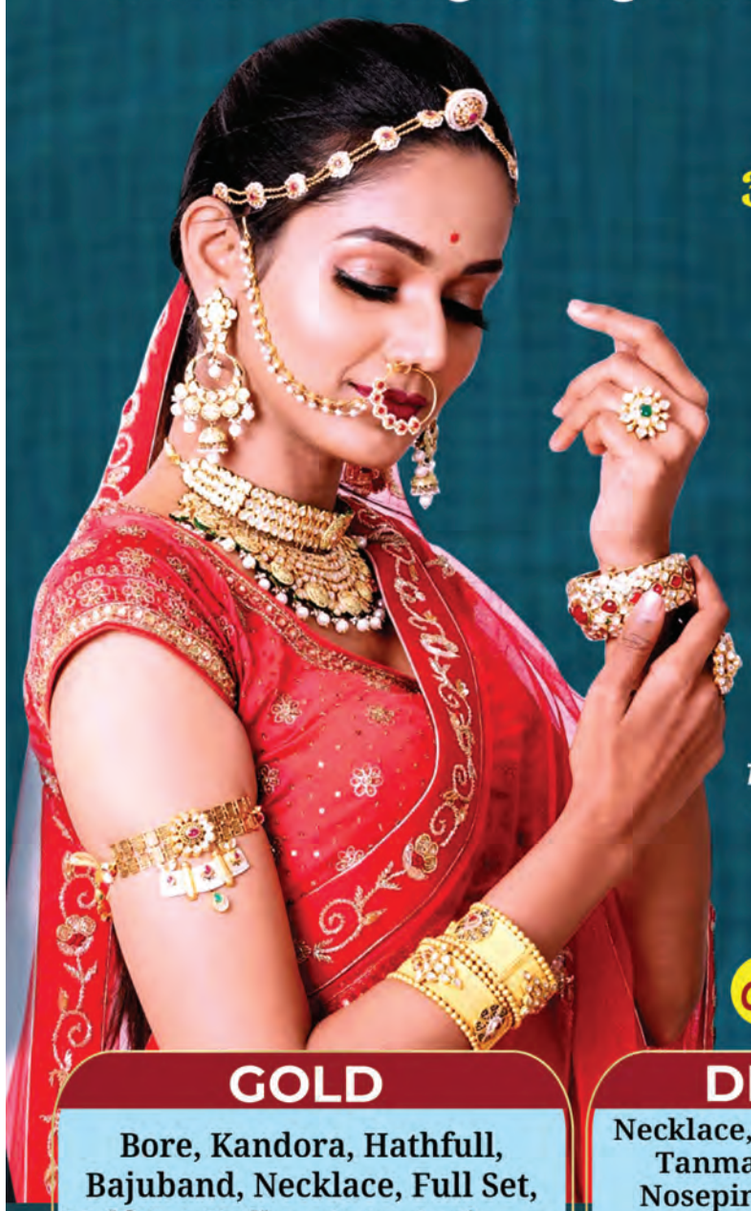

शादी हो या सगाई

अब गहना खरीदना हो गया आसान

शादी एक बार होती है..
ज्वेलरी एक बार खरीदी जाती है..
फिर..

Designs मे COMPROMISE क्यो...
Quality मे COMPROMISE क्यो...
Creativity से COMPROMISE क्यो...
Quantity से COMPROMISE क्यो...

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में पधारिये और 20000+ Designs को देखकर अपने मन चहित Designer 916 Hallmarked Jewellery को खरीदिये WHOLE SALE भावों में.....

BOOK YOUR JEWELLERY SOON

GOLD RATE EXPECTED TO BE RS. 85,000/- (10 GRAMS)

* DESIGNS AVAILABLE IN READY STOCK *

ITEM	QUANTITY	WEIGHT RANGE
बोर	250 PCS.	10 - 60 GM
कंदोरा	200 PCS.	40 - 150 GM
बाजूबंद	200 PCS.	15 - 80 GM
नेकलेस	1500 PCS.	15 - 350 GM
दुल्हनसेट	100 PCS.	150 - 1000 GM
हाथफूल	200 PCS.	10 - 100 GM
बैंगल्स	1500 PCS.	20 - 100 GM
गोखरु	100 PCS.	50 - 200 GM
गजरा	100 PCS.	50 - 200 GM
कालीपोत	800 PCS.	5 - 200 GM
चैन	1000 PCS.	1 - 150 GM
ब्रासलेट	400 PCS.	5 - 150 GM
टूस्सी	50 PCS.	30 - 60 GM
सोहनकंटी	100 PCS.	40 - 150 GM
रखडी सेट	100 PCS.	20 - 60 GM

GOLD
Bore, Kandora, Hathfull, Bajuband, Necklace, Full Set, Half Set, Dulhan Sets, Antiques, Kundan, Polki, Junagad, Temple, Victorian,

DIAMOND
Necklace, Rings, Tops, Watches, Tanmaniya, Pendant Sets, Nosepins, Bangles, Hathfull, Bore, Polki, Jadau, Victorian, all VVS- EF IGI Certified Solitaires from (0.30 cents to 2.00 carate) GIA Certified

SILVER
Thal Sets, Nastaplate, Dinnersets, Glasset, Mangal Kalash, Deepak, Ice cream set, Ghilodi, Gift Items, Suraiset, Aarti plate set, Mickey Mouse set, Bajot, Idols, Artifacts, in 92/50 & 99% purity silver

6-3-1111/2, adjacent to westside -somajiguda circle, Hyd - 500016.

96 80 916 916 / 83 84 916 916
63 09 916 916 / 97 80 916 916

FOLLOW US ON : @SLJJEWELLERS

अन्ना विश्वविद्यालय दुष्कर्म मामला : हाईकोर्ट ने किया एसआईटी का गठन

पीड़िता को 25 लाख का मुआवजा देने का निर्देश

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने शनिवार को अन्ना विश्वविद्यालय में कथित दुष्कर्म और प्राथमिकी लीक मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की महिला अधिकारी शामिल हैं।

जस्टिस एस.एम. सुब्रमण्यम और जस्टिस वी. लक्ष्मी नारायणन ने एसआईटी का गठन किया। इसमें स्नेहा प्रिया, अयमान जमाल और बृंदा जैसी महिला आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। एसआईटी को दोनों मामलों की जांच सौंपी गई है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि वह प्राथमिकी लीक होने से पीड़िता को मानसिक आघात के लिए 25 लाख रुपये का मुआवजा दे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय पीड़िता को निशुल्क शिक्षा, छात्रावास, रहने की सुविधा और काउंसलिंग प्रदान करे, ताकि वह अपनी पढ़ाई जारी रख सके।

'फलस्तीन के लिए मनमोहन सिंह का समर्थन सराहनीय' फलस्तीनी राजनयिक ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में फलस्तीन दूतावास के प्रभारी अबेद एलराजेग अबू जाजर ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी और फलस्तीन के लिए उनके समर्थन की सराहना भी की। इस दौरान अबेद एलराजेग अबू जाजर ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने फलस्तीन को दिल्ली में अपने दूतावास के लिए जमीन दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। फलस्तीनी राजनयिक ने कांग्रेस मुख्यालय के बाहर पत्रकारों से अपनी बातचीत में कहा, हमारे बीच रिश्तों का इतिहास रहा है। उन्होंने (मनमोहन सिंह) 1991 में यासर अराफात से मुलाकात की थी, जब वह वित्त मंत्री थे, उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई बार (फलस्तीन राज्य) के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। उन्होंने फलस्तीन राज्य के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की ओर से भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की।

'फलस्तीन के लिए मनमोहन सिंह का समर्थन सराहनीय'

फलस्तीनी राजनयिक अबेद एलराजेग अबू जाजर ने कहा, 'हमारे उनके (मनमोहन सिंह) साथ अच्छे संबंध थे।

उन्होंने दिल्ली में फलस्तीनी दूतावास की स्थापना के लिए जमीन भी दिलाई, दूतावास के निर्माण में सहायता की और 2012 में उसका उद्घाटन भी किया।' उन्होंने कहा, 'हम फलस्तीन के प्रति उनके समर्थन की सराहना करते हैं, हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं। हम भारतीय नेता के प्रति अपना सम्मान दिखाने के लिए भारत के लोगों के साथ खड़े हैं।'

यूएन में मनमोहन सिंह ने किया था फलस्तीन का समर्थन

बता दें कि, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान महमूद अब्बास ने कई बार भारत का दौरा किया। वहीं सितंबर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के समक्ष एक भाषण में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि भारत 'पूर्वी यरुशलम को अपनी राजधानी के रूप में एक संप्रभु, स्वतंत्र, व्यवहार्य और एकीकृत फलस्तीन राज्य के लिए फलस्तीनी लोगों के 'संघर्ष' का समर्थन करता है।

भूटान में मनमोहन सिंह के लिए की गई विशेष प्रार्थनाएं; अंतिम संस्कार में शामिल हुए राजा वांगचुक

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पूरे भूटान में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गई हैं। जानकारी के मुताबिक हिमालयी देश के सभी 20 जिलों में पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री को नमन किया गया है।

जबकि भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शनिवार को दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे एक दिन पहले उन्होंने थिम्पू के एक बौद्ध मठ में पूर्व प्रधानमंत्री के लिए प्रार्थना की थी।

तस्करों ने नारकोटिक्स अफसर को गोली मारी

नीमच, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की नीमच टीम ने फिल्मी अंदाज में डोडाचूरा से भरी इनोवा कार जब्त की है। इस दौरान एक आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकला। गोलीबारी में एक अफसर घायल हुआ है। वाहन की टक्कर से दो कर्मचारी भी घायल हुए हैं।

पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंगलवाड़ के पास नारायणपुरा टोल प्लाजा का है। कार्रवाई शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। सीबीएन की टीम ने इनोवा कार से 345 किलो से ज्यादा डोडाचूरा जब्त किया है। बताया जा रहा है कि डोडाचूरा उदयपुर ले जाया जा रहा था। बता दें, एक महीने के अंदर नारकोटिक्स की टीम पर डोडाचूरा तस्करों ने दूसरी बार हमला किया है।

इससे पहले चित्तौड़गढ़-बारां हाईवे पर कोटा हैंगिग ब्रिज (राजस्थान) के पास तस्करों ने पिकअप वाहन से जावरा सेल की टीम की गाड़ी को टक्कर मारी थी।

खबरें जरा हटके

दिल्ली के लोगों ने ऑर्डर की 60 करोड़ रुपये की नूडल

1 घंटे में मंगवाया 4500 किलो प्याज! रिपोर्ट में खुलासा

ऑनलाइन सामान मंगवाना आजकल इतना आसान हो गया है कि लोग घर बैठे सिर्फ चंद बटन दबाकर घर का सारा राशन मंगवा लेते हैं. कई ऑनलाइन डिलीवरी एप्स आ चुके हैं, जिनके जरिए ये काम आसान हो गया है. स्विगी नाम की फूड डिलीवरी कंपनी ने भी अपना ऑनलाइन ई-कॉमर्स पोर्टल, इंस्टामार्ट लॉन्च किया था, जिसकी मदद से लोग घर बैठे राशन भी मंगवा सकें. हाल ही में इंस्टामार्ट ने एक रिपोर्ट जारी की है. इस रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि भारत और बड़े शहरों में लोगों ने साल 2024 में क्या-क्या सामान मंगवाया. शॉपिंग का ये डेटा 1 जनवरी से 1 दिसंबर तक का है. भारत और कई बड़े महानगरों में इस साल लोगों ने जमकर शॉपिंग की है. शॉपिंग का ये डेटा अपने में ही अजब-गजब है. एक शहर ऐसा है जहां लोग 1 साल में 60 करोड़ रुपये की इंस्टेंट नूडल्स खा गए, यानी उन्होंने 60 करोड़ रुपये की इंस्टेंट नूडल को इंस्टामार्ट से 1 सालों में मंगवाया. ये शहर है देश की राजधानी दिल्ली. सबसे ज्यादा आलू के चिप्स भी दिल्ली में ही ऑर्डर किए गए हैं.

1 घंटे में ऑर्डर किए 4500 किलो प्याज

वहीं बात करें सबसे ज्यादा प्याज की तो इस लिस्ट में सबसे ऊपर मुंबई का नाम है. इसके बाद हैदराबाद और दिल्ली का भी नाम है. आपको जानकर हैरानी होगी कि 1 दिसंबर को भारत भर में सिर्फ शाम के 7 बजे से लेकर 8 बजे के बीच इंस्टामार्ट के ग्राहकों ने 4500 किलो प्याज ऑर्डर किया. मुंबई वासियों ने सिर्फ 1 दिन में 8 लाख रुपये का टॉनिक वॉटर ऑर्डर किया.

इस 6 फीट चौड़ी 5 मंजिल इमारत पर नहीं होता है भूकंप का असर! नाम है अजूबा घर

पति ने पत्नी को किया था गिफ्ट

सोशल मीडिया पर जब आप अजूबा घर सर्च करेंगे तो आपको मुजफ्फरपुर का एक 6 फीट चौड़ा 5 मंजिल का मकान दिखेगा. यह मकान एक बार फिर से इंस्टाग्राम से लेकर तमाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है. इस मकान को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं साथ ही जब लोग इस घर के रास्ते से गुजरते हैं तो इस घर को गौर से देखते हैं. यह घर शहर के गन्निपुर में रामदयालु स्टेशन के पास है. यह घर इलाके में आकर्षण का केन्द्र है. इसकी ख़ास बात यह भी है कि यह घर भूकंप के कई झटके भी सह लेता है. वहीं इस घर को लोग मोहब्बत की निशानी भी बताते हैं क्योंकि साल 2005 में बिल्डिंग के मालिक संतोष कुमार की जब शादी हुई तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुंह दिखाई में जमीन गिफ्ट की थी. उसके बाद इस घर को बनाया गया जिसके बाद देखते-देखते यह घर खूब वायरल हो गया. अजूबे घर के मालिक डॉ. संतोष कुमार ने लोकल 18 को बताया कि जब 2005 के मेरी शादी हुई, शादी के बाद लोग मुंह दिखाई में पत्नी को कुछ देते हैं अमूमन सोना, चांदी, जेवरात ये सब दिया जाता है. मेरी एक अलग सोच थी जिस सोच के साथ मैंने अपनी पत्नी को मुंह दिखाई में यह 3 धुर जमीन दी जो 6 फीट चौड़ी और 45 फीट लंबी है. पत्नी की दोस्त ने कॉल करके पूछा था कि मुंह दिखाई में क्या मिला तो ये बोली जमीन के कागज मिले हैं उस वक्त सभी ने इसे हंसी का पात्र बना दिया था. अचानक एक दिन इसका नक्शा बनवाने का प्रयास किया, सोचा कि जब जमीन दी है तो घर भी बना लेते हैं. लेकिन इंजीनियर इसके लिए तैयार नहीं हो रहे थे. 7 साल तक जमीन ऐसे ही पड़ी रही, फिर एक दिन पेन पेपर लेकर बैठा और नक्शा तैयार किया. वो नक्शा ले जाकर नगर निगम को दिखाया फिर वह लोग बोले ये पास कैसे होगा, हम बोले कमर्शियल पास कर दीजिए. जिसके बाद नक्शा पास हो गया. ढाई साल के बाद घर बनने लगा, बनने के समय भी 30 फीट नीचे से इसको ऊपर उठाया गया ताकि इसको कभी खतरा न हो. वहीं यह जो बिल्डिंग है वह बड़े-बड़े भूकंप के झटके झेल चुकी है. 2015 के जब भूकंप आया और कई बिल्डिंगों में दरार आ गई थी और कई गिर गई थी.

इस शहर में आधे से ज्यादा लोग हैं मोटे एक दिन में 3 बार खाते हैं बाहर का खाना

डिलीवरी वालों की हो जाती है आफत

दुनिया में ऐसे कई शहर हैं जहां पर लोगों के खाने-पीने का तरीका एक सेट पैटर्न का है. यानी बहुत से लोग बाहर का खाते हैं तो कई जगहों पर ऐसा भई होता है कि लोग रेस्टोरेंट से खाना नहीं पसंद करते. मगर ब्रिटेन के एक शहर में तो अलग ही माहौल है. यहां पर आधे से ज्यादा लोग मोटे हैं और वो बाहर का खाना इतना पसंद करते हैं कि एक दिन में 3-3 बार खाना खाते हैं. उनकी वजह से डिलीवरी वालों की आफत हो जाती है. वेबसाइट के अनुसार एबूवायल, साउथ वेल्स का एक शहर है, जिसे यूनाइटेड किंगडम का वो शहर माना जाता है, जहां अधिकतर लोग मोटे हैं. एक वक्त पर ये शहर स्टील हब था, पर अब ये मोटे लोगों के लिए फेमस हो चुका है. यहां पर बहुत से ऐसे लोग हैं जो 50 साल से कम की उम्र के हैं और ओवरवेट हैं. ये लोग ओबीस श्रेणी में आते हैं. कई डिलीवरी ड्राइवरों ने दावा किया है कि वो एक दिन में 3-3 बार एक ही ग्राहक के घर के चक्कर लगाते हैं.

37 साल की एक ब्यूटीशियन जोडी ह्यूज ने डेली मेल से बात करते हुए कहा कि उनका शहर मोटापे से जूझ रहा है. उन्होंने खुद भी काफी वजन बढ़ा लिया था, जिसकी वजह से उन्हें गैस्ट्रिक बैंड पहनने की जरूरत पड़ गई थी. उन्होंने बताया कि शहर में इतने टेकअवे और फास्टफूड की जगहें हैं जो लोगों का पेट भर रही हैं. उनका मानना है कि ये फास्ट फूड चेन्स की लत लोगों को लग गई है, जिसकी वजह से वो मोटे होते जा रहे हैं.

बीड सरपंच की हत्या को लेकर गरमाई राजनीति

भाजपा अध्यक्ष बोले-विधायक से बात करेंगे

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि वे पार्टी विधायक सुरेश धास से कहेंगे कि वे बीड सरपंच की हत्या के मामले में सार्वजनिक बयानबाजी न करें। दरअसल धास ने बीड सरपंच की हत्या के मामले में अपरोक्ष रूप से एनसीपी विधायक धनंजय मुंडे पर आरोप लगाए हैं। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भाजपा, एनसीपी और शिवसेना का गठबंधन है। ऐसे में भाजपा विधायक द्वारा बयानबाजी से राजनीति गरमा गई है।

बावनकुले ने कहा-विधायक से बात करेंगे

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई थी। इस पर आष्टी सीट से भाजपा विधायक सुरेश धास ने धनंजय मुंडे का नाम लिए बगैर उनकी आलोचना की। भाजपा विधायक ने दावा किया कि हत्या मामले के मुख्य आरोपी एनसीपी विधायक धनंजय मुंडे से अपने संबंधों के कारण गिरफ्तारी से बच रहे हैं। इस पूरे मामले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में आश्वासन दिया है कि इस हत्या मामले में दोषियों को उनके राजनीतिक संबंधों की परवाह किए बिना न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

बावनकुले ने कहा, 'मैं सुरेश धास से कहूंगा कि उनके पास जो भी जानकारी है, उसे सार्वजनिक करने के बजाय सीधे मुख्यमंत्री से साझा करें। मैं उनसे कहूंगा कि वे ऐसी कोई टिप्पणी न करें जिससे जांच में बाधा आए।' बावनकुले 12 जनवरी को होने वाले राज्य स्तरीय भाजपा सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अहिल्यानगर जिले के शिरडी के दौरे पर थे। भाजपा नेता ने कहा, 'भाजपा सम्मेलन के लिए 15,000 प्रतिनिधि शिरडी में जुटेंगे, जिसका उद्घाटन जेपी नड्डा करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समापन भाषण देंगे।'

हत्या के मामले चार लोग गिरफ्तार

पुलिस ने अब तक सरपंच की हत्या के सिलसिले में अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के पूर्व तहसील प्रमुख विष्णु चाटे सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे महाराष्ट्र में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। पुलिस तीन अन्य लोगों की तलाश कर रही है, जिन्हें 9 दिसंबर को देशमुख का अपहरण करने और उनकी बेरहमी से हत्या करने के लिए वांछित आरोपी बनाया गया है। वांछित लोगों में बीड निवासी वाल्मिक कराड भी शामिल है, जो कथित तौर पर एनसीपी मंत्री और परली विधायक धनंजय मुंडे का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में 60 साल पुराने मंदिर को गिराया गया मौके पर तैनात रही पुलिस

शिमला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सुजानपुर से थुरल हाईवे पर कुठेडा (उबक) क्षेत्र में शिव ओर शनि देव को उच्च न्यायालय के आदेशानुसार अतिक्रमण की जड़ में आए वर्षों पुराने मंदिर को शुक्रवार के गिरा दिया गया। एक व्यक्ति की शिकायत के बाद प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में लोक निर्माण विभाग की और से यह कार्रवाई की गई। मंदिर के साथ ही एक व्यक्ति के मकान के छज्जे को भी तोड़ा गया है।

मकान का यह छज्जा भी अतिक्रमण के दायरे में आ रहा था। मंदिर को गिराने के लिए जैसे ही लोक निर्माण विभाग प्रशासन और पुलिस के साथ पहुंचा वैसे ही ग्रामीणों का विरोध शुरू हो गया। ग्रामीण मंदिर गिरने की विरोध में सड़क मार्ग पर उतर आए। इनका कहना था कि यह मंदिर लगभग 60 साल पुराना है तथा क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रतीक है। पहले यहां पर सिर्फ मूर्तियां ही होती थी लेकिन लोगों ने आपसी सहयोग से इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

पेरिया डबल मर्डर केस : सीपीएम के पूर्व विधायक समेत 14 लोग दोषी

सीबीआई की अदालत तीन जनवरी को सुनाएगी सजा

कोच्चि, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में कासरगोड के पेरिया में दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में शनिवार को एक सीबीआई अदालत ने सीपीआई(एम) के पूर्व विधायक समेत 14 आरोपियों को दोषी ठहराया। हत्या पांच साल पहले हुई थी और मृतकों की पहचान क्रिपेश और सरथ लाल के तौर पर की गई है। 24 आरोपियों में से अदालत ने आठ को हत्या की साजिश के आरोप में दोषी पाया। अन्य छह को साजिश रचने, सबूतों को नष्ट करने और अपराध को अंजाम देने में सहायता प्रदान करने में दोषी पाया गया है। बाकी के 10 आरोपियों को मामले से बरी कर दिया गया है। अदालत तीन जनवरी को इसपर सजा सुनाएगी।

24 लोगों के खिलाफ किया गया था मामला दर्ज

यह मामला 17 फरवरी 2019 को सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश और सरथ लाल पीके की हत्या से संबंधित है। दोषी पाए गए आरोपियों में पूर्व विधायक और सीपीआई (एम) जिला नेता केवी कुन्हिरमन, कन्हानगढ़ ब्लॉक पंचायत अध्यक्ष के. मणिकंदन, पूर्व सीपीआई (एम) पेरिया स्थानीय समिति के सदस्य ए. पीतांबरन और पूर्व पक्कम स्थानीय सचिव राघवन वेलुथोली का नाम शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इलाके में सीपीआई(एम) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से हमले भी हुए और हत्या को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने इस मामले में 24 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें छह सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 23 अक्तूबर 2019 में केरल पुलिस से मामला अपने हाथ में ले लिया था।क्राइम ब्रांच ने 20 मई 2019 में 14 लोगों के खिलाफ चार्टशीट दाखिल की थी, लेकिन पीड़ितों के माता-पिता ने पुलिस के निष्कर्षों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आरोप पत्र को रद्द करने की मांग की।

दिल्ली सरकार के दावे की असलियत, सफाई कर्मचारियों को महीनों से नहीं मिल रहा वेतन

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने शनिवार को कालकाजी स्थित सर्वोदय विद्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने स्कूल के बच्चों और उनके अभिभावकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के शैक्षिक प्रयासों और सुधारों का जोरदार प्रचार किया। लेकिन, इसी दौरान वहां एक गंभीर स्थिति देखने को मिली, जहां सफाई कर्मचारी सैलरी न मिलने से परेशान नजर आए।

सर्वोदय विद्यालय में काम करने वाले कई सफाईकर्मी अपना वेतन न मिलने के कारण गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। यह सफाई कर्मचारी पिछले तीन महीनों से वेतन से वंचित थे। कर्ज में डूबे सफाई कर्मचारी अपने घर का किराया तक नहीं चुका पा रहे हैं। वह मुख्यमंत्री आतिशी से मिलकर अपनी समस्या साझा करना चाहते थे। लेकिन, अफसोस की उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। सफाई कर्मियों का आरोप है कि दिल्ली सरकार यह दावा करती है कि उनका वेतन समय पर दिया जाता है, जबकि असलियत इसके बिल्कुल विपरीत है। सफाईकर्मियों ने आईएएनएस से खास बातचीत में अपनी परेशानी साझा की और बताया कि कैसे समय पर सैलरी न मिलने के कारण वे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। सफाई कर्मचारी रीना ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि हम लोगों को सैलरी नहीं मिल रही है, जिससे हम परेशान हैं। हमारे पास पैसा नहीं हैं, हम अपने लिए दवाई तक लेने नहीं जा सकते। इस स्कूल में हम बच्चों के लिए अपनी जान छिड़क रहे हैं। हम सफाई का काम करते हैं और हम पेरेंट्स भी हैं। तीन महीने से हमारी पेमेंट नहीं आई थी, जब हम आतिशी मैडम के ऑफिस में गए थे, तब हमारी सैलरी आई थी।

मराठी अभिनेत्री उर्मिला कोठारे की कार की चपेट में आए दो लोग, श्रमिक की मौत

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के कांदिवली में शुक्रवार की रात मशहूर मराठी अभिनेत्री उर्मिला कोठारे की कार दुर्घटनाग्रस्त हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उर्मिला अपने काम से वापस आ रही थीं और उनकी कार उनका चालक चला रहा था, जिसने वाहन से अपना नियंत्रण खोया। चालक की लापरवाही के कारण कार ने पोइसर मेट्रो स्टेशन के पास दो मेट्रो श्रमिकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ। वहीं, इस हादसे में उर्मिला भी घायल हुईं। इस घटना के बाद समता नगर थाने में कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा, कार में एयरबैग लगा हुआ था, जिसकी वजह से उर्मिला की जान बच गई।

'ये आदेश एलजी नहीं, अमित शाह के ऑफिस से आया है'

महिला सम्मान योजना के जांच के आदेश पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महिला सम्मान योजना की जांच के आदेश दिए हैं। इसे लेकर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला है। केजरीवाल का कहना है कि भाजपा दिल्ली में महिला सम्मान योजना रोकना चाहती है। ये आदेश एलजी ऑफिस से नहीं, अमित शाह के ऑफिस से आया है। भाजपा महिलाओं का सम्मान नहीं करती है।

भाजपा दिल्ली चुनाव में हार मान चुकी है। दिल्ली में महिला सम्मान योजना को महिलाओं का पूरा समर्थन मिल रहा है। अब तक 22 लाख से ज्यादा महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। केजरीवाल ने कहा कि महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना से दिल्ली के लोग खुश थे। भाजपा इन योजनाओं को रोकना चाहती है। भाजपा महिला सम्मान योजना से बौखला गई है। भाजपा वाले दिल्ली में पैसे बांट रहे हैं। मैंने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद हम महिलाओं को 2100 रुपए देंगे और 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देंगे। ये दोनों योजनाएं जनता के लिए इतनी फायदेमंद थीं कि लाखों लोगों ने पहले ही इनके लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया था। इससे भाजपा घबरा गई, कई भाजपा नेताओं ने मुझसे कहा कि जीतना तो छोड़िए, कई जगह भाजपा की जमानत जब्त हो जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि पहले उन्होंने अपने गुंडे भेजे, फिर पुलिस भेजकर रजिस्ट्रेशन कैंप उखाड़ दिया, आज उन्होंने फर्जी जांच के आदेश दे दिए कि जांच होगी। किस बात की जांच होगी? हमने चुनावी घोषणा की थी कि चुनाव जीतेंगे तो इसे लागू करेंगे। मुझे खुशी है कि इस कदम से भाजपा ने साफ कर दिया है कि वे चुनाव क्यों लड़ रहे हैं। आज उन्होंने बता दिया है कि अगर आप उन्हें वोट देंगे तो वे महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना को लागू नहीं करेंगे। वे बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा बंद कर देंगे, वे आपकी मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त इलाज और मुफ्त शिक्षा बंद कर देंगे।

कटड़ा में रोपवे परियोजना के खिलाफ हड़ताल का चौथा दिन, संघर्ष समिति ने 72 घंटे और बढ़ाई

जम्मू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रोपवे परियोजना के खिलाफ कटड़ा में हड़ताल शनिवार को चौथे दिन हो गया है, जहां प्रदर्शनकारी पुलिस द्वारा कटड़ा में हिरासत में लिए गए कई लोगों की रिहाई की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को जम्मू चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने अपना समर्थन दिया और प्रशासन से इस मुद्दे को बातचीत के जरिए हल करने की अपील की है। इससे पहले हफ्ते में श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने इलाके में सभी व्यापारिक गतिविधियों को बंद करने का ऐलान किया था। शुक्रवार रात को समिति ने बंद को 72 घंटे और बढ़ा दिया। बुधवार से सभी दुकानें, रेस्टोरेंट और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं, जिससे कटड़ा जिसे सामान्य जीवन प्रभावित हुआ हो रहा है। जहां रोज हजारों श्रद्धालु माता वैष्णो देवी की गुफा मंदिर में पूजा करने आते हैं। समिति के प्रवक्ता ने कहा हमने पिछले रात हड़ताल को बढ़ाया है। यह 72 घंटे तक जारी रहेगा जब तक सरकार रोपवे परियोजना को रद्द नहीं करती। समिति के पांच सदस्य भूख हड़ताल पर हैं, जिनकी मांग है कि उन 18 सदस्यों को रिहा किया जाए, जिन्हें रोपवे परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था।

बर्फबारी से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

अजमेर में 14 साल का रिकॉर्ड टूटा,यूपी में स्कूल बंद; एमपी में ओले गिरे

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और तनमार्ग में बर्फबारी के कारण फंसे 68 टूरिस्ट को शुक्रवार देर रात सेना ने रेस्क्यू किया। आर्मी ने बताया कि अचानक हुई भारी बर्फबारी और सड़कों के बंद होने के कारण 30 महिलाओं और 8 बच्चों समेत 68 लोग घाटी पर फंस गए थे। उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उन्हें शेल्टर और दवाएं भी दी गईं। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड को बंद हो गया। श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर 2,000 वाहन फंस गए। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार सुबह श्रीनगर एयरपोर्ट पर 80% उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं घने कोहरे के चलते दिल्ली में 14 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शुक्रवार को दिल्ली में 24 घंटे में शहर में 9.1mm बारिश दर्ज की गई। यह पिछले 15 साल में दिसंबर महीने की सबसे ज्यादा बारिश रही। वहीं, राजस्थान के अजमेर में भी दिसंबर महीने में पिछले 24 घंटे के दौरान 21.4mm से ज्यादा बरसात रिकॉर्ड हुई। यह पिछले 14 साल में दिसंबर की सबसे ज्यादा बारिश है। यूपी के मुजफ्फरपुर में तेज बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिससे महिला की मौत हो गई। बारिश और ठंड के कारण गाजियाबाद-मेरठ में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। शुक्रवार को एमपी के कई जिलों में बारिश हुई। रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

नौकरी न मिलने पर युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपयुक्त नौकरी न मिल पाने से परेशान और आर्थिक तंगी से परेशान एक युवक ने शुक्रवार को शहर के बाहरी इलाके घाटकेसर के औशापुर में ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यद्राद्री-भोंगीर जिले का रहने वाला के रेवंत (25) अमीरपेट के एक संस्थान में तकनीकी कोर्स की कोचिंग ले रहा था और शहर में किराए के मकान में रह रहा था। वह लंबे समय से नौकरी की तलाश कर रहा था, लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। बताया जा रहा है कि वह इस बात से परेशान था और शुक्रवार रात को घाटकेसर के औशापुर में ट्रेन के सामने आकर उसने आत्महत्या कर ली। राजकीय रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरी के आरोप में नाबालिग गिरफ्तार

3 लाख रुपये के सोने, चांदी के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर शनिवार को हुसैनियालम में घरों में सेंधमारी और चोरी करने के आरोप में एक 17 वर्षीय लड़के को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण जब्त किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीसरी कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देने वाले इस किशोर को शराब पीने की लत लग गई और अपने खर्चों के लिए उसने सुनसान रिहायशी कॉलोनियों में घरों में चोरी करना शुरू कर दिया। वह ऑटोमोबाइल और मोबाइल फोन चोरी के मामलों में भी शामिल था।

वर्ष-29 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष कृ.14 2081 रविवार, 29 दिसंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ⁂ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

हाइड्रा लोगों में जागरूकता पैदा कर रहा है : आयुक्त

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त रंगनाथ ने आज कहा कि अवैध निर्माणों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा की गई है। उन्होंने कहा कि हाइड्रा के पांच महीने के कामकाज और अगले साल की कार्ययोजना की घोषणा की जाएगी और कहा कि ओआरआर के भीतर 2,050 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र हाइड्रा के अधीन आएगा। शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रंगनाथ ने कहा कि हाइड्रा ने पहले ही 200 एकड़ सरकारी जमीन बचा ली है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से लोगों में एफटीएल, बफर जोन और अवैध निर्माणों के बारे में जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा, अब नए प्लॉट और घर खरीदने वाले लोग सावधानी बरत रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाइड्रा ने अब तक आठ तालाब और 12 पार्क बचाए हैं। तकनीक की मदद से हम तालाबों, एफटीएल और बफर जोन की सीमाएं तय कर रहे हैं। हम एसआरएसई के साथ समन्वय में सैटेलाइट इमेज जुटा रहे हैं। हवाई ड्रोन इमेज भी ली जाएंगी। सरकारी जमीनों की जियो-फेंसिंग करने के लिए कदम उठाए गए हैं। हम 2000 से 2024 तक के तालाबों की तस्वीरें जुटा रहे हैं। हाइड्रा को अब तक 5,800 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। हम नालों के मामले में किर्लोस्कर से भी समन्वय कर रहे हैं। नगर पालिकाओं में अनधिकृत निर्माणों को लेकर काफी शिकायतें मिली हैं। हाइड्रा को ऐसे फैलाया जा रहा है जैसे यह सिर्फ ध्वस्त करने के लिए है। हाइड्रा का मुख्य काम सरकारी जमीनों, तालाबों और पार्कों की रक्षा करना है। हम जमीनों की सुरक्षा के साथ-साथ बाढ़ से बचाव के उपाय भी करेंगे। हमने सरकार से हाइड्रा को डॉप्लर रडार उपलब्ध कराने की अपील की है। अगर डाप्लर रडार है तो राडार से हम मौसम का सटीक पूर्वानुमान एकत्र करेंगे। हाइड्रा की ओर से हम जल्द ही एक एफएम चैनल स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। इसके माध्यम से लोग समय-समय पर मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यदि व्यावसायिक परिसर हैं, तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यातायात प्रबंधन के लिए डीआरएफ कर्मियों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि नोटरी दस्तावेजों के संबंध में जनता को कुछ हद तक सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई अवैध निर्माण है, तो ऐसी संरचनाओं की खरीद में सावधानी बरती जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नए साल में हर सोमवार को जनता से शिकायतें प्राप्त की जाएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी को भी एनओसी नहीं दी जाएगी और कहा कि मूसी नदी में अवैध निर्माण होने पर कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के सरकारी प्रस्ताव का विरोध

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप), तेलंगाना इकाई ने मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। विहिप का आरोप है कि यह अक्षय ऊर्जा पहल की आड़ में मंदिर की जमीन हड़पने की चाल है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुतला शशिधर और विहिप के राज्य अध्यक्ष बी. नरसिंहमूर्ति ने मांग की कि सरकार इस प्रस्ताव को तुरंत वापस ले, जो मंदिर की संपत्तियों के निजीकरण का नवीनतम प्रयास है। मंदिर का दावा है कि सरकार मंदिर की जमीनों की केवल संरक्षक है, मालिक नहीं, यह तथ्य अदालतों द्वारा बार-बार बरकरार रखा गया है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष सरकारों ने मंदिर के मामलों को नियंत्रित करने के लिए अपनी शक्ति का लगातार दुरूपयोग किया है, जिसके कारण कुप्रबंधन हुआ है और अरबों रुपये की मंदिर की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

तेलंगाना विधानसभा मनमोहन को श्रद्धांजलि देने के लिए कल विशेष सत्र आयोजित करेगी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए 30 दिसंबर को एक विशेष सत्र बुलाएगी, जिनका गुरुवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सत्र सुबह 10 बजे शुरू होगा, जिसके दौरान सदस्य दिवंगत नेता के सम्मान में शोक सभा करेंगे। डॉ. मनमोहन सिंह, जिन्होंने एक दशक तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, देश के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाते थे। उनके निधन के बाद, पूरे देश से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह सहित प्रमुख नेताओं ने अपनी संवेदना व्यक्त की। उनका अंतिम संस्कार राष्ट्रीय राजधानी में राजकीय सम्मान और सिख परंपराओं के साथ किया गया। इस महीने की शुरूआत में, तेलंगाना विधानसभा ने 9 से 21 दिसंबर तक अपना नियमित शीतकालीन सत्र आयोजित किया और इस सत्र में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए।

आदि श्रीनिवास ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर कविता के रुख की आलोचना की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता की आलोचना की है और उन पर राजनीतिक लाभ के लिए पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाने का आरोप लगाया है। शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए आदि श्रीनिवास ने कविता के पिछड़ा वर्ग से जुड़ाव पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि उनके कार्यों में वास्तविक चिंता के बजाय सतही सहानुभूति झलकती है। श्रीनिवास ने जोर देकर कहा, पिछड़ा वर्ग के लोगों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने की ताकत है, उन्हें उनकी वकालत की जरूरत नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के 10 साल के सत्ता में रहने के दौरान पिछड़ा वर्ग के मुद्दों पर कविता की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या उन्होंने कभी पिछड़ा वर्ग के लिए आवाज उठाई? अगर बीआरएस को वास्तव में परवाह थी, तो उन्होंने जाति आधारित जनगणना का समर्थन क्यों नहीं किया या स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण क्यों नहीं बढ़ाया?

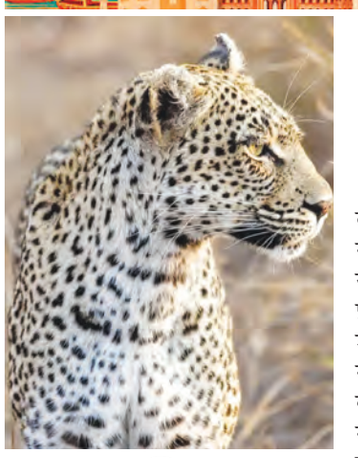

बाघ की दहशत के बीच अब तेंदुए की एंट्री

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के रहमान खेड़ा इलाके में पिछले 26 दिनों से बाघ की दहशत के बीच बख्शी की तालाब क्षेत्र में तेंदुए की एंट्री हो गई है। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट कॉलेज परिसर में शाम हॉकी खिलाड़ियों ने तेंदुए देखें। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, खिलाड़ियों ने कॉलेज परिसर के वीआईपी गेस्ट हाउस के तरणताल क्षेत्र में तेंदुए को देखा। ऐसे में खिलाड़ियों ने सूचना कॉलेज प्रशासन को दी। इससे पहले 2 दिन पहले भी एक टेंट हाउस में कर्मचारी ने तेंदुआ देखा था। स्पोर्ट्स कॉलेज प्रशासन ने तेंदुए के लगातार देखे जाने के बाद शुक्रवार को स्टाफ और छात्रावास के खिलाड़ियों को नोटिस जारी करकेसतर्क रहने के लिए कहा है। स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय सेठी ने बताया कि तेंदुआ देखे जाने की सूचना जिला वन विभाग को दे दी गई है। डीएफओ शीतांशु पांडे ने बताया कि सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भेजी गई है, लेकिन परिसर में तेंदुआ के पगमार नहीं मिले सुरक्षा के दृष्टि से अगले 3 दिन के लिए टीम लगाई गई।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराकर पलटा लोडर, 18 घायल; खाटू श्याम से लौट रहे थे लोग

उन्नाव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर औरास क्षेत्र में एक लोडर अनियंत्रित हो पलट गया। हादसे में लोडर सवार 26 लोगों में दंपती समेत 18 लोग घायल हो गए। गंभीर घायलों में तीन को लखनऊ केजीएमयू रेफर किया गया है। अन्य को सीएचसी में इलाज के बाद दूसरे वाहन से घर भेजा गया। सभी लोडर में बैठकर राजस्थान में बाला जी व खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे थे। लखनऊ के इंटौजा क्षेत्र के कुंडापुर निवासी अमन लोडर चलाता है। 25 दिसंबर को अमन अपने रिश्तेदार व पड़ोसी समेत 26 लोगों को लोडर में बैठकर खाटू श्याम व बालाजी मंदिर दर्शन करने के लिए राजस्थान गया था। शनिवार को वह घर लौट रहा था। सुबह करीब आठ बजे औरास क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर लोधाटिकुर (पंचम खेड़ा) गांव के पास चालक अमन को झपकी लग गई, जिससे लोडर डिवाइडर से टकराकर दो तीन बार पलटी खाकर फेसिंग जाली से टकराकर रुक गया। हादसे के बाद लोडर में बैठे लोगों में चीख पुकार मच गई। करीब 20 मिनट बाद पहुंचे यूपीडा कर्मियों ने पुलिस की मदद से 18 घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। एक मासूम समेत तीन को केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया। अन्य को इलाज के बाद गंतव्य के लिए भेजा गया।

कहां बने मनमोहन सिंह का स्मारक?

अखिलेश यादव और मायावती ने सुझाई जगह, बीजेपी पर भी साधा निशाना

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के अंत्येष्टि स्थल और स्मारक के चयन को लेकर बयान दिया है। दोनों नेताओं ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि इस मामले में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'देश के पूर्व प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) जी की समाधि के संदर्भ में सम्मान की परंपरा का निर्वहन होना चाहिए। इस विषय पर न किसी राजनीति की आवश्यकता है, न होनी चाहिए।'

राजघाट पर बने स्मारक- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा, ''डॉक्टर मनमोहन सिंह जी की समाधि राजघाट पर ही बननी चाहिए। भाजपा अपनी संकीर्ण सोच का अनुचित उदाहरण प्रस्तुत न करे। इतिहास बीजेपी को उसके इस नकारात्मक नजरिये के लिए कभी माफ नहीं करेगा।'

परिवारवाले जहां बोले, वहां बने स्मारक- मायावती

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' के जरिए नसीहत देते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डॉ। मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उसी स्थान पर करना चाहिए और उनके सम्मान में उसी स्थान पर स्मारक बनवाना चाहिए, जहां उनके परिवार की दिली इच्छा है। मायावती ने कहा, 'इसके लिए कोई राजनीति करना ठीक नहीं है। इन मामलों में यदि केंद्र सरकार उनके परिवार एवं सिख समाज की भी भावनाओं का सम्मान करती है तो यह उचित होगा।'

कानपुर में रिटायर्ड बैंक कर्मी को पत्नी समेत किया डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगों ने उड़ाए 40 लाख रुपये

कानपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में लगातार साइबर धोखाधड़ी को लेकर हर दिन नई-नई खबरें सामने आती हैं। जिसमें अपराधी वीडियो या ऑडियो कॉल के जरिए अपने जाल में सीधे-साधे लोगों को फांसते हैं और फिर उनसे साइबर ठगी कर उनके लाखों रुपया उड़ा लेते हैं। ऐसा ही एक अनोखा और बड़ा मामला सामने आया है जिसमें कानपुर शहर में एक रिटायर्ड बैंक कर्मी और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर 40 लाख रुपये के लगभग की ठगी हुई है। इसके साथ ही ठगों ने इन पति-पत्नी को 4 दिन तक लगातार डिजिटल अरेस्ट कर रखा और पैसे लूटते रहे। इस मामले की जानकारी मिलते ही कानपुर पुलिस जांच में जुट गई और ठगों तक पहुंच के लिए अलग-अलग तकनीक के सहारे इस घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है।

17 सीज ट्रक लेकर भागे दबंग ट्रक मालिक

चेकिंग अभियान में पकड़ा गया था 108 ट्रक

मिर्जापुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मिर्जापुर के अदलहाट और अहरौरा थाना क्षेत्रों में प्रशासन ने ओवरलोड और बिना परमिट दौड़ रहे ट्रकों पर बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम चुनार राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में खनिज, परिवहन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर 108 ट्रकों को सीज किया। सीज किए गए ट्रकों को अदलहाट और अहरौरा थाने में पुलिस की निगरानी में रखा गया था। लेकिन दबंग ट्रक मालिकों ने पुलिस की निगरानी के बावजूद 17 ट्रकों को भगा दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई तेज की और 4 ट्रकों को बरामद कर लिया। शेष 13 ट्रकों और उनके मालिकों की तलाश जारी है। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि 17 वाहनों के खिलाफ बिना अनुमति ट्रक ले जाने के मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। खान अधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि सीज किए गए प्रत्येक वाहन पर 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। कुल मिलाकर 54 लाख रुपये का जुर्माना वसूल कर राजस्व में जोड़ा जाएगा। इस अभियान में एसडीएम चुनार राजेश कुमार वर्मा, खान अधिकारी जितेंद्र सिंह, एआरटीओ विजय प्रकाश, और एसपी सिंह की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान खनिज सामग्री लेकर जाने वाले वाहनों की ओवरलोडिंग और परमिट की गहन जांच की गई। पुलिस ने अब तक 4 फरार ट्रकों को बरामद कर अदलहाट थाने में खड़ा करवा दिया है।

शाइस्ता की दिल्ली स्टेशन पर जका से हुई थी मुलाकात

अतीक के भांजे ने पुलिस के सामने उगले कई राज, पूछताछ जारी

प्रयागराज, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में उमेश पाल के हत्याकांड में अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर चल रही अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने भांजे जका से दिल्ली स्टेशन पर मुलाकात की थी। यह राज पुलिस की गिरफ्त में आए अतीक के भांजे ने खोले हैं। पूरामुफ्ती पुलिस के सामने जका ने बताया कि उसकी करीब 7 महीने पहले आखिरी बार शाइस्ता से मुलाकात हुई थी। यह मुलाकात कुछ देर की ही थी। पुलिस की पूछताछ में जका ने बताया कि उसने अपने छिपने का ठिकाना कोलकाता में बनाया था। मरियाडीह में रहने वाले जका की पत्नी ने चार माह पहले ही बेटे को जन्म दिया था। उसी से मिलने के लिए जब वह प्रयागराज पहुंचा, तो पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा और वैगनार कार बरामद किया था। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने शाइस्ता को लेकर कई सवाल पूछे। इस पर उसने मामी शाइस्ता से दिल्ली स्टेशन पर मिलने की बात बताई। अब पुलिस ने खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया है। हालांकि शाइस्ता को लेकर फिलहाल पुलिस कुछ भी जानकारी देने से बच रही है।

डेटिंग ऐप वाली दोस्ती ने खूब रुलाया, जंगल में बीटेक के छात्र के साथ क्या हुआ?

ग्रेटर नोएडा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क के एक कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहे छात्र को ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर दोस्ती करना महंगा पड़ गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीटेक के छात्र की कुछ दिन पहले ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर समलैंगिक दोस्त से दोस्ती हुई, फिर उसे मिलने को बुलाया। समलैंगिक दोस्त ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई की। साथ ही उससे एक लाख रुपये भी ठग लिए। समलैंगिक दोस्तों ने पीड़ित छात्र को धमकी भी दी कि घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देंगे। हालांकि पीड़ित छात्र ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज किया है।

संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके पिता को जान से मारने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके पिता ममलुकुर्रहमान बर्क को जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। सांसद के आवास में कार्यरत केयरटेकर का आरोप है कि दूसरे संप्रदाय के युवक ने पहले 20 दिसंबर को जामा मस्जिद में घुसने की कोशिश की थी और अब सांसद के घर आकर धमकी देकर गया है। मामले ने केयर टेकर ने नखासा पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस जांच में जुट गई है।

कामिल केयर टेकर के रूप में कार्यरत है

दरअसल, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के दीपा सराय स्थित आवास पर मुहल्ला लोधी सराय निवासी कामिल केयर टेकर के रूप में कार्यरत है। कामिल का आरोप है कि गुरुवार की शाम दूसरे संप्रदाय का एक युवक सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास में घुस आया और सांसद व उनके पिता को पूछने लगा।

पिता और सांसद को कहे अपशब्द

आरोप है कि युवक ने सांसद और उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क के बारे में अपशब्द कहे और कहने लगा कि दोनों बाप बेटों ने परेशान कर रखा है। युवक को काफी समझाया, लेकिन वह नहीं माना और सांसद व उनके पिता को जान से मारने धमकी देकर चला गया। पुलिस ने शुरू की जांच आरोप है कि यह वही युवक था, जो 20 दिसंबर को जामा मस्जिद में घुसने का प्रयास कर चुका है। इसके बाद अब वह सांसद के आवास पर पहुंच गया और धमकी दी कि वह दोनों को जान से मार देगा। मामले में केयर टेकर कामिल की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। वहीं पुलिस भी जांच में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

पूर्णिया में लड़ाई सुलझाने के बहाने बुलाकर पत्रकार की हत्या

पूर्णिया, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक पत्रकार की हत्या का मामला सामने आया है। शुक्रवार देर रात सिर में रॉड से मारकर हत्या की गई है। पत्रकार के सिर पर गहरे चोट के निशान और हथेली पर खून लगा मिला है। मृतक की पहचान दैनिक अखबार के फोटो जर्नलिस्ट और रंगा थाना क्षेत्र के मरंगा के वार्ड 7 निवासी नीलांबर यादव (35) के रूप में हुई है। बीती रात फोटो जर्नलिस्ट की हत्या का मामला सामने आया है। जिसे पड़ोसी ने देर रात अपने घर बुलाकर लोहे के रॉड से मारकर जान ले ली। मृतक के भाई पीतांबर ने बताया कि 'कल रात उनके पड़ोसी निशांत यादव और उसकी पत्नी भवानी कुमारी के बीच लड़ाई हो रही थी। इसी बीच करीब 1:30 बजे निशांत यादव के पिता नीरज यादव झगड़े को सुलझाने के लिए मेरे बड़े भाई को बुलाने के लिए घर आए और आवाज लगाई। भाई जब उसके घर गए तो उनके घर में रहने वाले प्रमोद यादव ने पकड़ लिया। और निशांत यादव ने लोहे की खंती से उनके सिर पर वार किया। जिसके बाद वे बेसुध होकर गिर पड़े और कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। ' आरोपी निशांत यादव से पत्रकार नीलांबर यादव के परिजनों का पुराना विवाद चल रहा था। एक साल पहले निशांत यादव ने घर में घुसकर पत्रकार पर पिस्टल तानी थी और उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। जिसके बाद घर में कैमरा लगवाया गया था। इधर पुलिस को देखकर आरोपी निशांत यादव, उसके पिता नीरज यादव, पत्नी भवानी कुमारी, बहन रिचा कुमारी और स्वाति कुमारी घर के दीवार को छलांग लगाकर भाग गए। पुलिस ने मौके से आरोपी प्रमोद यादव को हिरासत में लिया है।

जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का भूमि पूजन

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में शाही जामा मस्जिद के बगल में पुलिस चौकी बनेगी। इसका नाम सत्यव्रत पुलिस चौकी रखा गया है। शनिवार सुबह 11 बजे एएसपी श्रीशचंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने विधि-विधान से भूमि पूजन किया। आचार्य पं। शोभित शास्त्री ने 40 मिनट तक पूजा करवाई। थोड़ी देर में नींव भरी जाएगी। इधर, संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके पिता ममलुकुर्रहमान को जान से मारने की धमकी दी गई है। आरोपी ने घर में घुसकर कहा- सांसद और उनके पिता ने बहुत परेशान किया। वह उनकी जान ले लेगा। संभल के चंदौसी में आर्कियोलॉजिक सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) के सर्वे के दौरान मिली बावड़ी की खुदाई 8वें दिन भी जारी है। अब तक खुदाई में 16 सीढ़ियां निकलकर सामने आई हैं। सीमेंट के खंभे भी मिले हैं। शाही जामा मस्जिद के बगल बनने वाली चौकी का नाम सत्यव्रत पुलिस चौकी रखा गया है। ऐसा कहा जाता है कि सतयुग में संभल का नाम 'सत्यव्रत नगर' था। चौकी का नाम संभल के पौराणिक इतिहास को ध्यान में रखते हुए रखा गया है। जिस पुलिस चौकी का भूमि पूजन हुआ है। उसे लेकर दो पक्ष सामने आए। एडिशनल एसपी के सामने दोनों ने अपने-अपने दावे किए। एक पक्ष का दावा है कि जमीन उनकी निजी है। वहीं दूसरे का दावा है कि जमीन वक्फ बोर्ड की है। यह भी कहा जा रहा है कि कुछ लोगों ने यह जमीन जामा मस्जिद को दी थी।

'डीएसपी ने मार डाला, उसे फांसी दो', बर्थडे पार्टी के दौरान युवक की हत्या के बाद बवाल

सासाराम, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास में गोलीबारी हुई है। रात की ये घटना है, जब गोली लगने से एक शख्स की मौत हो गई। इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के परिजनों ने ट्रैफिक डीएसपी और बॉडीगार्ड पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। बर्थडे पार्टी के दौरान युवक की हत्याः शिवसागर थाना क्षेत्र के सेनानी गांव के रहने वाले राणा ओमप्रकाश सिंह उर्फ बादल (34 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि घायलों में अतुल कुमार और विनोद कुमार शामिल हैं। मृतक के परिजनों ने कहा कि बर्थडे पार्टी के दौरान पुलिस से बहस हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने बादल के सीने में गोली मार दी। घटना सासाराम जिला मुख्यालय के कररहा मोड़ की है।

'डीएसपी ने मारी गोली': पीड़ित पक्ष का आरोप है कि रात को बादल और उसके कुछ दोस्त जन्मदिन पर पार्टी कर रहे थे। इसी बीच डीएसपी मोहम्मद आदिल अपने बॉडीगार्ड सोनू और 3-4 अन्य लोगों के साथ पहुंचे और लोगों को बर्थडे पार्टी मनाने से रोका। जब उन लोगों ने विरोध किया तो डीएसपी ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी। उन्होंने छह गोली चलाई। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग जख्मी हुए हैं। वसूली करने आए थे डीएसपी !: पीड़ित पक्ष ने डीएसपी पर वसूली का भी आरोप लगाया। इन लोगों के मुताबिक बर्थडे पार्टी के दौरान शराब का भी सेवन किया जा रहा था। शराबबंदी कानून होने के कारण डीएसपी ने पैसे की मांग क। जब पैसे देने से इंकार किया गया तो उन्होंने गोली चला दी। परिजनों का आरोप है कि जाने के दौरान डीएसपी ने सभी लोगों को झूठे मुकदमे में फंसाने की भी धमकी दी है। फिलहाल सासाराम नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

आईएएस ईशा दुहन की कार्रवाई से मची खलबली

राजस्व वसूली और ओटीएस योजना में लापरवाह रहे अफसर सस्पेंड

मेरठ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। एक मुश्त समाधान योजना, राजस्व वसूली, वाणिज्य मानकों पर खराब प्रदर्शन करने वाले एक अधीक्षण और चार अधिशासी अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक ईशा दुहन ने रात समीक्षा बैठक के बाद यह कार्रवाई की है। एमडी ईशा दुहन ने बताया कि लक्ष्य निर्धारित करने के बाद भी अधिकारी उस दिशा में कार्य करने में उदासीनता बरत रहे थे। समीक्षा बैठक में कई बार अधिकारियों को निर्देश दिए गए और चेतावनी जारी की गई।

इन अधिशासी अभियंताओं को किया निलंबित

जिसके बाद सहारनपुर के विद्युत वितरण मंडल के अधीक्षण अभियंता महेश कुमार अहिरवार, नकुड के अधिशासी अभियंता देवेंद्र कुमार गुप्ता, बबराला के अधिशासी अभियंता महेश चंद विश्वकर्मा, गढ़ मुक्तेश्वर के अधिशासी अभियंता आनंद गौतम, बुलंदशहर शिकारपुर के अधिशासी अभियंता अनीष कुमार माथुर को निलंबित किया गया है। एमडी ईशा दुहन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि लक्ष्य और निर्देश के अनुरूप कार्रवाई नहीं करने पर इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। एमडी के कदम से विभाग में खलबली है। बिजली के बिल के बकाएदारों के लिए सरचार्ज में छूट में पाने का अच्छा मौका बिजली बकाएदारों के लिए एक मुश्त समाधान योजना का पहला चरण 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक ईशा दुहन ने सभी बकायेदार उपभोक्ताओं से निकटतम खण्ड कार्यालय में पहुंचकर अधिकतम छूट का लाभ उठाए। एमडी ने बताया, कि पविविनिलि के अंतर्गत घरेलू, वाणिज्यिक, निजी संस्थानों, औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए 31 जनवरी तक तीन चरणों में लागू की गई है। 30 सितंबर 2024 तक के बकाया विद्युत बिलों के सरचार्ज में मिलेगी छूट।

मेरठ प्रथम और मेरठ द्वितीय क्षेत्र

31599, गाजियाबाद प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्षेत्र 29748, बुलंदशहर से 35420,मुजफ्फरनगर से 34161, सहारनपुर से 21984, नोएडा से 8563, मुरादाबाद क्षेत्र से लगभग 49886, गजरौला क्षेत्र से 43318 बकाएदारों ने पंजीकरण करा कर योजना का लाभ उठाया है। अब तक कुल 248245 पंजीकरण करा कर सरचार्ज माफी का लाभ लिया है।

'मुझे और मेरे परिवार को मुंह दिखाने लायक न छोड़ा', 330 शब्द का नोट, 4 बार लिखी ये बात; युवती ने दी जान

बदायूं, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बदायूं के बिल्सी इलाके में युवक ने एक तरफा प्यार के चलते युवती की शादी तुड़वा दी। इससे आहत युवती ने सुबह सुसाइड नोट लिखने के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आरोपी युवक समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नगर के मोहल्ला संख्या तीन निवासी दिलशाद मलिक ने अपनी बेटी नेहा (22 वर्ष) की शादी गांव धनौली निवासी जमशेद नाम के युवक के साथ तय की थी। इसके बाद 24 दिसंबर को लड़के पक्ष के लोग उनके घर आए थे। इसी दौरान मोहल्ले के ही निवासी जुनैद कुरैशी पुत्र नूर समेत उसके परिवार के लोगों ने जमशेद के घर वालों से यह कह दिया कि नेहा का जुनैद से अफेयर है। इसी बात पर लड़के वालों ने रिश्ता तोड़ दिया। इसके बाद से नेहा अवसाद में रहने लगी। भोर में साढ़े तीन बजे अपने कमरे में फंदा बनाकर उस पर झूल गई। युवती का शव लटका देखा तो परिजनों की चीख निकल गई। परिजनों को युवती के पास से सुसाइड नोट मिला। सूचना मिलने पर कोतवाल राजेंद्र सिंह पुंडीर पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए।

बहू तुम घर जाओ, बुलडोजर तो चलेगा

मायावती-अखिलेश के बाद कानपुर में बुआ-भतीजी के नए रिश्ते की एंट्री

कानपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी की सियासत में बुआ-भतीजे जब भी एक साथ आए, सुर्खियों में रहे। बुआ यानी मायावती, भतीजा मतलब अखिलेश यादव। मगर इन दिनों सियासतदानों के बीच बुआ-भतीजी का नया रिश्ता खूब चर्चा बटोर रहा है। एक ओर सियासत में जहां नेता एक-दूसरे का नाम लेते हुए भी अदब भूल जाते हैं, लेकिन यहां अंदाज बिल्कुल अलग है। यहां शिकवा-शिकायत भी हो रही है, तो एक खास लहजे में। हम चर्चा कर रहे हैं कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय और सपा विधायक नसीम सोलंकी की। अतिक्रमण अभियान के बीच परेशान लोगों की आवाज बनने के लिए नसीम सोलंकी पहुंची, चीख-पुकार के बीच भी जब वह मेयर प्रमिला पांडेय से बात करती हैं, तो आवाज में खनक और चेहरे पर मीठी मुस्कान होती है। उनकी बातें सुनकर तेज तर्रार प्रमिला पांडेय भी 'बहू' कहकर ही जवाब देती हैं। बहुत ही अदब से कहती हैं- वहीं जब नगर निगम सदन में सपा विधायक शपथ लेती हैं- तब कार्रवाई के दौरान बड़े सम्मान से कहती हैं, बुआ मेरे एरिया का ध्यान रखना। बुआ भी यानी प्रमिला पांडेय भी उतने ही सहज लहजे में जवाब देती हैं-पूरा शहर मेरा है, सभी का ख्याल रखती हूं। सियासी खींचतान में सत्ता और विपक्ष के दो सदस्यों के बीच ऐसी सहजता कम ही दिखाई देती है।

24 दिसंबर, 2024 : नगर निगम सदन

सदन के पटल पर मेयर प्रमिला पांडेय बैठी थीं। सपा सांसद नसीम सोलंकी माइक संभालती हैं और क्षेत्र के लोगों की समस्या बताती हैं। फिर मुस्कराते हुए कहती हैं, हमने लोगों की बात आप तक पहुंचा दी है। बुआजी...प्लीज हमारा ख्याल रखिए। दूसरी तरफ से प्रमिला पांडेय कहती हैं कि देखिए विधायक जी, मैं पूरे शहर की मेयर हूं। मैं सबका ख्याल रखती हूं। हनुमान नहीं हूं कि सीना चीरकर दिखा दूं। लोग मुझसे पूछते हैं, मैं बता दूं कि तुम मेरी बहू हो। मैं जांच करके आपको देखते हुए संतुष्ट करूंगी। नसीम कहती हैं कि आप ही कर सकती हैं, धन्यवाद।

20 दिसंबर, 2024 : सीसामऊ

नगर निगम का अतिक्रमण अभियान चल रहा था। 120 अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलना था। मेयर प्रमिला पांडेय खुद हेलमेट पहनकर मौके पर थीं। इसी दरम्यान सपा सांसद नसीम सोलंकी वहां पहुंचती हैं। हाथ जोड़ प्रमिला को प्रणाम करती हैं। प्रमिला मौके की नजाकत को पहले ही भांप लेती हैं, कहती हैं– बहू आप यहां से चले जाइए। आपके रहने से माहौल खराब हो सकता है। नसीम सोलंकी नजाकत से मुस्कुराते हुए कहती हैं, एक हफ्ते का समय दे दीजिए। मेयर ने कहा- बहू इसमें मैं तेरी कोई बात नहीं सुन सकूंगी। (इस दौरान प्रमिला पांडेय भी हाथ जोड़े दिखती हैं।) नसीम ने फिर कहा- लोगों के छोटे-छोटे बच्चे हैं। महापौर ने कहा- बच्चा आपका हो या मेरा हो। अगर वो मरता है तो जिम्मेदारी हम सभी की है।

पंजाब की जेलों में परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, भगवंत मान सरकार ने उठाया बड़ा कदम

चंडीगढ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब की भगवंत मान सरकार लगातार काम कर रही है। इसी के तहत राज्य की जेलों में सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा उठाया गया है। इसी में जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने जेल विभाग द्वारा 2024 के दौरान सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के साथ ही कैदियों के पुनर्वास में सुधार लाने में की जा रही जरूरी ध्यान दिया जा रहा है। लालजीत सिंह भुल्लर ने जेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार लुधियाना के निकट 100 करोड़ रुपये की लागत से 50 एकड़ में

जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर

फैली उच्च सुरक्षा वाली जेल का निर्माण कर रही है। पूरा होने पर इस सुविधा में 300 हाई फैक्टर वाले कैदियों को रखेंगे। कैबिनेट मंत्री ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि विभाग ने प्रौद्योगिकी एकीकरण को प्राथमिकता दी है, जिसके तहत आठ केंद्रीय जेलों में एआई-आधारित सीसीटीवी निगरानी लागू की जा रही है, ताकि तस्करी का सामान फेंके जाने, दीवार फांदने और अनधिकृत मोबाइल इस्तेमाल का पता लगाया जा सके। इस सिस्टम को 6 और जेलों में लागू किया जाएगा। इसी तरह, वी-कवच जैमर 12 संवेदनशील जेलों में लगाए जाने के प्रोसेस में हैं, जो केंद्रीय जेल बठिंडा में सफलतापूर्वक लागू किए जाने के बाद विकसित किए गए हैं, जहां सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीआरपीएफ की एक अतिरिक्त कंपनी भी भेजी गई है।

सिख्य दात परियोजना

जेल मंत्री ने कहा कि अवैध मोबाइल इस्तेमाल को रोकने के साथ ही संचार को नए बनाने के लिए 750 से ज्यादा कैदी कॉलिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। डिपार्टमेंट सभी 13 संवेदनशील जेलों को एक्स-रे बैगेज स्कैनर से लैस करने के साथ-साथ हाई सेफ्टी वाले एरियों में सीसीटीवी कवरेज लगाने के प्रोसेस में है, जहां हाई रिक्स वाले कैदी बंद हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2023 से न्यू एस्टेब्लिश रिसर्च इंस्टीट्यूट, विश्लेषण और इंटेलिजेंस विंग ने खुफिया-आधारित संचालन और कैदियों के व्यवहार विश्लेषण के जरिए आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है। पुनर्वास के मोर्चे पर, सरदार लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 2200 कैदी "सिख्य दात परियोजना" के तहत एकेडमिक कोर्स कर रहे हैं, जबकि 513 कैदियों को अलग-अलग कौशल विकास कार्यक्रमों में नामांकित किया जा रहा है, जिनमें बिजली का काम, प्लंबिंग और सिलाई शामिल है, जो इस दिसंबर में शुरू होने वाले हैं।

वायनाड में कांग्रेस नेता और बेटे की जहर खाने से मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

वायनाड, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में पुलिस ने कांग्रेस नेता और बेटे की मौत के मामले में जांच शुरू कर दी है। 78 साल के एन एम विजयन और उनके 38 साल के बेटे जिजेश की जहर खाने से हत्या के मामले की जांच कर रही। एन एम विजयन कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के कोषाध्यक्ष और पूर्व सुल्तान बाथरी पंचायत अध्यक्ष थे। इस मामले में जांच को लेकर पुलिस की तरफ से सूचना दी गई। कथिततौर पर उन्हें जहर खिला दिया गया। मृतकों की पहचान वायनाड जिला के कोझिकोड सरकारी अस्पताल में हुई। गंभीर हालत में उनका वहां यहां इलाज किया जा रहा था। पुलिस ने कहा कि आगे की कार्रवाई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद की जाएगी। घरवालों के मुताबिक, उनका अंतिम संस्कार शाम पांच बजे सुल्तान बाथेरी स्थित उनके घर पर करने की योजना बनाई गई है। पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों ने विजयन और जिजेश को कथित तौर पर जहर खाने के बाद उनके घर पर गंभीर हालत में पाया था। उन्हें शुरू में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया।

मुंह से निगल गए 17 करोड़ का संदिग्ध माल

दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुए दो विदेशी नागरिक

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर दो विदेशी नागरिकों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। फिलीपीन के दो नागरिकों को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने कोकीन से भरे 156 कैप्सूल निगल लिए थे। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों को पिछले दिनों बैंकॉक से यहां पहुंचने पर रोका गया। जांच के दौरान दोनों यात्रियों ने 17 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के कोकीन से भरे 156 कैप्सूल निगलने की बात स्वीकार की है। अधिकारियों ने दोनों विदेशी नागिरकों को हिरासत में लेकर मामले की पूछताछ शुरू कर दी है। सीमा शुल्क विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों यात्रियों से कुल 156 कैप्सूल बरामद किए गए। बयान के अनुसार, दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है। अधिकारियों को शक है कि विदेशी नागरिकों के साथ दिल्ली में संदिग्ध नेटवर्क तो शामिल नहीं है।

वहीं, दूसरी ओर दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में शनिवार सुबह एक नमकीन फैक्ट्री में आग लग जाने से विस्फोट हो गया, जिससे चार कर्मचारी झुलस गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफसी) के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह आठ बजकर 16 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद दमकल की 17 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि यह दो मंजिला इमारत है और आग भूतल पर लगी थी। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण हुए विस्फोट में फैक्ट्री के अंदर मौजूद चार कर्मचारी झुलस गए। उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

प्रधान आरक्षक को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

सीधी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सीधी जिले में रिश्वत लेने और देने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यहां पुलिस विभाग भी पीछे नहीं है। ऐसा ही एक मामला सामने आया। यहां पुलिस से विभाग के प्रधान आरक्षक को रंगेहाथ लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीधी जिले की रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम खड्डी के रहने वाले दिवाकर द्विवेदी से खड्डी चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी ने 15 हजार रुपये की मांग की थी। दिवाकर द्विवेदी के लड़के और भांजे के ऊपर चौकी में मामला दर्ज हुआ था। जमानत देने के लिए पैसे की मांग लगातार की जा रही थी। इसके बाद दिवाकर द्विवेदी ने घटनाक्रम की सूचना लोकायुक्त पुलिस रीवा को दी। लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए देर रात करीब 11:30 बजे प्रधान आरक्षक को दिवाकर द्विवेदी के घर के सामने से गिरफ्तार कर लिया।

आज इंदौर आएंगे राजनाथ सिंह

आंबेडकर के जन्मभूमि स्मारक जाएंगे आर्मी संस्थानों का दौरा करेंगे

इंदौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे पर मध्य प्रदेश आ रहे हैं। वह आज इंदौर आएंगे और फिर महू जाएंगे। रक्षा मंत्री के साथ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहेंगे। वह 29 और 30 दिसंबर को महू शहर के आर्मी संस्थानों का दौरा करेंगे। महू में डॉ। भीमराव आंबेडकर जन्मभूमि स्मारक भी जाएंगे। इसके बाद वे सेना के सभी संस्थानों का दौरा करेंगे और वहां आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। रक्षा मंत्री महू में रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन उज्जैन के लिए रवाना होंगे। इस दौरे को लेकर आर्मी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शाम को वे देश के पहले इन्फेंट्री म्यूजियम का दौरा करेंगे

29 दिसंबर को दोपहर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विमान से इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से हेलिकॉप्टर के जरिए महू जाएंगे और आर्मी वार कॉलेज में बने हेलीपैड पर उतरेंगे। दोपहर करीब 12:40 बजे वे डॉ। भीमराव आंबेडकर जन्मभूमि स्मारक पहुंचेंगे, जहां वे डॉ। आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे।

इसके बाद अस्थि कलश के दर्शन कर स्मारक का भ्रमण करेंगे। स्मारक में लगभग 15 मिनट रुकने के बाद वे 12:55 पर आर्मी वार कॉलेज के लिए रवाना होंगे। इसके बाद रक्षा मंत्री मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग यूनिट का दौरा करेंगे। शाम को वे देश के पहले इन्फेंट्री म्यूजियम का दौरा करेंगे। इसके बाद शूटिंग और अन्य खेलों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट भी जाएंगे। महू में रात्रि विश्राम के बाद वे अगले दिन उज्जैन जाएंगे। उज्जैन से इंदौर लौटकर रक्षा मंत्री दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

आदिवासियों का धर्मांतरण किए जाने पर बजरंग दल का हंगामा, तीन जिलों के 10 लोगों पर मामला दर्ज

बुरहानपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के नेपानगर थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम केरपनी में धर्मांतरण किए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां रहने वाले एक आदिवासी के घर, एक बड़ा पांडाल लगाकर ईसाई धर्म की प्रार्थना कराई जा रही थी। साथ ही आदिवासियों को हिंदू धर्म का नहीं होने और ईसाई धर्म अपनाने का लालच देते हुए, ईसाई धर्म अपनाने से बीमारियों के ठीक होने का बताया जा रहा था। मामले की जानकारी लगते ही धार्मिक संगठन बजरंग दल से जुड़े कुछ युवा और गांव के कई लोग वहां पहुंचे थे, जिसके बाद हंगामे की स्थिति बनी। इस दौरान मौके पर नेपानगर थाना पुलिस भी पहुंची, जहां बजरंग दल के सदस्यों ने गांव में धर्म परिवर्तन के आरोप लगाए।

'जिनके घर शीशे के हों, वह दूसरों के घर पत्थर नहीं फेंका करते'

गोविंद सिंह राजपूत ने किस पर कसा तंज?

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह और कांग्रेस से भाजपा में शामिल होकर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री बने गोविंद सिंह राजपूत में जुबानी जंग तेज हो गई है। दरअसल, बीते दिनों परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के घर 54 किलो सोना समेत करोड़ों रुपए पकड़े जाने मामले में राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने टिप्पणी की थी। परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा था, 'जब कमलनाथ जी की सरकार बनी थी तब इतना दबाव था कि परिवहन और राजस्व विभाग गोविंद सिंह राजपूत को दिया जाए।' इसके साथ ही कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा, 'अब क्यों था इतना दबाव? यह तो सिंधिया जी बताएंगे या और कोई बताएगा, लेकिन दबाव जरूर था और क्योंकि इसमें भ्रष्टाचार का बहुत माहौल रहता है। इसलिए कमलनाथ ने एक बोर्ड गठित कर दिया था। बोर्ड ही फैसला करेगा किसकी पोस्टिंग कहां होगी? दिग्विजय सिंह ने कहा, 'जैसे ही शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री फिर से बने तो, मेरी जो जानकारी है सिंधिया जी ने दबाव डालकर बोर्ड भंग करवा दिया। पूरा अधिकार परिवहन मंत्री तत्कालीन गोविंद राजपूत को सौंप दिया और उसके बाद एक नई प्रक्रिया शुरू हो गई। इसके बाद ठेका प्रणाली शुरू हो गई, इस नाके की बोली उसे नाके की बोली।' वहीं, मंगलवार को दिए गए दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद गुरुवार को खाद एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा, 'बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी, मैं इतना ही कहना चाहता हूं। एक फिल्म के डायलॉग हैं, जिसके घर शीशे के होते हैं। वह दूसरे के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। जांच एजेंसी अपना काम कर रही हैं।'

गोलीबारी और बम से दहला मणिपुर का गांव

सीएम एन बीरेन बोले-ये शांति और सद्भाव पर हमला है

इंफाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट के गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और अचानक गोली बारी करने लगे। इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि इम्फाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी उग्रवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। राज्य के निर्दोष लोगों पर इस तरह गोलीबारी की घटना बेहद कायरतापूर्ण है। बिना किसी कारण के किया गया ये हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी से प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को जरूरी सहायता मिल रही है और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस के बीच उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए।

गांवों में हुई अंधाधुंध गोलीबारी

ईंफाल ईस्ट जिले एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। उन्होंने लोगों को घरों पर बमबारी भी की। मौके पर सुरक्षा बलों पहुंचे और उन्होंने जवाबी कार्रवाई की। इस स्थिति में वहां मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना स्थल पर अफरा तफरी मच गई। फिलहाल, इस घटना में किसी के जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोग और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने मौके पर महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित निकाला। गोलीबारी और बमबाजी की आवाजें सुनकर बच्चे काफी डर गए और जोर-जोर से रोने लगे। उन्हें किसी तरह से वहां से बाहर निकाला गया।

रामपुर में बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की जोरदार टक्कर ड्राइवर की मौत, 10 घायल

बिलासपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। (रामपुर)। नैनीताल हाईवे पर कोतवाली के पास उत्तराखंड की हल्द्वानी डिपो रोडवेज बस और चावल से भरी ट्रैक्टर-ट्राली की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कंडक्टर समेत 10 लोग घायल हो गए हैं। वहीं ड्राइवर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी डिपो की रोडवेज बस पर ड्राइवर रमनदीप सिंह और कंडक्टर चंदन सिंह डंगवाल सवार थे। गंभीर रूप से घायल परिचालक ने बताया कि वह दिल्ली से सवारियां भरकर हल्द्वानी उत्तराखंड जा रहा था। बस में चालक-परिचालक समेत 14 यात्री सवार थे। उसने बताया कि तड़के सवेरे करीब सवा पांच बजे चालक रमनदीप को नींद की झपकी आ गई। इस दौरान बस सामने से आ रही चावल से भरी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। दुर्घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। घटना कोतवाली के समीप होने पर प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर आ गए। बाद में पुलिस ने बस में फंसे खून में सने यात्रियों को जैसे-तैसे बाहर निकलवाया

मनमोहन सिंह के स्मारक पर विवाद

संजय सिंह ने केंद्र सरकार की सोच को बताया घिनौनी, कहा- यह सिख समुदाय का अपमान

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार 26 दिसंबर को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय सरकार ने उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व पीएम का स्मारक बनाने की घोषणा की। केंद्रिय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मनमोहन सिंह के परिवार को सूचित किया है कि सरकार स्मारक के लिए जगह आवंटित करेगी। अब पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री की स्मारक के लिए जगह नहीं ढूंढ पाने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे मनमोहन सिंह का अपमान बताया। हालांकि, पूर्व पीएम के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार की सोच कितनी घिनौनी है। संजय सिंह ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार की सोच कितनी घिनौनी है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूछना चाहता हूं कि आप मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट परिसर में जगह देने को तैयार क्यों नहीं हैं? यह पार्टी खुद को सबसे संस्कारी बताती है। आप मुझे ऐसे एक पीएम का नाम बताएं जिनका अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया है। सिख समुदाय कितना अपमानित महसूस कर रही है।

तीसरी बार बेटी होने पर हैवान बना पति, पत्नी को जिंदा जलाया, परभणी में दिल दहला देने वाली वारदात

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बेटी को लेकर समाज की सोंच कितनी बदली है। इसका एक हैरान करने वाला उदाहरण सामने आया है। महाराष्ट्र के परभणी में एक पति ने अपनी पत्नी को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया क्योंकि उसने तीसरी बेटी को जन्म दिया था। परभणी में एक पति ने अपनी पत्नी को तीसरी लड़की को जन्म देने के बाद उसके साथ पहले मारपीट की। इसके बाद रात करीब 8 बजे पति ने खौफनाक कदम उठाते हुए कहर बरपाया। इस दौरान नाराज पति ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया। हालांकि पत्नी अपनी जान बचाने के लिए बारह भागी लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद पत्नी को इलाज के लिए परभणी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना परभणी के गंगाखेड़ नाका इलाके की है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने हर तरफ सनसनी मचा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक तीसरी लड़की होने के कारण पति ने अपनी पत्नी को धोखा दे दिया। वह उठते-बैठते अपनी पत्नी से गाली-गलौज कर मारपीट करता था। इस बीच मृत महिला मैना काले के जलती हुई हालत में घर से निकलकर दुकान में घुसने का चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया है। फिलहाल पत्नी की जान लेने वाले कुंडलिक काले को की इस क्रूरता दिल को दहला देने वाला है।

पिता के निधन पर शोक सभा तक नहीं, मनमोहन के स्मारक विवाद के बीच कांग्रेस पर भड़कीं प्रणब की बेटी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए एक अलग स्मारक बनाने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष के इस प्रस्ताव की पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने आलोचना की है। डॉ। मनमोहन सिंह का गुरुवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 92 साल की उम्र में निधन हो गया। स्मारक के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए शर्मिष्ठा मुखर्जी ने एक्स पर लिखा, जब अगस्त 2020 में उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति का निधन हुआ, तो कांग्रेस नेतृत्व ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की ओर से शोक सभा बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर उन्हें गुमराह करने का भी आरोप लगाया।

गुमराह करने का आरोप

शर्मिष्ठा के मुताबिक, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने उनसे कहा था कि शोक सभा बुलाना भारतीय राष्ट्रपतियों के लिए नहीं है। कांग्रेस नेता के इस तर्क को पूरी तरह बकवास करार देते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें अपने पिता की डायरियों से पता चला है कि एक अन्य पूर्व भारतीय राष्ट्रपति केआर। नारायणन के निधन पर सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई गई थी और शोक संदेश का मसौदा किसी और ने नहीं बल्कि प्रणब मुखर्जी ने तैयार किया था। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने भाजपा के सीआर केसवन की एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने बताया था कि किस तरह कांग्रेस ने पार्टी के अन्य राजनेताओं की सिर्फ इसलिए उपेक्षा की क्योंकि वे 'गांधी' परिवार के सदस्य नहीं थे।

एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर का हवाला

इस मुद्दे पर, 2004 से 2009 तक डॉ। सिंह के मीडिया सलाहकार रहे डॉ। संजय बारू द्वारा लिखित किताब 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' हवाला दिया गया है, जिसमें बताया गया था कि किस प्रकार कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी। नरसिम्हा राव के 2004 में निधन के बाद दिल्ली में कभी कोई स्मारक नहीं बनवाया।

विवाद क्या है?

इससे पहले कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए स्थान नहीं ढूंढना देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर किया गया अपमान है। कांग्रेस ने यह मुद्दा तब उठाया जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ नई दिल्ली के निगमबोध घाट पर 11.45 बजे किया जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद केंद्र सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने का फैसला किया गया है। सरकार ने कांग्रेस पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने स्मारक पर लिए गए फैसले से कांग्रेस को अवगत करा दिया है। लेकिन, उन्होंने यह भी कहा कि स्मारक निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान ढूंढने में कुछ दिन का समय लगेगा।

पुलिस की वर्दी में घूम रही थी दो लड़कियां, रेड कोड टीम से टकराईं तो सामने आई हैरान करने वाली हकीकत

रीवा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा में पुलिस की रेड कोड टीम ने दो संदिग्ध युवतियों को पकड़ा है, जो फर्जी पुलिस बनकर घूम रही थीं और लोगों से वसूली कर रही थीं। आरोपी युवतियां सिविल लाईन थाना क्षेत्र में लाडली लक्ष्मी पथ पर पुलिस की वर्दी में धौंस दिखा रही थीं। इसी दौरान पुलिस की रेड कोड टीम की नजर संदिग्ध युवतियों पर पड़ी। नकली महिला पुलिस का सामना असली महिला पुलिस से हुआ तो उनकी सिट्टी पिट्टी गुम हो गई। पकड़ी गई युवतियों से जब सवाल जवाब किया गया तो वह ठीक ढंग से जवाब तक नहीं दे पाईं। रेड कोड टीम ने तत्काल दोनों को गिरफ्तार किया और सिविल लाइन थाने ले कर आई, जहां पर उनसे पूछताछ की गई। घटना दोपहर की है रीवा पुलिस में तैनात रेड कोड टीम शहर में गस्त कर रही थी। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के लाडली पथ मार्ग से गुजर रही रेड कोड पुलिस टीम की नजर रास्ते से पैदल जा रही दो महिला पुलिसकर्मियों पर पड़ी। रेड कोड टीम को शक हुआ तो उन्होंने दोनों युवतियों के पास जा कर उनसे सवाल जवाब करना शुरु किया।

पॉपुलेशन कंट्रोल बिल या कुछ और, फैमिली प्लानिंग को लेकर क्या है केंद्र की योजना?

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की बढ़ती आबादी और बच्चे पैदा करने को लेकर मचे तनातनी के बीच जनसंख्या नियंत्रण को लेकर केंद्र की बड़ी प्लानिंग सामने आई है। कहा जा रहा है कि सरकार फिलहाल जनसंख्या नियंत्रण को लेकर पॉपुलेशन कंट्रोल बिल का सहारा नहीं लेगी। केंद्र की कोशिश स्कीम के जरिए फर्टिलिटी रेट को कम करने की है। दरअसल, हालिया शीतकालीन सत्र में जब राज्यसभा में शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने पॉपुलेशन कंट्रोल से जुड़े बिल को लेकर सरकार से सवाल पूछा तो सरकार ने इस पर चुप्पी साध ली। वहीं लोकसभा में एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्रालय न कहा कि फर्टिलिटी रेट में कमी आई है। हम इसे और कम करने की कवायद में जुटे हैं।

संजय राउत का सवाल क्या था?

राज्यसभा में अतारांकित सवाल के जरिए संजय राउत ने पूछा था कि क्या सरकार जनसंख्या नियंत्रण को लेकर कोई बिल लाने की तैयारी में है? या जनसंख्या नियंत्रण को लेकर कोई और ही प्रस्ताव है? स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस सवाल के जवाब में पॉपुलेशन कंट्रोल बिल पर कुछ जवाब नहीं दिया। सरकार की तरफ से कहा गया कि

लगातार फर्टिलिटी रेट में कमी आ रही है और सरकार की कोशिश इसे और कम करने की है। सरकार का कहना था कि देश में वर्तमान में फर्टिलिटी रेट 2.0 है, जो साल 2000 के 2.1 से कम है।

फर्टिलिटी रेट में कमी, राज्यवाड़ आंकड़े

केंद्र सरकार के मुताबिक देश में वर्तमान में फर्टिलिटी रेट 2.0 है। आंकड़े के मुताबिक सिक्किम में सबसे कम फर्टिलिटी रेट 1.1 है। लद्दाख, गोवा और अंडमान का फर्टिलिटी रेट 1.3 है। वहीं लक्ष्यद्वीप, चंडीगढ़ और जम्मू कश्मीर का फर्टिलिटी रेट 1.4 है। देश के कुल 31 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश का फर्टिलिटी रेट 2.0 या उससे कम है। राजस्थान का फर्टिलिटी रेट 2.0 है। हालांकि, बिहार और यूपी जैसे राज्यों का फर्टिलिटी रेट टेंशन बढ़ाने वाला है। केंद्र के मुताबिक बिहार का टोटल फर्टिलिटी रेट सबसे ज्यादा 3.0 है। यूपी का फर्टिलिटी रेट 2.4 तो झारखंड का फर्टिलिटी रेट 2.3 है। मेघालय का 2.9 तो मणिपुर का 2.2 फर्टिलिटी रेट है। फर्टिलिटी रेट या प्रजनन दर किसी महिला द्वारा अपने जीवन में पैदा किए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या को कहते हैं।

जग में रह जायेंगे प्यारे तेरे बोल : राज कपूर

अतुल कुमार

भारतीय सिनेमा के लीजेंड अभिनेता राज कपूर का यह जन्म शताब्दी वर्ष है उनकी महानता के उल्लेख बिना सिनेमा पर कोई चर्चा नहीं हो सकती . समय के पटल पर अपने नाम ,काम और योगदान की जो विरासत छोडी उसे चल चित्र के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जायेगा . उनकी फिल्मों को देख पांच पीढियां बडी हुईं जिनके दिलो दिमाग पर राज कपूर की चाहत बरकरार है .भले ही आज सोशल मीडीया , चैनल्स और यू ट्यूब का ज़ोर है लेकिन उनमें भी राज कपूर की फिल्में ,गाने और संवादों की गूंज हैं . धरोहर के रूप में यादगार फिल्मों को छोडा जो भारतीय फिल्मों की अनमोल अमानत हैं . उनकी फिल्मों ने विदेशों में भी धूम मचायी . रूस में उनकी मूवी " आवारा " को राष्ट्रीय फिल्म का दर्जा मिला .फिल्म के बेमिसाल गाने ' आवारा हूं या गर्दिश में हूं / आकाश का तारा हूं / ज़ख्मों से भरा सीना है मेरा / हंसती है मगर ये मस्त नज़र / दुनिया दुनिया मैं तेरे तीर का या तकदीर का मारा हूं / आवारा हूं .. // ने सिने प्रेमियों का दिल ऐसे जीता कि वह इंडीयन मूवीस के पहले शो मैन बने .

राज कपूर एक युग का नाम है . जिनको देखने के लिये लोगों में फितूर छाया होता क्यों कि वह विज़नरी लैंड स्केप को ऐसा आकार देते कि दर्शक उसे देख चकित होते उनके रचनात्मक कौशल की हर ओर चर्चा होती , क्यों कि अपनी हर फिल्म से दर्शकों के मनों पर छाप छोडी जो अमिट है .आर के बैनर की फिल्मों के आरंभ में पिता पृथ्वीराज कपूर द्वारा भगवान शिव की आराधना फिर आर के का एंमब्लम आता तो दर्शकों में उल्लास की फीलिंग जगती उसका बैक ग्राउंड म्यूसिक लोगों के कानों में बसा . अपनी ही फिल्म " बरसात ' के एक दृश्य को ले एंमब्लम बनाया .ब्लैक एंड व्हाइट और रंगीन सिनेमा तक जिन चंद ऐक्टर्स ने अपनी अलग पहचान बनायी उनमें हिंदी सिनेमा के मशहूर शोमैन का नाम शामिल है .

पिता पृथ्वी राज कपूर ने बेटे को सलाह दी कि राजू नीचे से शुरुआत करोगे तो ऊपर तक जाओगे पिता की इसी सलाह को गांठ बांध 17 साल की उम्र में फिल्म प्रोडक्शन कंपनी में स्पाट बाय का काम शुरु किया . माता पिता का बहुत आदर सम्मान करते .ज़िंदगी में माता पिता के महत्व पर किसी ने खूब कहा " बंद किस्मत के लिये कोई चाबी नहीं होती / सुखी उम्मीदों की कोई डाली नहीं होती / जो झुक जाए मां बाप के चरणों में / उसकी झोली कभी खाली नहीं होती // राज कपूर ने यही किया अभिनय पिता से विरासत में मिला उनके साथ थियेटर में काम करते . पूरा नाम रणबीर राज कपूर था जिसमें केवल राज कपूर नाम को अपनाया और सिनेमा के इंद्रधनुषी परदे के सबसे कद्दावर अभिनेता बने अद्भुत अभिनय का ऐसा रूप कि दर्शक हंसते , गाते , नाचते ,रोमांटिक , इमोशनल हो रोते . उनकी लाजवाब अदाकारी ने दर्शकों को अपना बनाया जज़्बाती इस कदर कि उनकी नीली आंखें सब बोल जातीं लफ्ज़ों में न बोलें तब भी भावनाएं अपने आप दिल की बातों का खुलासा कर देतीं कमाल के ऐक्टर थे गाया भी " दिल का हाल सुने दिल वाला सीधी सी बात न मिर्च मसाला कह के रहेगा कहने वाला " गीत (फिल्म : श्री 420) के गाने से वह सब बयान कर गये जो उनकी फिल्मों में होता .

हर दृश्य में इतनी जान डाल देते कि दर्शक के मन में सीधे उतर मनोहारी बनाता . रोमांस के बादशाह थे अपने समय के बंद समाज से सीधे सीधे पूछा " दो नदियों का मेल अगर इतना पावन कहलाता है क्यूं न जहां दो दिल मिलते हैं स्वर्ग वहां बस जाता है दिल का बढता बोझ कभी कम होगा कि नहीं " (फिल्म : संगम) ने मोहब्बत की डेफिनेशंस को काव्यात्मक तरीके से पेश कर दर्शकों से वाह वाही पायी . कहानी को बडे मन भावन तरीके से प्रस्तुत करते सिनेमाई इतिहास में लंबी और दो दो इंटर्वल वाली फिल्में बनाना उन्हीं के बूते की बात थी .

राज कपूर की फिल्में किसी मधुर कविता से कम नहीं हैं जिसको देख सिने प्रेमी मोहित होते . इसी वजह से घर घर में उनके चहीते हैं . फिल्मों की भव्यता , गीत , संगीत , इमैजिनेशन ,लोकेशन , फोटोग्राफी ,और डायलाग्स आदि पर उनकी मौलिक छाप होती . फिल्मों के हर कैरेक्टर को बडी बारीकी से क्रिएट कर उसके माध्यम से सब कह जाते जो फिल्म को बेहतरीन बनाता . 23 साल की उम्र में आर के स्टूडियो की स्थापना की जो देश की अग्रणी और प्रतिष्ठित फिल्म कंपनी बनी . महत्वाकांक्षी ,चिंतनशील कृति " मेरा नाम जोकर " बना दर्शकों को हैरान किया यद्यपि फिल्म तब विफल रही लेकिन आज सफल है क्यों कि इसने दर्शकों को अभिनय , कथा , और गीतों से लुभाया . इंटरनेट के दौर में अधिक देखी जाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त में यह फिल्म शामिल है.

वास्तव में राज कपूर टीम के फिल्मकार थे जिनकी टीम ने उनकी अगुआई में शोहरत पायी . गायक मुकेश उनके गानों की आवाज़ थे ,शंकर जयकिशन फेवरिट म्यूसिक डायरेक्टर ,फोटोग्राफी में राधू कर्माकर और गीतकारों में शैलेंद्र और हसरत जयपुरी आदि टीम के स्थायी सदस्य थे जिनको अपनी फैमिली मानते . गीतकार शैलेंद्र का इतना सम्मान करते कि कभी उनके निकट कुर्सी पर नहीं बैठते . 37 वर्षों के फिल्म कैरीयर में 10 फिल्मों का डाय्रेक्शन किया तो 70 फिल्मों में अभिनय कर भारतीय सिनेमाई इतिहास को गौरवशाली बनाया .सन 1948 में " आग " से शुरु कर सन 1985 में " राम तेरी गंगा मैली ' तक प्रभावशाली फिल्में बनायीं . उनकी फिल्मों में संदेश होता और सामाजिक मुद्दों पर विचारशील कंटेंट होते .बदलते वक्त के अनुरूप उनकी फिल्में होतीं सभी फिल्मों का गीत संगीत अफलातून होता जिसके वो महारथी थे . 50 वर्ष की उम्र में युवाओं के लिये " बाबी " बना सभी को लुभाया .

कथाओं के सब्जेक्ट्स के पारखी थे . अलग अलग समय में नये विषयों को खोज फिल्में बनायीं . जैसे " आवारा ' जातिवाद पर तो " श्री 420' और " बूट पालिश " लालच और वंचितों द्वारा जीवन में कुछ करने की कोशिश की कहानी थी . " जागते रहो " समाज में व्याप्त पाखंड और लालच पर आधारित थी . लय और संगीत की इतनी गहरी जानकारी कि उनकी फिल्में पुरानी होते हुए भी नयी दिखायी देती हैं फिल्मों में उनके यादगार संवाद समाज की असलियत को बयां करते जैसे फिल्म " मेरा नाम जोकर " का यह डायलाग " दुनिया में एक चीज़ शेरे ए बब्बर से भी ज़्यादा खतरनाक और डरावनी है .. और वो है गरीबी और भूख " उनको भारतीय सिनेमा का चार्ली चैप्लीन कहा गया .14 दिसंबर 1924 को जन्मे राज कपूर को पूरे एशियाई देशों में ख्याति मिली. जनता की तालियों से बडा कौनसा पुरस्कार हो सकता है ! राज कपूर ने उसे पाया . समय को केंद्र में रख फिल्में बना लोगों को इंप्रेस किया अभिनय में भी उनके संस्कारों की अच्छाई बोलती थी इसलिये " जी " का अधिक इस्तेमाल किया .

जब भी फिल्मों में मनुष्यता प्रेम विश्वास उम्मीद और दुखों से लडने की बात होगी तो निःसंदेह राज कपूर के गाने ,संवाद और फिल्मों की याद आयेगी क्यों कि यह फिल्में मानवीय संवेदनाओं की हमसफर हैं . आज मतलबखोरी . लालच, विश्वासघात बड रहा है और इंसानियत तार तार हो रही है तब उन्हीं की फिल्में याद आती हैं गाया भी " मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो आज ये पूछे के तेरा हाल क्या है / किस्मत तेरी रीत निराली / ओ छलिये को छलने वाली / फूल खिला तो टूटी डाली / " गीत वर्तमान में अधिक प्रासंगिक लगता है . इस महान कलाकार को सिनेमा के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया

2 जून 1988 को इस ग्रेटेस्ट शो मैन ने दुनिया को अलविदा कहा .जाने के पहले .हकीकत बोल गये " एक दिन बिक जायेगा माटी के मोल /जग में रह जायेंगे प्यारे तेरे बोल / दूजे के होंठों को देकर अपने गीत / कोई निशानी छोड फिर दुनिया से डोल // राज कपूर ने इसे सार्थक किया .

काव्य कुंज

नया साल आने को है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

समय का पहिया घूमे भइया
नया साल आने को है,
खिल चुके कुछ फूल अभी
और कुछ खिल जाने को हैं।
कितनी बातें कहानी - सुननी
कितनी बातें छूट गयीं
गया वक्त इक ऐसा दर्पण,
छवि भी खुद की रूठ गयी
राह में जाने कितने मिले , और कितनों के छूटे रेले
भीड़ बहुत है लगी सामने , मंज़िल पर हम खड़े अकेले
कभी कहीं रिश्तों ने नकारा , कभी कहीं हुए विस्तारित
लेकिन दुनिया की नीति में , हर पल देखे हैं विस्थापित
शाम वही फिर आई है और दीपक जल जाने को है ,
खिल चुके कुछ फूल अभी और कुछ खिल जाने को हैं।
जीवन की आपाधापी कभी लगती एक गरल सी
कभी सूखे पत्तों की आहट लगती बड़ी सरल सी
अपनी थी सीधी परछाईं पर लोगों ने उल्टी कर दी
कोरोना की बढ़ती आँधी इसने तो बस हद ही कर दी
जो बीत गया क्या याद करें बस गलतियों को आब करें
बीत गया सो पल बीत गया महसूस हम बस आज करें
वक्त ठहरता कहीं नहीं घर नया कहीं बन जाने को है ,
खिल चुके कुछ फूल अभी और कुछ खिल जाने को हैं।
नहीं रही पहले सी बात मौसम भी कितना बदल गया
अपने ही संगी साथी संग रिश्तों का मरहम बदल गया
चाँद - सितारे - सूरज न बदले मानव का प्रेम बदल गया
राजनीति और धर्म के चक्कर मटमैला प्रेम सुलग गया
धुरी जो खिसकी बिगड़ा संतुलन किसपर उँगली उठाई जाय
सबके सब हैं दोषी यहाँ पर किसे तूलिका थमाई जाय
विस्मित सागर की लहरों में गहरा उछाल आने को है ,
खिल चुके कुछ फूल अभी और कुछ खिल जाने को हैं ।
समय का पहिया घूमे भइया नया साल आने को है ,
खिल चुके कुछ फूल अभी और कुछ खिल जाने को हैं ।

बेबाक कलम

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

नापाक इरादे चल न सकेंगे,
चाहे बेड़ियां डालो हजार।
सच्चाई लिखके रहेंगे,
चाहे कितनी निकालो तलवार।।
तलवार तन को काट सके,
मन पर वार करे कलम,
डरपोक में शक्ति भर दे, इतना कलम रखे है दम,
कलम सिर्फ चलना जाने, रुकने का नहीं करे करम
धमका कर न रोक सकोगे,वो तो अपना पकड़े धरम,
कब्र में से भी निकल आए,चाहे कितनी डालो खार।
नापाक इरादे चल न सकेंगे,चाहे बेड़ियां डालो हजार।
सच्चाई लिखके रहेंगे,चाहे कितनी निकालो तलवार।।
जो बिक जाए,कलम नहीं, वो तो नरम बिछौना है,
नरम बिछौने पर जो सोए, टूटा हुआ खिलौना है,
काटे पैर,तोड़े बेड़ी,सच्ची कलम तो सोना है
न झूठ को सहन करे,सच आगे असत्य बौना है,
खून की नदियां चाहे बहाओ,पर कलम से खाओ मार।
नापाक इरादे चल न सकेंगे,चाहे बेड़ियां डालो हजार।
सच्चाई लिखके रहेंगे,चाहे कितनी निकालो तलवार।।

कुछ तो चाहत...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दीप मुस्कराते हैं आंखों में,
मन में आती है दीवाली
मेरे मन को भा गई है,
रात ये अमावस वाली
ठीक, तुम्हे जिद है चौखट के अंदर रहना
इस जहां न सही,
उस जहां में मिलेंगे पहुंचने के बाद
कुछ तो चाहत रही होगी इन
बारिश की बूंदों की भी
वर्ना कौन गिरता है इस जमीन पर
आसमान तक पहुंचने के बाद
प्यार का गुलशन खिला तो ये लगा
जिस्म में अपने जवानी आ गई
महकती वो इस तरह से आजकल
याद भूली सी कहानी आ गई
पशोपेश में ही रह गया
रहस्योद्घाटन, उचित समय पहुंचने के बाद
कुछ तो चाहत..
हमें फूल कांटों की पहचान होती
कभी दिल न तुमसे लगाते
पत्थर के तुम हो ,अगर जान जाते
तुम्हारी हसी पर फिदा हम न होते
चलो तुम जीत गए, मैं हार गया
करूंगा फिर भी गुजारिश निगी छांव में पहुंचने के बाद
कुछ तो चाहत...
मौन रहता हूं क्योंकि सुनने के लिए तुम नहीं हो
लक्ष्य को पाने के लिए , पास तुम नहीं हो
छोड़ो तकरार
जीत लेंगे आज नहीं तो कल संदेशा पहुंचने के बाद
कुछ तो चाहत..

"सीख"

हेमंत सुराना,
उदयपुर

मंजिल पर पहुँचना हो तो,
सपनों पर विश्वास करो
निर्भय अगर रहना है तो,
सत्य की शरण में रहो
ठहराव का सुख लेना हो तो,
जी भर भटक लिया करो
संबंधों को संभालना हो तो,
भावुकता का वास करो
निर्दोष अगर बनना हो तो,
कहानी पूरी सुनाया करो
रंगों में निखार लाना हो तो,
मित्र और चित्र दिल से बनाओ
पीड़ा से छुटकारा पाना हो तो,
काल्पनिक समस्याओं से दूर रहो
खुशी को अगर पाना हो तो,
खुश हो कर काम करो
सफल अगर बनना हो तो,
वक्त के साथ चला करो
सौभाग्य के द्वार खोलने हो तो,
प्रतीक्षा और धैर्य का धारण करो ,
प्रतीक्षा और धैर्य का धारण करो।

संघर्षः एक कथानक

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

नित नये संघर्षों से टकराती- जूझती,
और ,निखर- संवर जाती है ये जिन्दगी,
जीवन की तमाम बाधाओं- चुनौतियों को,
पीछे छोड़ जाती है ये जिन्दगी!
अपने सपनों को साकार करने की,
कवायद है संघर्ष,
अपनी क्षमताओं को समझने और
विकसित करने का नाम है संघर्ष,
जीवन स्तर को निम्न से उच्च
बनाने की कहानी है संघर्ष।।
जब इतना सब कुछ करने की,
जरूरत है अपनी ही जिंदगी में,
तो क्यूँ संघर्ष की उलझने पैदा करें,
दूसरों की जिन्दगी में।
पानी की तरलता- शीतलता लिये,
प्रवाहित होते रहें सहजता लिये,
परिंदों सी मासूमियत लिये,
फूलों सी महक लिये,
प्रकृति का वात्सल्य- ममत्व लिये,
अपनत्व बिखराते चले जन -जन में।।
स्वतः ही अपने संघर्षों की,
परिणति हो जायेगी,
जीवन में परिपूर्णता आ जायेगी,
जीवन को एक दिशा मिल जायेगी।।

गजब ढ़ातीं थीं चिट्ठियां

संजीव ठाकुर,
रायपुर

गए जमाने में क्या क्या
गजब ढातीं थी चिट्ठीयां,
कभी बेतहाशा खुशी,
कभी मायूसी की खबर
लाती की चिट्ठीयां।
लाम पर गए सपूत की
हर पल की खबर लाती थी चिट्ठियां,
कभी दूर गए बेटे के पैसों से लिपटे
मनी ऑर्डर पर छोटी खबर लाती थी चिट्टियां,
बहन की प्यारी राखी,
कभी छोटे भाई के लिए खुशखबरी लाती थी चिट्ठीयां,
बूढ़े मां बाप को चिट्ठियों का होता ता था लंबा इंतजार,
डाकिये को देख हो जाते थे सब बेकरार,
सीमा पर चौकसी करते जवान के लिए,
गांव में रहती सांवली सलोनी पत्नी के प्यार से
लिपटी शब्दों की चाशनी लाती थी चिट्टियां,
गांव गांव, शहर शहर,
कितना अहम किरदार थी चिट्ठियां।
बहन की राखी, भाई की मंगनी,
पिता की बीमारी, मां की खांसी
सारी खबर लाती ले जाती थी चिट्ठीयां,
जिंदगी का जीता जागता दस्तावेज
इतिहास होती थी चिट्ठीयां,
सीमा पर जवान को बेटे के पल पल बढ़ते
घुटनों के बल चलने लगे,
तोतला कर बाबा बाबा बोलने की
प्यारी खबर लाती थी चिट्ठीयां।
गांव का कितना अहम किरदार था डाकिया,
बहन का सगा भाई,
छोटे का सखा, माँओं का लाल,
बूढ़े बाप की लाठी, सबका प्यार था डाकिया,
पूरे गांव का चलता, फिरता,
जीता जागता अखबार था डाकिया,
जच्चे बच्चे की खुशियां बूढ़े दादा के जाने का गम,
कब किस का निकला दम,
कागज की लकीरों में समेट कर लाता था डाकिया,
अब न जाने कहां गई चिट्टियां,
बित्ते भर के डब्बे ने विलुप्त कर दी संवेदनाएं,
भावनाएं और अच्छी खबर की संभावनाएं,
अंगूठे से नीरस समाचार
आकर फिर अंगूठे से मिट जाते हैं।
सारे रिश्ते नाते समाचार हो कर
नीरस और उबाऊ आंखों से ओझल हो जाते हैं।
लिखोगे मुझे चिट्ठीयां मैं इंतजार में हूँ।

तुम दिखीं वैसी ही खिली-खिली...

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

आज मुझे तुम दिखीं वैसी ही खिली-खिली,
जब एकांत में मुझसे थीं; पहली बार मिली।
तुम्हारे दो बेटे और हवा से बातें करती गाड़ी,
एक नए स्टाइल में पहनी हुई थीं ; वो साड़ी!
बहुत सुंदर व मनमोहक लग रही थी प्यारी।
आज मुझे तुम दिखीं वैसी ही खिली-खिली,
जब एकांत में मुझसे थीं; पहली बार मिली।
जब तुम्हें लगती थी धूप, कर देता था छाँव,
आती थीं तुम घूंघट में देखता रहता था गाँव,
तुम्हें ना चुभे कोई काटा मैं देखता था पाव।
आज मुझे तुम दिखीं वैसी ही खिली-खिली,
जब एकांत में मुझसे थीं; पहली बार मिली।
तुम्हारी ख्वाहिश और मेरी थीं मजबूरियाँ,
यूँ शनैः शनैः बढ़ती गई हमारे बीच दूरियाँ!
ज़िन्दगी यूँ चली एक-दूजे को मिले बेलियाँ।
आज मुझे तुम दिखीं वैसी ही खिली-खिली,
जब एकांत में मुझसे थीं; पहली बार मिली।
मेरी भी दो बेटियाँ; रिश्तों की अठखेलियाँ?
आज हम सभी हैं अलग-अलग; जुदा-जुदा,
हम कभी हुआ करते थे एक-दूसरे पर फ़िदा!
रिश्तों की कैसी पहेली कहना पड़ा अलविदा।

नववर्ष

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

नया साल आयेगा।
खूब खुशियां लायेगा।
अपने अपने सपनों को,
क्या पूरी कर पायेगा।
सोचो सोचो,
पहले दिन खुशी मनालो।
पछतावा नहीं,
रह पायेगा।
ये भारत का,
नव वर्ष तो नहीं,
फिर भी लोग मनाते है।
खुशियों में शामिल,
सभी हो जाते है।
जनवरी के संग संग,
सर्दी तो चल ही रही है।
हैप्पी न्यू ईयर टू ऑल,रेणु सबको कह रही।

कर्म अपना सपने अपने

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

जनवरी में संकल्प लिया
फरवरी तक सोचा समझा
मार्च की सौंदर्य अनुभूति में
नई किस लय का अंकुर फूटा।
अप्रैल ने उन संकल्पों
को थोड़ा -थोडा हवा दिया ।
आया मई की गरमाहट
जब तन मन ढीला पड़ने लगा।
जून -जुलाई की तपती धूप, पसीने में सब कुछ गया धुल।
आया मौसम बारिश का, नृत्य कर उठा मन का मयूर ।
अगस्त सितंबर यूं ही बीता बच गए वर्ष के महीने तीन ।
जनवरी में लिए संकल्प को मन में फिर से दोहराया,
नब्बे दिन अब शेष बचे हैं, मन थोडा विचलित हो आया ।
हासिल बहुत कुछ हो सकता है,
स्वयं को सोच -समझ कर समझाया ।
कई ख्वाईशें,सपने जो जनवरी में देखे हमने
खुली आँखों की हकीकत ने,
सरल से संघर्ष की ओर बढाया।
मेहनत करो अभी से तो पा सकता निज का सोचा ।
सरक गए दिन एक-एक करके हासिल हुआ नहीं कुछ अपना।
नए साल के शुरुआत में होती हैं कितनी बातें,
होते निज से कितने वादें ।
सपने सच तभी होंगे जब भरेंगे उनमें स्वेद- रक्त के रंग ।

हाल पुराना

डॉ टी महादेव राव

साल नया पर हाल पुराना
उम्मीदों का जाल सुहाना
किस किसको कोसें रोएं
बन गया है काल जमाना
बना है अंधेरा सुरंग जीवन
किसको है यह हाल बताना
तरक्की के नाम पर बस है
उखाड़ रहे कंकाल पुराना
गुड दिखा मारते हैं ढेला
और अपने गाल बजाना
हैं बातों की वहमी इमारतें
सच में मकड़ जाल सजाना
देकर झांसा सुनहरे कल की
खुद का घर टकसाल बनाना
कब तक खाएं फरेब औ धोखे
जरूरी है अब जंजाल हटाना
हर बात पे बंटे आदम के जाए
वक्त पे यार अपनी खाल बचाना।।

नया साल

टी तारासिंह
हैदराबाद

अंधेरो मे जी लिए है
अब उजालो मे जी लेना है
नये साल मे उजालो मे जी लेगे
हर रोज हर दिन नये काम करेंगे
सवेरे सवेरे सूर्य नमस्कार करना
ओर मंदिर भी जाना है
गरीबो को दान देना पेट भर खाना खिलाना
अपने दोस्तो यारो मे मिठाई बांटना
रात मे घर द्वार पर दीये जलाना
यादो को वादो को सब पूरा करना
किसी का दिल ना दुखाना
अच्छे काम करने से मन को शान्ति मिलती
दोस्त हो या दुश्मन सब को गले लगाना है ।।

आनंद

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

धन से नहीं मिलै आनंद
वह तो मन से मिलता है।
स्वस्थ तन से होते सानंद,
तो भक्ति आध्यात्म से परमानन्द।
प्रेम परोपकार से प्राप्य भावानंद,
तो सेवा समर्पण से होगा आमितानंद।
विकृत विकराल विध्वंस से राक्षसानंद,
तो सदाचारण विनम्रता से सात्विकानंद।
दुर्व्यवहार दमनकारी नीति से क्षणिकानंद,
प्राप्त हो सकता है कभी कभी ऐहिकानंद,
तो सन्मार्गीय जीवन यापन से ही सत्यानंद।

कैकेई

कमलेश झा

मृत धरा पड़े हैं नृप दशरथ
कंधा देने वाला है कोसों दूर।
अवध पूरी में फैली सन्नाटा
मौन खड़े हैं जनता की भीड़।।
कैकई के निज स्वार्थ ने
लील लिया सबका सुख चैन।
सफेद लिवास में सुबक रही है कौशल्या के तटस्थ नैन।।
राम लखन तो वन वन भटके टीस हृदय उठते बारम्बार।
मन में कोई आशंका सा लगता विचलित मन होता हरबार।।
चार पुत्र के सबल पिता की अर्थी कर रही इंतजार।
घर के इस अंतः कलह का परिणाम भयंकर देखता संसार ।।
आशंका है भरत के अंदर अनहोनी की मन में बात।
परिवार घिरा है किसी संकट में कैसी ये डरावनी रात ??
दूत पहुंचा ननिहाल भरत के दुखी मन और भरा संताप।
पिता मृत्यु की बात छिपाई भाइयों को मिला वनवास।।
शब्द फंसे जो दशरथ जी शब्दभेद का जिनको ज्ञान।
प्रियतम के सुंदर मुखड़े पर भेंट चढ़ाया अपना प्राण।।
वेशक आप दशरथ जी हों दसों इंद्रियों पर हो आपका विजय।
परिस्थिति के विकट मोड पर करना होगा खुद पर जय।।
ज्ञान अगर लें प्राचीन घटना से समदर्शी का रखना भाव।
वेशक पुत्र हों आपके नारायण करना होगा खुद हीं भवपार।।

काल का कमाल

केएल प्रभाकर प्राण

भूगोल का खेल है
काल का कमाल है
आया नया साल है
अनंत भावनाओं का मेल है
काल सुधा रस-से झरना-झील है।
काल नेक है
कर्तव्य का प्रतीक है
काल भूल नहीं सकता
अपना कर्तव्य,
हर पल गति करते-करते
पहुँच जाता अपना गंतव्य।
कालचक्र से
जीवनचक्र का मेल है,
काल की डगर में
जीवन के सफर में,
प्राप्त होती हैं अनुभवों की निधियाँ
इन अनुभवों की निधियों को लेकर
कालचक्र के संग-संग
जीवन के उद्यान में उगाना है
सार्थक जीवन के सुमन नवरंग,
काल के द्वारा मिलता है
यह जीवन जीने का ढंग।
स्वागत-स्वागत नूतन वर्ष
संसार के हृदय को करो हर्ष से स्पर्श।

मत कर तू अभिमान

गजानन पाण्डेय

क्या तेरा है ?
क्या मेरा है ?
दुनिया रैन - बसेरा है ।
कुछ न साथ जाता है
फिर कैसा पछतावा है ?
फिर कैसी शान ?
किस बात का अभिमान !
तू उसे याद रख
यही है सच्ची बात ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 29, दिसंबर 2024

जब लड़की के खयालों में पढ़ाई भूले मनमोहन

शादी की कोई तस्वीर नहीं; फिश के लिए शाकाहार छोड़ने को तैयार थे

किस्सा उन दिनों का है, जब मनमोहन सिंह कैमब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। उनकी बेटी दमन सिंह अपनी किताब 'स्ट्रिक्टली पर्सनलः मनमोहन-गुरशरण' में लिखती हैं- एक समय ऐसा था जब वे एक खास लड़की के ख्यालों में डूबे रहते थे। इसका असर उनकी पढ़ाई पर हो रहा था। इस दौरान उन्होंने कई रिसर्च पेपर लिखे, लेकिन उनके गाइड प्रोफेसर को पसंद नहीं आए। मनमोहन को डांट सुननी पड़ी। वे बेहद निराश हुए। उन्होंने कसम खाई कि वह अब अपने लक्ष्य से कभी नहीं डिगेंगे। इसके बाद मनमोहन ने पढ़ाई पर फोकस किया और उस खास लड़की को हमेशा के लिए भूल गए। 26 सितम्बर 1932 को पाकिस्तान के पंजाब के गाह में गुरमुख सिंह के घर बेटे का जन्म हुआ। गुरमुख सिंह पत्नी और बच्चे के साथ पेशावर में रहते थे। वे एक ड्रायफ्रूट बेचने वाले व्यापारी के पास क्लर्क थे। सिख प्रथा के अनुसार गुरमुख सिंह बच्चे को लेकर सिखों के पवित्र तीर्थ पंजा साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। ग्रंथी से बच्चे के लिए नाम बताने को कहा। ग्रंथी ने गुरु ग्रंथ साहिब खोला और जो पेज खुला उसका पहला अक्षर 'म' था। बच्चे को ग्रंथी ने 'मनमोहन' नाम दिया; लेकिन उनका पूरा नाम कोई नहीं कहता था, सब उन्हें प्यार से 'मोहन' ही कहते थे।

किताब के मुताबिक, 1930 के दशक में नौकरी की वजह से गुरमुख सिंह का पेशावर आना-जाना लगा रहता था। एक बार रास्ते में मिट्टी का घड़ा टूट गया। मोहन की मां अमृत कौर ने इसे अपशकुन माना और बेटे को लेकर वापस गांव आ गईं। कुछ ही दिनों के बाद अमृत कौर का टाइफाइड से निधन हो गया। इसके बाद मनमोहन गांव में अपने चाचा-चाची और दादा-दादी के साथ रहने लगे। स्कूली पढ़ाई के दौरान मोहन की जेब हमेशा ड्रायफ्रूट्स से भरी रहती थी। उनके दोस्त जेब से ड्रायफ्रूट्स निकालकर खा लेते थे। जब यह बात एक टीचर को पता चली, तो वह भी मोहन की जेब से बादाम निकालकर खाने लगे। जब दादी ने मोहन से बादाम को लेकर सवाल किया, तो वे खामोश रहे। बादाम खिलाने की वजह से टीचर मोहन को मारते नहीं थे।

दमन सिंह लिखती हैं कि 1940 के दशक में मनमोहन के पिता ने दूसरी शादी कर ली। उनकी सौतेली मां सीतावंती कौर उन्हें बहुत प्यार करती थीं। उस वक्त मोहन पेशावर के खालसा स्कूल में पढ़ते थे और वहां के बेहतरीन स्टूडेंट थे। उन्होंने स्कूली पढ़ाई के दौरान गुरुमुखी, उर्दू और अंग्रेजी भाषा सीखी। वे स्कूल की लाइब्रेरी में घंटों बैठकर इतिहास और साहित्य की किताबें पढ़ते थे। वे डिबेट कमेटी के अध्यक्ष बन गए। साल 1945 आते-आते मोहन ने 8वीं क्लास की परीक्षा दी। यह उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत के सभी स्कूलों के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने प्रदेश में तीसरी रैंक और स्कूल में टॉप किया। रातों-रात मोहन की जिंदगी बदल गई। पूरे प्रदेश में उनका नाम हो गया। इसके बाद टीचर्स ने मोहन पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया। 14 अगस्त 1945। जब दूसरा विश्वयुद्ध खत्म हुआ तो मोहन की उम्र 13 साल थी। युद्ध खत्म होने के बाद दुनियाभर में जश्न शुरू हो गया था। यह जश्न ब्रिटेन से होता हुआ पेशावर आ पहुंचा। खालसा स्कूल में टीचर्स और स्टूडेंट्स ने भी मिठाई बांटना शुरू किया। इसका मोहन ने विरोध किया। उन्होंने कहा, ब्रिटेन ने फासीवाद को हरा दिया, लेकिन हमें तो गुलाम बना रखा है। ब्रिटेन की जीत से हमारे लिए कुछ नहीं बदलेगा। हमें ये मिठाई क्यों खाना चाहिए, इसलिए कि हम हमेशा गुलाम ही रहेंगे। अंग्रेज हम पर हमेशा शासन करते रहेंगे। ये सुनने के बाद किसी टीचर्स और स्टूडेंट ने मिठाई नहीं खाई।

1958 में डॉ. मनमोहन सिंह पत्नी गुरशरण कौर के साथ

मार्च 1947। हिंदू-मुस्लिम दंगों के दौरान पेशावर में भयानक मंजर था। हर तरफ लाशें बिखरी पड़ी थीं। सड़कों पर बहा खून सूखकर काला हो गया था, दीवारों पर खून के दाग थे। इस दौरान लाहौर की पंजाब यूनिवर्सिटी में मैट्रिक की परीक्षा हुई। इस माहौल में मोहन पढ़ाई करते और लाशों के बीच एग्जाम देने नानकपुरा के इस्लामिया हाई स्कूल जाते। अप्रैल 1947 आते-आते हिंसा बढ़ चुकी थी। गांव में मोहन के दादा की हत्या कर दी गई। इसके बाद गुरमुख सिंह अपने परिवार को लेकर भारत आ गए। उन्होंने हिंसा से भरे अमृतसर के बजाय हल्द्वानी में किराए का मकान लिया और परिवार को ठहरा दिया। पेशावर में दुकान और घर होने के कारण वे अकेले वापस चले गए। कुछ महीने आर्मी कैंप में रहने के बाद उन्हें भारत भेजा गया।

मार्च 1948। आजादी के बाद स्कूल और कॉलेज खुलने लगे थे। इमरजेंसी एग्जाम शुरू हो चुके थे। देश के साथ पंजाब यूनिवर्सिटी भी बंट गई थी। मनमोहन दोबारा परीक्षा देना चाहते थे। उन्होंने कहा, मुझे मैट्रिक की परीक्षा दोबारा देनी चाहिए, क्योंकि पिछले साल पेशावर में दी परीक्षा का नतीजा कभी नहीं आएगा। उनका एग्जाम सेंटर दिल्ली के करोल बाग में आया। उन्हें 850 में से 694 मार्क्स मिले। पंजाब यूनिवर्सिटी से उन्हें स्कॉलरशिप भी मिली। मोहन के पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे। इस वजह से अप्रैल 1948 में अमृतसर के खालसा कॉलेज में फेलोशिप इन मेडिकल कॉस्मेटोलॉजी में मोहन का दाखिला करवा दिया, लेकिन पढ़ाई में उनका मन नहीं लगा। उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया। वे पिता के साथ दुकान पर बैठने लगे। उनसे चाय-पानी मंगाया जाता, जो उन्हें पसंद नहीं आया।

दमन सिंह 'स्ट्रिक्टली पर्सनलः मनमोहन-गुरशरण' में पिता के हवाले से लिखती हैं, मैंने सितंबर 1948 में हिंदू कॉलेज में एडमिशन ले लिया था, लेकिन मेरे पिता गुरमुख सिंह को यह पसंद नहीं था, क्योंकि वह अकाली नेता थे। 1950 में मैंने यूनिवर्सिटी में इंटर में टॉप किया और फिर स्कॉलरशिप हासिल की। इस दौरान मुझे इकोनॉमिक्स से प्यार हुआ। फिर मैंने इकोनॉमिक्स और पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया। 1950 के दशक में सरदार छत्तर सिंह कोहली और भागवंती कौर अपनी 19 साल की बेटी गुरशरण की शादी के लिए लड़का ढूंढ रहीं थीं। वे ग्रेजुएट हो चुकीं थीं, इसलिए अच्छे रिश्तों की कमी नहीं थी। दूसरी ओर मनमोहन के घरवाले भी शादी के लिए लड़कियां देख रहे थे। तभी किसी पहचान वाले ने कहा कि अगर मनमोहन गुरशरण से शादी कर लेंगे तो उन्हें दहेज में फिएट कार दी जाएगी। हालांकि, मनमोहन को पता चला कि गुरशरण स्कूल तक ही पढ़ी हैं, तो वे रिश्ते से मना करने लगे। मोहन की बीजी और गुरशरण के घरवालों के बीच जान-पहचान थी। रिश्ते की बात चलने पर मोहन को लड़की देखने बुलाया गया। सफेद सलवार कमीज और प्लेटफॉर्म हील्स पहनी गुरशरण कमरे में दाखिल हुईं।

मोहन ने गुरशरण से पूछा, 'आपको बीए में कौन सी डिवीजन मिली है?' गुरशरण बोलीं, 'सेकेंड।' दूसरा सवाल पूछा कि अगर आपको विदेश में रहना पड़े तो कैसा लगेगा? गुरशरण ने जवाब दिया, 'मुझे नहीं पता।' अगले दिन मोहन होशियारपुर के खालसा कॉलेज गए और गुरशरण के बारे में पता लगाया। प्रिंसिपल ने बताया कि जिस लड़की से शादी की बात चल रही है, वह पढ़ाई में एवरेज है। यह सुनकर वे थोड़ा निराश हुए, लेकिन शादी के लिए फिर भी मान गए। शादी पक्की हो गई।

गुरशरण पांच बहनों में सबसे छोटी थीं और परिवार गरीब था। चार बेटियों की शादी में खूब पैसा लग चुका था। उनके पिता ने कहा कि वे शादी में मामूली दहेज ही दे पाएंगे। मनमोहन ने कहा, 'मैं दहेज में विश्वास नहीं रखता। बस मेरे पिता चाहते हैं कि बारात का ठीक से ख्याल रखा जाए।' इसके बाद एक साल सगाई चली, फिर शादी हुई। 150 लोगों की बारात संकरी गली में पहुंची। अचानक बारिश शुरू हो गई और सब बिखर गया। जब बारिश थमी तो शादी शुरू हुई। दूल्हे वाले फोटोग्राफर को बुलाना भूल गए, इसलिए शादी की कोई तस्वीर नहीं खिंच पाई।

आप भ्रष्टाचार नहीं कर सकते

दमन सिंह अपनी किताब में लिखती हैं कि 1978 में इमरजेंसी के बाद जनता पार्टी की सरकार बनी। इंदिरा गांधी की सरकार के दौरान एक फ्रेंच कंपनी से ऑयल रिसर्च को लेकर एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया। बलवीर बोहरा पेट्रोलियम सचिव थे। बोहरा के अलावा इस कॉन्ट्रैक्ट में रामचंद्रन और मनमोहन सिंह भी शामिल थे। जनता पार्टी की सरकार ने इस कॉन्ट्रैक्ट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। सीबीआई ने मनमोहन सिंह से पूछताछ की। मनमोहन ने कहा कि हमने कोई साजिश नहीं की, लेकिन सीबीआई किसी भी तरह सरकार को खुश करना चाहती थी। इस दौरान बलवीर बोहरा घबराते हुए मनमोहन के पास आए और कहा, अब मेरा परमानेंट जेल जाना तय है। तब मनमोहन सिंह उन्हें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पास ले गए। चरण सिंह ने पूछा ये कौन हैं? मनमोहन ने कहा ये वही बलवीर बोहरा हैं। ये मेरे और रामचंद्रन के साथ कॉन्ट्रैक्ट कमेटी में शामिल थे, जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। चरण सिंह ने फौरन मनमोहन सिंह का हाथ पकड़ा और कहा, आप और भ्रष्टाचार... मैं ऐसा सोच भी नहीं सकता। आप पर विश्वास न करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं आपको अच्छे से जानता हूं। 1986 में मनमोहन सिंह ने रिटायरमेंट के बाद चंडीगढ़ के सेक्टर 11 के एक छोटे से मकान में रहने की प्लानिंग शुरू कर दी थी। वे अपने सपनों के शहर चंडीगढ़ में रहना चाहते थे। नए घर में रहने की चाह में उन्होंने गुरशरण को पर्दे तक नहीं बदलने दिए। मनमोहन चाहते थे कि नए पर्दे, नए घर में ही आएं। तब तक उनके घर में पुराने पर्दे ही लटकते रहे। फर्नीचर का भी यही हाल था। वहीं, सरकार मनमोहन सिंह को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। इसी कशमकश में मनमोहन कई सालों तक अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहे। दमन सिंह लिखती हैं, 1990 की शुरुआत में दिल्ली में प्रॉपर्टी इतनी महंगी नहीं थी। मनमोहन से कहा गया कि दिल्ली में ही कोई फ्लैट खरीद लीजिए, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया। मनमोहन ने कहा, 'मैं तो चंडीगढ़ ही जाउंगा। दिल्ली में रहने का मेरा कोई इरादा नहीं है क्योंकि वह शहर मुझे बहुत पसंद है।'

जब डॉ. सिंह राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे, तो खुद मारुति 800 ड्राइव कर संसद आते थे। लोग उनसे कहते थे कि बड़ी कार ले लीजिए। लेकिन मनमोहन कहते, मारुति 800 चंडीगढ़ के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। मैं इसे नहीं बदलूंगा। मनमोहन सिंह के बॉडीगार्ड रहे पूर्व आईपीएस ऑफिसर और मौजूदा यूपी सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण असीम सोशल मीडिया 'X' पर लिखते हैं, 'मैं 2004 से लगभग 3 साल तक मनमोहन सिंह का बेहद नजदीकी बॉडीगार्ड रहा। डॉ. साहब की अपनी एक ही मारुति 800 कार थी। यह पीएम हाउस में चमचमाती काली बीएमडब्ल्यू के पीछे खड़ी रहती थी। मनमोहन सिंह बार-बार मुझे कहते, असीम... मेरी गड्डी तो यह मारुति है। असीम ने लिखा कि जब भी हमारा काफिला उस मारुति के सामने से गुजरता, तो डॉ. साहब एक बार उस कार को जी-भर कर जरूर देखते थे। ये कार उन्हें याद दिलाती कि वे एक मिडिल क्लास व्यक्ति हैं। मनमोहन कहते थे कि करोड़ों की गाड़ी तो पीएम के लिए है, मारुति मेरी कार है।

सितंबर 2011। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह बांग्लादेश के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले थे। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था ने दौरे से पहले उनका इंटरव्यू लिया। मनमोहन सिंह से पूछा कि आप शाकाहारी हैं और बांग्लादेश में मशहूर हिल्सा फिश परोसी जाती है, तो आप क्या करेंगे? इस पर मनमोहन सिंह ने कहा, 'मैं उस स्वादिष्ट बंगाली हिल्सा मछली के लिए अपना शाकाहारी व्रत तोड़ने के लिए तैयार हूं।' मनमोहन सिंह ने शाकाहारी व्रत नहीं तोड़ा था। मनमोहन सिंह अपने खाने को लेकर बहुत सिलेक्टिव थे। वे सादा खाना और ज्यादातर वेज खाना पसंद करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी के दौरान पीएम हाउस के मेन्यू में ब्रेकफास्ट के समय समोसा-कचौरी होता था। मनमोहन सिंह ने भी इसी ब्रेकफास्ट को जारी रखा। मनमोहन को चाय के साथ मैरीगोल्ड बिस्किट बहुत पसंद थे। मनमोहन कहते थे कि मुझे इससे एनर्जी मिल जाती है। मनमोहन ने कई सालों से हैवी खाना बंद कर दिया था। वे जानते थे कि हैवी खाकर ज्यादा काम नहीं किया जा सकता।

संभल हिंसा में दाऊद के करीबी शारिक का हाथ

पाकिस्तानी कारतूस के पीछे अल कायदा के सईद, शरजील, उस्मान पर शक

यूपी के संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हिंसा हुई। पुलिस को इसके पीछे आतंकी साजिश का शक है। पुलिस संभल से पाकिस्तान या अफगानिस्तान जा चुके लोगों की फाइलें खोल रही है। इसके पीछे बड़ी वजह हिंसा के दौरान मिला एक कारतूस है। ये कारतूस पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का बना माना जा रहा है। हालांकि, इसकी फोरेंसिक रिपोर्ट नहीं आई है।

पुलिस संभल के उन युवाओं की जांच कर रही है, जो पिछले 26 साल में लापता हुए हैं। इनमें शारिक साठा भी है, जो दाऊद गैंग के साथ काम कर रहा है। वो अभी दुबई में है और हवाला के जरिए टेरर फंडिंग कर रहा है। इसके अलावा पुलिस को अल कायदा से जुड़े सईद अख्तर, शरजील अख्तर और उस्मान पर भी शक है। पुलिस उस सोर्स की भी जांच कर रही है, जिससे हवाला के जरिए फंडिग हो रही है। संभल के लापता युवा कहां हैं और उनका कनेक्शन किन टेरर ग्रुप्स से है।

पुलिस से जुड़े इंटेलिजेंस सोर्स का दावा है कि 1998 के बाद से संभल से 100 से ज्यादा युवा लापता हुए हैं। हालांकि, इनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं है। इस वजह से ऑफिशियल आंकड़े मिलना मुश्किल है। इनकी पुरानी फाइलें खोली जा रही हैं। संभल एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई बताते हैं कि पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री वाले कारतूस की बैलिस्टिक जांच कराई जा रही है। फोरेंसिक रिपोर्ट का अभी इंतजार है। 24 नवंबर को हुई घटना को लेकर हम पाकिस्तान कनेक्शन की जांच कर रहे हैं। संभल का रहने वाला शारिक साठा अंडरवर्ल्ड से जुड़ चुका है। उसका आईएसआई लिंक भी मिला है।

शारिक साठा दाऊद गैंग के साथ काम कर रहा है। वो दुबई में रहकर हवाला के जरिए टेरर फंडिंग कर रहा है। इसके लिए संभल का सबसे हॉटस्पॉट एरिया दीपासराय, सराय तरीन, मोहल्ला हिंदुपुरा खेड़ा और तुरतीपुर है। शारिक साठा कभी भारत में लग्जरी कारें चुराने वाले गैंग का सरगना था। उस पर दिल्ली, एनसीआई, नॉर्थ ईस्ट में 100 से ज्यादा केस हैं। शारिक साठा आखिरी बार 2018 में दिल्ली से अरेस्ट हुआ था। 3 महीने बाद जमानत पर बाहर आया और नवंबर 2018 के बाद से लापता है। 2021 में दिल्ली पुलिस को पता चला कि वो दुबई में है। ISI से मिलकर भारत में नकली नोटों की सप्लाई कर रहा है।

संभल कोतवाली में 2009-10 में इंस्पेक्टर रह चुके एसकेएस प्रताप उसके बारे में बताते हैं 'शारिक 8वीं तक पढ़ा है। पढ़ाई छोड़कर ट्रक-बस हेल्पर और सिक्योरिटी एजेंसी में काम कर चुका है। 1996 में उसे पहली बार मुरादाबाद से अरेस्ट किया गया था।' 'शारिक को उसके साथी साठा इसलिए बुलाते थे, क्योंकि वो 60 की स्पीड पर ही गाड़ी चलाता था। अब संभल पुलिस की इंटेलिजेंस रिपोर्ट से पता चला है कि शारिक दुबई में है।'

पुलिस की रिपोर्ट में संभल से टेररिस्ट बन चुके 4 नामों का जिक्र है। पहला नाम दीपासराय में रहने वाले सईद अख्तर का है। दीपासराय में ही सर्वे के विवाद में हिंसा हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सईद अख्तर 1998 से लापता है। उसके अफगानिस्तान में होने की शक है। दावा है कि उसने आतंकी संगठन अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट जॉइन कर लिया है। दूसरा नाम शरजील अख्तर का है। ये दीपासराय से थोड़ी दूरी पर नखासा का रहने वाला है। शरजील 2012 से लापता है। उसके भी सईद के साथ उसके आतंकी संगठन को जॉइन कर लिया है। तीसरा नाम सनाउल हक उर्फ आसिम उमर का है, जो अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट का चीफ रहा था। वो 2019 में अफगानिस्तान में मारा गया। चौथा नाम उस्मान उर्फ असद उर्फ अदनान का है। ये दीपासराय के अंजुमन रोड का रहने वाला है। अदनान 1999 में सनाउल के कहने पर ट्रेनिंग लेने पाकिस्तान गया था। उसे हरकत-उल-मुजाहिदीन से ट्रेनिंग मिली। इसके बाद वो एक बार भारत आया। जुलाई 2012 में फिर पाकिस्तान चला गया और सनाउल हक से जुड़ गया। अभी उसके अफगानिस्तान-पाकिस्तान रीजन में एक्टिव होने का शक है।

अब बात सनाउल हक उर्फ आसिम उमर की...

संभल में कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने का मास्टरमाइंड, 2019 में मारा गया। अमेरिका ने 30 जून 2016 को सनाउल हक उर्फ आसिम उमर को ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया। तभी पता चला था कि सनाउल संभल का रहने वाला है। पहले वो पाकिस्तान गया और हरकत-उल-मुजाहिदीन जॉइन कर लिया। इसी दौरान ओसामा बिन लादेन के सहयोगी रहे अयमान अल-जवाहिरी ने वीडियो जारी कर सितंबर 2014 में अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट बनाने की घोषणा की। इसका चीफ सनाउल हक उर्फ आसिम उमर को बनाया था। ये संगठन बांग्लादेश में एक्टिविस्ट-राइटर्स की हत्या में इस संगठन का नाम आया था। इन घटनाओं के कबूलनामे भी हैं।

नेशनल डायरेक्ट्रेट ऑफ सिक्योरिटी अफगानिस्तान ने 8 अक्टूबर 2019 को दावा किया था कि अमेरिका के हमले में सनाउल उर्फ आसिम उमर मारा गया। ये भी बताया गया कि उसकी मौत 23 सितंबर 2019 को तालिबान के कंट्रोल वाले मूसा काला जिले में हुई थी।

हमने संभल के दीपासराय एरिया में सनाउल हक के परिवार के बारे में जानने की कोशिश की। कुछ लोगों से बात हुई। हालांकि, कोई भी कैमरे पर आने को राजी नहीं हुआ। एक बुजुर्ग ने बताया, 'सनाउल हक के परदादा ब्रिटिश सरकार में मजिस्ट्रेट थे। परिवार में कई स्वतंत्रता सेनानी भी रहे हैं। उसके दादा सरपंच थे।' वो आगे कहते हैं, 'सनाउल के परिवार में अब यहां कोई नहीं रहता। पिता इरफान-उल हक की 2017 में मौत हो गई थी। उसके बाद सनाउल की मां दूसरे बेटे के साथ दिल्ली चली गईं। बेटा शायद इंजीनियर है। उसके बाद परिवार की कोई जानकारी नहीं मिली।' वो सनाउल की पढ़ाई के बारे में कहते हैं, 'देवबंद से ग्रेजुएट था। आगे विदेश में पढ़ाई करना चाहता था, लेकिन उसके पिता ने मना कर दिया था। 1998 में वो घर छोड़कर चला गया और फिर कभी नहीं लौटा। उस वक्त वो करीब 20 साल का होगा। 2009 में इंटेलिजेंस अधिकारियों से पता चला था कि सनाउल हक आतंकी बन गया है। घरवालों ने अखबार में उसे परिवार से बेदखल करने का विज्ञापन भी दिया था। 2019 में उसकी मौत की खबर आई।'

सादा जीवन, उच्च विचार' के धनी थे डॉ.सिंह

राधा रमण

मृत्यु किसी की अच्छी नहीं मानी जाती। लेकिन मृत्यु तय है। तभी तो कहा जाता है कि रामनाम सत्य है,सत्य है तो मुक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह नहीं रहे। गुरूवार को देर रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका निधन हो गया। वे 92 साल 3 महीना के थे। बिटिश भारत के पंजाब (अब पाकिस्तान) प्रांत के गाह गाँव में 26 सितंबर 1932 को उनका जन्म हुआ था। मनमोहन सिंह भले हीअपने नश्वर शरीर को छोडकर चले गए लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में उनके किये गए कामों की वजह से वह हमेशा आमजनों की स्मृति में जीवित रहेंगे।

मनमोहन सिंह के निधन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, विपक्ष के नेता राहुल गाँधी समेत कई लोगों ने उनके सरकारी घर पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। देश में सात दिनों तक राष्ट्रीय शोक रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि 'मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएँ दी। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सरकार में वित्तमंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी और सादगी का प्रतीक था।'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने कहा कि वे सामान्य परिवार से थे और देश के सर्वोच्च पद पर पहुँचे। वे विख्यात अर्थशास्त्री थे। उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था के आधुनिक निर्माता थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि 'इतिहास निःसंदेह आपकी विनम्रता को याद रखेगा। देश ने विजनरी स्टेट्समैन और दिग्गज अर्थशास्त्री खो दिया। मनमोहन सिंह ने करोड़ों भारतीयों की जिंदगी बदली और मीडिल क्लास का निर्माण किया। उन्होंने कुछ बोलने की बजाय खामोशी से काम करने को तरजीह दी। विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने कहा कि 'मैंने अपना गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है।'

इन नेताओं की संवेदना अकारण नहीं है। मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व वाकई बहुगुणी था। ऐसा नहीं था कि मनमोहन सिंह को जीवन में सबकुछ सजा-सजाया या विरासत में मिला था। अपनी ईमानदारी, कर्मठता और दूरदर्शी सोच के कारण उन्होंने जीवन में वह सबकुछ हासिल किया जो किसी सपने से कम नहीं है। मनमोहन सिंह अकसर मौन रहना पसंद करते थे लेकिन उनके काम मुखरता से उनकी मौजूदगी का अहसास कराते रहते हैं। वह इकलौते ऐसे प्रधानमंत्री थे जिनका नाम बतौर रिजर्व बैंक के गवर्नर (पहले इस पद पर थे) भारतीय करेंसी (नोटों) पर छपता था। वह देश के पहले सिक्ख थे जो प्रधानमंत्री के पद पर पहुँचे। 1991 में बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह जब देश में उदारीकरण की नींव रख रहे थे तब तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने उन्हें आगाह करते हुए कहा था कि अगर आप इसमें सफल हो गए तो इसका श्रेय हम दोनों को मिलेगा। लेकिन अगर असफल रहे तो सारा दोष आपका माना जाएगा।

तब मनमोहन सिंह ने नरसिम्हा राव को भले ही जवाब नहीं दिया लेकिन इतिहास साक्षी है कि वह कितने सही थे। इसी तरह 2008 में बतौर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जब अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील किया तब वामपंथी पार्टियों ने उनकी सरकार से समर्थन यह कहकर वापस ले लिया कि इससे देश की स्वतंत्र विदेश नीति पर असर पड़ेगा। उस समय वामपंथी दलों के 60 सांसद थे। दूसरा कोई प्रधानमंत्री होता तो पीछे हट गया होता। लेकिन मनमोहन फिर नहीं माने और डील तय करके ही दम लिया।

भले ही इसके लिए उन्हें दोबारा सदन में बहुमत साबित करना पड़ा। कहने का तात्पर्य यह कि उनके लिए देशहित पहले था। कुर्सी का मोह नहीं। इसी तरह रोजगार गारंटी योजना, सबके लिए शिक्षा, सूचना का अधिकार क़ानून आदि मनमोहन सिंह के अनेक ऐसे काम हैं जो उन्होंने अपनी पार्टी कांग्रेस और समर्थक दलों के विरोध के बावजूद देशहित में लागू किया। विनम्र इतने कि उन्होंने खुले दिल से 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की हत्या के बाद हुए सिक्ख दंगों के लिए देश से माफी माँग ली और कहा कि जो हुआ, गलत हुआ, माफ़ कीजिए। संसद में तब के विपक्ष के तीखे सवालों का जवाब देने खड़े हुए तो बिना लागलपेट के साफ-साफ कह दिया कि 'हजारों सवालों के जवाब से अच्छी है खामोशी मेरी ... ।'

मनमोहन सिंह से जुड़े दो मामलों का जिक्र करना जरूरी लगता है। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे उत्तरप्रदेश के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण लिखते हैं कि ' जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने तो उनके पास एक मारुति 800 कार थी। उसे वह अपलक निहारते रहते थे। असीम अरुण तब प्रधानमंत्री के सुरक्षा अधिकारी हुआ करते थे।

वह असीम अरुण से अकसर कहा करते थे कि मेरे पास पहले से एक कार है तो फिर इतनी महँगी कार की क्या जरूरत है? हमारा देश गरीब है और मुझे यह तामझाम कतई अच्छा नहीं लगता।' लेकिन सुरक्षा का हवाला देकर अधिकारी उनकी बात टाल दिया करते थे।

दूसरी बात मनमोहन सिंह के चिकित्सक रहे डॉ रमाकांत पांडा ने बताई। एक बार दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में डॉ मनमोहन सिंह का ऑपरेशन हुआ था। तब वह प्रधानमंत्री थे। डॉ पांडा के मुताबिक़ ऑपरेशन करीब 10 घंटे चला था। जब वह होश में आए तो डॉक्टर उनका हालचाल लेने गए। डॉक्टरों के कुछ पूछने से पहले मनमोहन सिंह ने उनसे सवाल किया कि मेरा देश कैसा है?

मेरा कश्मीर कैसा है? डॉ पांडा बताते हैं कि वैसी हालत में जब मरीज अपने स्वास्थ्य के बारे में बात करता है, मनमोहन सिंह को देश की चिन्ता थी। वह एक बात और कहा करते थे कि 'आशा करता हूँ कि इतिहास मेरे बारे में विनम्र रहेगा।' कहने की जरूरत नहीं कि इतिहास न सिर्फ मनमोहन सिंह के प्रति विनम्र है बल्कि देश उनके किये कामों के लिए नतमस्तक है। अब भले ही मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर हमारे बीच नहीं है, उनकी बातें और उनके द्वारा किये गए देशहित के काम आनेवाली पीढी का मार्गदर्शन करती रहेगी। हे सत्पुरुष! आपको इस देश के करोड़ों लोगों का शत-शत प्रणाम!

कल्कि रुप में होगा भगवान विष्णु का दशावतार

सुरेश गांधी

पौराणिक कथाओं के अनुसार मथुरा भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। जैसे भगवान राम त्रेता युग में विष्णु के सातवे अवतार थे, वैसे ही कल्कि दसवें और अंतिम अवतार होंगे। जो कलियुग के अंत में घोड़े पर सवार होकर आएंगे।

अर्थात "हे जगदीश! हे मधूसूदन! आपने कल्किरूप धारण कर म्लेच्छों का विनाश कर धूमकेतु समान भयंकर कृपाण को धारण किया है। आपकी सदा ही जय हो।" श्रीमद्भागवत के अनुसार कल्कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार हैं। कलियुगांत में, विष्णु कल्कि के रूप में अवतार लेते हैं और दुनिया को बचाते हैं। ज्योतिषाचार्यों का दावा है कि भगवान कल्कि का जन्म हरि मंदिर में होगा, जिसका प्रमाण धर्म ग्रंथों में है। खास यह है कि संभल में इस समय इसी बात को लेकर वैचारिक जंग छिडी है कि कल्कि का जन्म हरि मंदिर के आसपास संभल में ही होगा। संभल उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के एक गांव नाम है। ये स्थान गंगा और रामगंगा के बीच होगा, जो पवित्र नदियों के मध्य में स्थित है। मंदिर के आस-पास त्रिकोणात्मक संरचना है जो इस स्थान की पवित्रता को दर्शाती है। दावा है कि इस मंदिर से तीन योजन की दूरी पर गंगा और रामगंगा स्थित हैं जो इसे और भी पवित्र बनाती है। देखा जाएं तो संभल का स्वरूप त्रिकोणीय है और यहां के तीनों कोनों में महादेव के मंदिर हैं। इस स्थान को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त है। पूरब दिशा में चंद्रेश्वर महादेव, दक्षिण में गोपालेश्वर महादेव, और उत्तर दिशा में भूवनेश्वर महादेव के मंदिर हैं जो इस स्थान की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाते हैं।

अग्नि पुराण के 16 अध्याय में वर्णन मिलता है, कि कल्कि अवतार तीर कमान धारण किए हुए सफेद रंग का घोड़े पर सवार होंगे। उनके घोड़े का नाम देवदत्त होगा। यह अवतार भगवान के भक्त होने के साथ-साथ वेदों और पुराणों के ज्ञाता और एक महान योद्धा भी होंगे। कल्कि भगवान के गुरु, विष्णु के ही अवतार परशुराम जी होंगे। दावा है कि कल्कि भगवान का जन्म ब्राह्मण परिवार में होगा। उनके पिता का नाम विष्णु यश, मां का नाम सुमति और बाबा का नाम ब्रह्म यश होगा। कल्कि भगवान के चार भाई होंगे, जिनमें सुमंत, परागिक, कवि और कल्कि शामिल होंगे। कल्कि भगवान की दो पत्नियां होंगी जिनका नाम पदमा और रमा होगा। पदमा लक्ष्मी स्वरूपा होंगी और रमा का चेहरा कभी किसी ने नहीं देखा क्योंकि वह भगवान राम से आशीर्वाद प्राप्त कर चुकी हैं। कल्कि भगवान के जन्म के प्रमाण धर्म ग्रंथों में स्पष्ट रूप से दिए गए हैं और उनका आगमन कलयुग के अंत के संकेत होगा। कल्कि का अवतरण सावन महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर होगा। उनका उद्देश्य पाप का नाश कर सत्य और धर्म की स्थापना करना होगा। कल्कि पुराण के अनुसार भगवान कल्कि के शासन काल में पृथ्वी पर कोई भी धर्महीन, अल्पायुष्य, दरिद्री, पाखण्डी तथा कपटपूर्ण आचरण वाला व्यक्ति नहीं रहेगा। धीरे-धीरे धरा से पाप का अंत होने लगेगा और जो मनुष्य सत्कर्मों और भगवान की भक्ति में लीन होकर अपना कार्य करेंगे। भगवान कल्कि उनकी मदद करेंगे। भगवान कल्कि के नाम को जपने से धन, यश और आायु की वृद्धि होकर परमानन्द की प्राप्ति होगी।

महाभारत ग्रंथ के रचयिता महर्षि वेद व्यास जी ने हजारों वर्ष पहले भविष्यवाणी की थी कि जब कलयुग में धरती पर अत्याचार और पाप बढ़ते चले जाएंगे, जब व्यक्ति में संस्कारों का नाश हो जाएगा, जब कोई गुरुओं के उपदेशों का पालन नहीं करेगा, कोई वेदों को मानने वाला नहीं होगा और जब अधर्म अपने चरम पर होगा। तब भगवान कल्कि भगवान शिवजी की तपस्या करेंगे और दिव्यशक्तियों को प्राप्त कर देवदत्त घोड़े पर सवार होकर पापियों का संहार करेंगे और दोबारा धर्म की स्थापना करेंगे। इस तरह से कल्कि के जन्म के बाद कलयुग का अंत हो जाएगा और पुनः सतयुग की शुरुआत हो जाएगी। इसका वर्णन कल्कि पुराण, अग्नि पुराण, ब्रह्मांड पुराण, भविष्योत्तर पुराण और महाकाव्य महाभारत में भी मिलता है। कल्कि पुराण और अग्नि पुराण में यह भविष्यवाणी की गई है कि भगवान विष्णु के 'कल्कि' अवतार कलियुग के अंत में अवतरित होंगे। विष्णु जी के कल्कि अवतार का उवैसे भी संभल को अनादि काल से एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थान माना जाता है। इस स्थान का निर्माण त्रिशंकु राजा ने किया था जो शिव के परम भक्त थे।

भगवान कल्कि के अवतार से पहले संभल में देवताओं ने दो महत्वपूर्ण यज्ञ किए थे। एक राजा ययाति का यज्ञ और दूसरा राजा दक्ष का यज्ञ। भगवान कल्कि का स्वरूप विष्णु के रूप में होगा और उनका जन्म हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए एक ऐतिहासिक घटना होगी। संभल में भगवान कल्कि के आगमन के बाद ये नगर तीर्थराज के रूप में प्रसिद्ध होगा। संभल का धार्मिक नक्शा लगभग 1000 साल पुराना है और इसे स्कंद पुराण से प्राप्त किया गया है। ये नक्शा बेहद पवित्र है और इस नक्शे के अनुसार संभल के आसपास स्थित शिवलिंग और महादेव के मंदिर भविष्य में इस स्थान को और भी पवित्र बना देंगे। भगवान कल्कि कलियुगी राक्षसों को मारने के बाद 20 वर्षों तक पृथ्वी पर रहेंगे। अपने जन्म के कर्तव्यों को पूरा करने के बाद, वैकुंठ चले जायेंगे। हिंदू धर्म ग्रंथों में चार युग सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग का वर्णन किया गया है। इनमें कलयुग आखिरी युग होगा जो कि अभी चल रहा है और इसके समाप्त होते ही फिर से सतयुग की शुरुआत हो जाएगी। जिस तरह हर युग में भगवान विष्णु ने धरती पर मौजूद पापों का अंत करने के लिए अलग-अलग अवतार लिए, उसी प्रकार कलयुग में भी भगवान विष्णु अवतार लेंगे। धर्म ग्रंथों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में भगवान विष्णु के अवतार का नाम कल्कि होगा जो कि उनका 10वां अवतार होगा।

मान्यताओं के अनुसार, जब कलयुग में अधर्म की प्रधानता बढ़ जाएगी और धर्म का पतन होने लगेगा, तब धर्म की स्थापना और असुरों के संहार के लिए भगवान कल्कि अवतरित होंगे। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, कलयुग की शुरुआत 3102 ईसा पूर्व से हुई थी। जब भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वीलोक को त्यागा, तब कलयुग का प्रथम चरण शुरू हो चुका था। ऐसा कहा जाता है कि पृथ्वी पर कलयुग का इतिहास 4 लाख 32 हजार वर्षों का होगा, जिसमें अभी प्रथम चरण ही चल रहा है यानी कलियुग के 426875 साल अभी बचे हैं। कल्कि भगवान विष्णु का ऐसा अवतार है, जिसकी पूजा उनके जन्म के पहले से ही की जा रही ळें संभल उस वक्त चर्चा में आया जब वहां की जामा मस्जिद पर हुई हिंसा के दौरान चार युवक मारे गए। खासतौर से जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से लेकर अन्य विपक्षी पार्टियों ने सड़क से लेकर संसद तक माहौल को गर्म बनाए रखा। पर यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संभल को अपने तरीके से सनातन पर हो रहे अत्याचार की व्याख्या की।मतलब साफ आने वाले दिनों में योगी आदित्यनाथ संभल में श्रीराम मंदिर की तर्ज पर एक बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकते है। संभल में हर रोज हिंदू धर्म से संबंधित मंदिर, मूर्तियां, कुएं और बावड़ियां मिलने के सिलसिले को उसी कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है। इन सभी के तार पुराणों, बौद्ध शास्त्रों आदि से जोड़े जा रहे ळे निकोलस और हेलेना रोएरिच ने 1924-1928 में शंभाला के लिए अभियान चलाया। उनका यह भी मानना था कि अल्ताई पर्वत में बेलुखा पर्वत शम्भाला का प्रवेश द्वार था, जो उस क्षेत्र में एक आम धारणा थी। उन्होंने 1934 और 1935 के बीच मंगोलिया में शम्भाला की तलाश के लिए एक दूसरे अभियान का नेतृतत्व किया। बोल्शेविक क्रिप्टोग्राफर और सोवियत गुप्त पुलिस के कर्णधारों में से एक ग्लेब बोकी ने अपने लेखक मित्र अलेक्जेंडर बारचेंको के साथ मिलकर 1920 के।दशक में कालचक्र-तंत्र और साम्यवाद के विचारों को मिलाने की कोशिश में शम्भाला की खोज शुरू की थी। फ्रांसीसी बौद्ध एलेक्जेंड्रा डेविड-नील ने शम्भाला को वर्तमान अफ़गानिस्तान के बल्ख से जोड़ा।कहा जाता है कि हिटलर ने 1930 के दशक में तिब्बत में अगरथा और शंभाला से संपर्क साधने के लिए कई मिशन भेजे पर सफलता नहीं मिली। बताया जाता है कि सतयुग में संभल का नाम सत्यव्रत था, त्रेता में महदगिरि, द्वापर में पिंगल और कलियुग में संभल है। प्राचीन शास्त में यहां 68 तीर्थ और 19 कुओं का जिक्र मिलता है। यहां एक अति विशाल प्राचीन मन्दिर है, इसके अतिरिक्त तीन मुख्य शिवलिंग है, पूर्व में चन्द्रशेखर, उत्तर ।।में भुबनेश्वर और दक्षिण में सम्भलेश्वर हैं। प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल चतुर्थी और पंचमी को यहाँ मेला लगता है और यात्री इसकी परिक्रमा करते हैं। इतिहास बताता है कि संभल की जामा मस्जिद 1529 में (राम जन्मभूमि को तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाने के ठीक एक साल बाद) बाबर के निर्देश पर हरिहर मंदिर को तोड़करबनाया गया था। इस बात का उल्लेख मस्जिद पर भी है। बाबारनामा और अकबरनामा से भी यह संकेत मिलता है कि यहां पहले मंदिर हुआ करता था। पर यह मंदिर विष्णु के दशावतार से संबंधित होने के चलते और चर्चा में आ गया है। एक बात और ध्यान देने वाली है कि संभल में ही कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्कि अवतार।। मंदिर का शिलान्यास करने भी पहुंचे थे। **(जारी)**

सूर्य को अर्घ्य देकर करें दिन की शुरुआत, दोपहर में करें तर्पण, पिंडदान और धूप-ध्यान

अंतिम अमावस्या कल

2024 की अंतिम अमावस्या (पौष) सोमवार, 30 दिसंबर को है। सोमवार को अमावस्या होने से इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस पर्व पर पूजा-पाठ, पितरों के लिए तर्पण, दान-पुण्य और नदी स्नान करने की परंपरा है। जानिए पौषी अमावस्या पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं।

गरुड़ पुराण

अमावस्या पर तर्पण और धूप-ध्यान करने से पितरों को मिलती है शांति

गरुड़ पुराण में अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। इस तिथि के स्वामी पितर देव माने जाते हैं, इसलिए इस तिथि पर पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, और धूप-ध्यान किया जाता है। पितरों के लिए धूप-ध्यान दोपहर में करीब 12 बजे करना चाहिए।

गरुड़ पुराण के मुताबिक, अमावस्या पर तर्पण आदि शुभ काम करने से पितरों को शांति मिलती है और पितरों की कृपा से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

स्कंद पुराण

सूर्य पूजा के साथ करें दिन की शुरुआत

पौष मास में सूर्य पूजा करने का विशेष महत्व है, क्योंकि ये महीना ठंड का है और इस मास में सुबह के समय सूर्य की किरणे हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं। सूर्य की किरणों से विटामिन डी मिलता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

स्कंद पुराण के मुताबिक, अमावस्या पर सूर्य पूजा करने से अक्षय पुण्य मिलता है और सूर्य की कृपा से सभी काम सफल होते हैं। ज्योतिष में माना जाता है कि जो लोग अमावस्या पर सूर्य पूजा के साथ दिन की शुरुआत करते हैं, उनकी कुंडली के ग्रह दोष शांत होते हैं। स्कंद पुराण में बताया गया है कि अमावस्या पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। इस व्रत रखने और भगवान का ध्यान करने से अक्षय पुण्य मिलता है।

महाभारत

अमावस्या पर दान जरूर करना चाहिए

पौष अमावस्या पर्व पर पूजा-पाठ के साथ ही जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य जरूर करें। इस संबंध में महाभारत में बताया गया है कि अमावस्या पर दान-पुण्य करना बहुत शुभ रहता है। दान में कपड़े, धन, खाना, जूते-चप्पल दे सकते हैं।

पौष अमावस्या पर करें महालक्ष्मी की पूजा

महालक्ष्मी कार्तिक मास की अमावस्या पर प्रकट हुई थीं, अमावस्या लक्ष्मी के प्रकट होने की तिथि है, इस कारण हर मास में अमावस्या पर देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा करनी चाहिए। देवी लक्ष्मी की पूजा विष्णु जी के साथ करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

चंद्रिका धाम से जुड़ी है अनोखी मान्यता
प्रतापगढ़ के सिद्धपीठ में पूरी होती है मनोकामना

मां दुर्गा के पूजन-अर्चन से हर ओर आस्था का माहौल है। प्रसिद्ध मंदिरों में भक्त मत्था टेकने पहुंच रहे हैं। यहां आपको ले चलते हैं प्रतापगढ़ जिले में स्थित मां चंद्रिका धाम। यहां से प्राचीन मान्यता जुड़ी है। मंदिर का इतिहास भी अनूठा है। कोई नया कार्य शुरू करने से पूर्व लोग मां चंडिका देवी की आराधना व पूजन के बाद ही कार्य का शुभारंभ करते हैं।

कहां है सिद्धपीठ : संड़वा चंद्रिका विकास खंड का नाम चंडिका देवी मंदिर के नाम पर रखा गया है। अगर आज प्रदेश में संड़वा चंद्रिका विकास खंड की पहचान है, तो उसके लिए यहां मां चंडिका देवी का सिद्धपीठ है। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में सई नदी के उत्तर स्थित मां चंडिका देवी का धाम जिले के साथ आसपास के जिले के लोगों का आस्था का केंद्र है। मां चंडिका देवी सभी की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। मंगलकामनाओं के साथ श्रद्धालु मां के धाम में आकर मत्था टेकते हैं।

सिद्धपीठ से जुड़ी मान्यता : मान्यता है कि जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार बढ़ा था, तब राक्षसों का नरसंहार करते मां चंडिका देवी चंद्रिकन में आ गईं थीं। 52 बीघे के घने जंगल में वह रहती थीं। एक दिन उन्होंने ने एक गरीब ब्राह्मण को स्वप्न में आकर अपनी लीला बताई। उनसे स्वप्न में क्षेत्र के कल्याण के लिए मंदिर बनवाने को कहा। सुबह हुई तो वह ब्राह्मण अपने स्वप्न के बारे में और लोगों से बताया। तब सभी लोग जंगल में मां को ढूंढने निकले थे, लेकिन उनका दर्शन नहीं हुआ। दूसरे दिन जंगल में उनकी मूर्ति मिली, जहां उनको स्थापित करके उनकी पूजा अर्चना शुरु कर दी। अब वहां भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है।

अनाज खलिहान से घर लाने के बाद मां को अर्पित करते हैं लोग : सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन मंदिर में पूजा करने आते हैं। प्रत्येक मंगलवार को विशाल मेला लगता है। लोगों की मनोकामना पूरी होने पर देवी जी को रोट चढाते हैं। बच्चों का मुंडन संस्कार मंदिर में कराया जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत मां के पूजन से ही शुरू होती है। यहां तक की जब खेती में तैयार होने वाली फसल खलिहान से घर आती है। तब पहले उस फसल को मां के धाम में अंजुरी के रूप में चढ़ाया जाता है। तब उस फसल का उपयोग घर में खाने के लिए किया जाता है।

कैसे पहुंचें चंद्रिका देवी धाम : प्रतापगढ जिला मुख्यालय से बस व रेल मार्ग से धाम तक पहुंचा जा सकता है। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन से लखनऊ की ओर जाने वाली गाड़ी से बैठकर अंतू स्टेशन पर उतरना है। यहां से टेंपो व ई रिक्शा से धाम तक पहुंच सकते हैं। वहीं चौक के आगे प्राइवेट बस अड्डे के साथ रोडवेज बस अड्डे से चंद्रिकन को बस मिलती है। निजी साधन से गायघाट रोड से गड़वारा होकर चंद्रिकन पहुंचा जा सकता है।

मां के दरबार से खाली हाथ नहीं लौटते भक्त : मां चंद्रिका देवी धाम के पुजारी लल्लू तिवारी कहते हैं कि मां चंद्रिका देवी के दरबार में जो भी भक्त आए हैं। वह कभी खाली हाथ नहीं लौटे हैं। शारदीय व चैत्र नवरात्र में मां के धाम पर हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने आते हैं। मां सभी की मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

चंडिका मेला कमेटी अध्यक्ष ने दी जानकारी : चंडिका मेला कमेटी के अध्यक्ष हरिमंगल सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं को मां के दर्शन- पूजन में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए बिजली, पानी, सफाई के साथ पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। इस बार अष्टमी पर मां चंडिका देवी के धाम में भजन संध्या के साथ नवमी पर कन्या भोज का आयोजन किया गया है।

कर्ण की मृत्यु पर युधिष्ठिर ने महिलाओं को दिया ऐसा श्राप

कलियुग में भी झेल रही हैं उसका दंश!

महाभारत में कौरवों और पांडवों से जुड़ी कई ऐसी घटनाएं हैं, जो आज के समय में भी कही और सुनी जाती हैं। पांडव पांच भाई थे, लेकिन अंगराज कर्ण भी उनके बड़े भाई थे, जो उनकी माता कुंती के विवाह से पूर्व सूर्य देव के मंत्र आह्वान के कारण हुए थे। दरअसल दुर्वासा ऋषि ने कुंति को आशीर्वाद देते हुए एक मंत्र दिया था, जिसका उच्चारण करके वह किसी भी देवता को बुला सकती थीं। उस मंत्र की शक्ति को परखने के लिए कुंती ने सूर्य देव का आह्वान किया तो वे प्रकट हो गए और उनको एक पुत्र भेंट किया। जो आगे चलकर दानवीर कर्ण के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उसने पांडवों के खिलाफ महाभारत का युद्ध लड़ा। अर्जुन के हाथों कर्ण के मारे जाने पर कुंती ने ऐसा राज खोला, जिसकी वजह से युधिष्ठिर ने क्रोधित होकर सभी स्त्रियों को श्राप दे डाला। आइए जानते हैं इस प्रसंग के बारे में।

कुंती ने खोला कर्ण का राज

महाभारत के शांति पर्व में इस प्रसंग का उल्लेख मिलता है। अर्जुन के हाथों कर्ण वीर गति को प्राप्त हुआ था। कर्ण के वीरगति होने की खबर सुनकर कुंती व्याकुल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। युद्ध खत्म होने के बाद जब पांचों पांडव अपनी माता कुंती के पास पहुंचे तो उन्होंने बताया कि कर्ण कोई और नहीं, तुम सभी का बड़ा भाई है। माता कुंती के मुख से यह बात सुनकर सभी भाई आश्चर्यचकित रह गए। उनको जब यह बात पता चली तो वे कर्ण की मृत्यु से काफी दुखी हो गए। उसी दौरान माता कुंती ने कर्ण और बाकी 5 पांडवों के जन्म की घटना बताई।

गुस्साए युधिष्ठिर ने स्त्रियों को दिया श्राप

पांडवों ने कर्ण का विधिपूर्वक अंतिम संस्कार किया। माता से कर्ण के भाई होने के रहस्य को जानने के बाद युधिष्ठिर अपनी माता कुंती पर काफी क्रोधित हो गए। तभी उन्होंने सभी स्त्रियों को श्राप दिया कि वे आज से कभी भी कोई बात छिपाकर नहीं रख सकेंगी। लोक मान्यता है कि इस श्राप के कारण ही महिलाएं कोई बात छिपा नहीं पाती है। यदि उनसे कोई बात कही जाए तो वे दूसरे से कहे बिना नहीं रह पाती हैं।

इस कलियुग में भी लोग महिलाओं को लेकर कह देते हैं कि इनके पेट में कोई बात पचती नहीं है। यह एक प्रकार से किसी के व्यक्तिव की खामी भी मानी जाती है। लोक मान्यता है कि युधिष्ठिर के उस श्राप का दंश आज भी महिलाएं झेल रही हैं। हालांकि किसी बात को गुप्त न रख पाने में महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी असफल होते हैं।

पांच पांडव किस देवता के पुत्र थे

कुंती का विवाह राजा पांडु से हुआ था। उनकी दूसरी पत्नी का नाम माद्री था। विवाह के बाद कुंती ने दुर्वासा ऋषि के दिए मंत्र से अपने लिए 3 पुत्र युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन, माद्री के लिए नकुल और सहदेव को प्राप्त किया था। कुंती ने बारी बारी से 5 देवों धर्म के देवता, पवन देवता, देवराज इंद्र, 2 अश्विनी कुमारों नासत्य और दस्त्र का आह्वान किया था।

कुंती को धर्म के देवता से युधिष्ठिर, पवन देव से भीम, देवराज इंद्र से अर्जुन, नासत्य और दस्त्र से नकुल और सहदेव को पुत्र के रूप में प्राप्त हुए थे।

सुख-शांति के लिए अपनाएं ये वास्तु नियम

वास्तु में दिशाओं का विशेष महत्व होता है। घर में रसोई के लिए दक्षिण पूर्व, मास्टर बैडरुम के लिए दक्षिण-पश्चिम, बच्चों के कमरे के लिए उत्तर-पश्चिम और टॉयलेट के लिए दक्षिण दिशा शुभ मानी जाती है।

घल से पानी बाहर जाने के लिए रास्ता उत्तर दिशा में होना चाहिए। वहीं घर के उत्तर पूर्व का स्थान खुला होना चाहिए। दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी सामान नहीं रखना चाहिए।

खिड़की दरवाजे घर में सम संख्या में होने चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखें कि यह पूर्व या उत्तर दिशा में हो।

वास्तु के अनुसार घर का मेन गेट सभी दरवाजों से बड़ा होना चाहिए। मुख्य द्वार सभी गेट से भारी होना चाहिए।

घर के दरवाजे कभी भी खोलते और बंद करते समय आवाज न करते हो। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि तीन दरवाजे एक सीध में न हो।

पूजा स्थल ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। आप भगवान का मुख ईशान दिशा में रखकर भी पूजा स्थल बना सकते हैं।

पूर्वजों को फोटो हमेशा घर की दक्षिण दीवार पर लगाने चाहिए। कई लोग घर के मंदिर में पूर्वजों के फोटो रख देते हैं लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर में उत्तर पूर्व दिशा में तुलसी का पौधा लगाना चाहिए। इस दिशा में तुलसी लगाना शुभ होता है।

आपको पूजा कक्ष के पास जूते नहीं रखने चाहिए। पूजा के समय अपने इष्टदेव को जरूर याद करना चाहिए।

खुद बनाना पड़ता है 'अपना रास्ता': तापसी पन्नू

आपका सीजन रहेगा कुछ समय, लेकिन उस सीजन के खत्म होते ही कोई दूसरा होगा जो रैडी रहेगा आपकी जगह लेने के लिए। तापसी पन्नू ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान 'नए दौर की नायिका और फीमेल फ्रैंचाइज की नई परिभाषा' विषय पर चर्चा के दौरान फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्ट्रैस काम करने पर बात की। तापसी से पूछा गया कि अपनी इंडस्ट्री में 'इंकार' करने का सबसे बड़ा नुकसान आपको क्या उठाना पड़ा है, तो उसने कहा, ₹अगर आपकी इतनी स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटी होती है तो अक्सर वे आपको ज्यादातर उस तरह की पिक्नरों में कास्ट नहीं करते, जहां पर हीरोइन के लिए कुछ ज्यादा करने को नहीं होता। उन्हें लगता है कि नहीं यार, इसको नहीं रखते क्योंकि शायद हमारे पर उल्टा असर पड़ेगा, इसको इस फिल्म में रखने से।

उसने आगे बताया, ₹एक और नई चीज है, जिसकी आजकल इंडस्ट्री में चर्चा है। एक होता है 'एजिज्म'। जब आप युवा होते हैं तो उस समय आप कोशिश कर रहे होते हैं कि आप बड़ी पिक्चरों का हिस्सा बनें। जब मैं 20-30 की उम्र के बीच में थी, मैं बहुत कोशिश करती थी मैं बड़ी पिक्चरों का हिस्सा बनूं, बड़े हीरोज के साथ काम करूं। बड़े हीरो जाहिर तौर पर मुझसे उम्र में भी काफी बड़े थे। कुछ ज्यादा ही बड़े थे तो मैंने जब उनके साथ काम किया, कुछ बड़ी पिक्करें करी, कुछ कुछ चलीं, चली, कुछ नहीं चलीं। कुछ समय बाद जो युवा। बिग हीरो थे, बोला, नहीं हमें इसके साथ काम नहीं करना क्योंकि यह हमारे से बड़े हीरो के साथ काम कर चुकी है। तो जो' एजिज्म' का मुद्दा है, वह भी काफी हीरोइनों को सहना पड़ता है। पहले मुझे बताया गया कि बड़े हीरोज के साथ काम करना है, फिर बोला गया कि आपने बड़े हीरोज मतलब ज्यादा ही बड़ी उम्र वालों के साथ काम कर लिया है तो अब आपको यंग हीरो के साथ काम नहीं मिलेगा। हालांकि, वे उम्र में मुझसे बड़े हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि मैं उनके लिए उम्र में बहुत बड़ी हो चुकी हूं।

हीरोइनों के होते हैं सीजन

इंडस्ट्री में हीरोइनों के सीजन होने के बारे में तापसी ने बताया, अगर आप अपने आप को सुरक्षित किरदारों में बार- बार डाल रहे हैं, जहां आपको पता है कि हीरो या डायरैक्टर के ऊपर ही सारी जिम्मेदारी है और अगर पिक्चर फ्लॉप भी हो गई तो आपका नाम ज्यादा प्रभावित नहीं होगा, तो आप फिल्में करेंगे और आपका सीजन रहेगा कुछ समय, लेकिन उस सीजन के खत्म होते ही कोई दूसरा होगा, जो रैडी रहेगा आपकी जगह लेने के लिए। वे भी वही सब करेंगे। मैंने पिछले 13-14 सालों से ये सीजन देखें हैं। शुरूआत में मुझे भी बोला गया था कि हर हीरोइन का सीजन होता है 3-4 साल और उसके बाद नई हीरोइन आती है 3-4 साल के लिए।

उसने आगे कहा, ₹फिर मैंने सोचा कि मैं अपनी जगह किस तरह से बनाऊं कि मुझे आसानी से रिप्लेस न किया जा सके। इसके लिए मुझे वे किरदार चुनने थे जो मेरे हिसाब से मुझसे बेहतर शायद अन्य लड़कियां न कर पाएं, ताकि अगर कोई ऐसा किरदार लिख रहा है तो उनके दिमाग में मेरा नाम ही सबसे पहले आए। यही मैं शायद कर सकती हूं। मेरे हिसाब से जो एक्ट्रैसेज इंडस्ट्री में अपनी 'एक्सपाइरी डेट' नहीं देखतीं, उन्हें इस तरह कुछ अलग करने की कोशिश करनी चाहिए।

जिम्मेदारी लेने में घबराती हैं एक्ट्रेसेज

तापसी ने साऊथ से अपना करियर शुरू किया, फिर हिन्दी फिल्मों में आई। आम फिल्मों की कहानी हीरो के इर्द-गिर्द होती है, जबकि 'न्यू एज हीरोइन' के रूप में क्या तापसी फिल्म इंडस्ट्री में हीरोइन के कैरेक्टर को बदलने की कोशिश कर रही है, पर उसने कहा, ₹इतनी बड़ी जिम्मेदारी तो नहीं ली थी। कहते हैं न कि जब आपके पास कोई रास्ता नहीं होता, तो आप खुद उसे अपने लिए बना लेते हैं। तो मेरे साथ भी वही हुआ था। मुझे उस तरह की पिक्चरें नहीं मिली थीं, जहां पर मुझे बड़े-बड़े हीरोज के अपोजिट एक्टिंग करने को मिले। तो मैंने सोचा अच्छा यह एक परफॉरमैंस वाला या वह वाला रास्ता है, जहां पर लड़कियां थोड़ी-सी कतराती हैं और मैंने उन रोल्स को चुना।

नहीं छुपाया रिश्ता

तापसी ने अपनी शादी को लेकर भी एक बड़ा खुलासा किया है। तापसी की शादी की खबरें इस साल मार्च में खूब छाई रहीं, मगर तापसी ने बताया कि उसकी शादी इस साल मार्च में नहीं, बल्कि बीते साल यानी 2023 में दिसम्बर में ही हो गई थी। तापसी का कहना है कि वे दोनों जल्द ही शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं।

परिणीति को याद आई 'पहली मुलाकात'

सितम्बर 2023 में परिणीति चोपड़ा और राजनेता राघव चड्ढा ने शादी की थी। यह जोड़ी अपने सिम्पल लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि परिणीति ने शादी करने का फैसला करने से पहले अपने पति राघव को 'गूगल' किया था ?

परिणीति ने एक टी.वी. शो में बताया कि उसने गूगल पर एक बार राघव का नाम सर्च किया था क्योंकि उसे उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। राघव से मिलने के बाद वह अपने कमरे में वापस गई और उसकी उम्र, करियर और उसके सिंगल होने के बारे में गूगल किया। उसने देखा कि सब कुछ उसके हिसाब से था और उसने फैसला लिया कि अब 'व्याह तां मैं एदे नाल ही करांगी।'

परिणीति ने राघव के साथ पहली मुलाकात को याद किया, जब वह एक अवॉर्ड लेने लंदन गई और राघव भी वहां मौजूद था। परिणीति ने खुलासा किया कि वह उस समय राघव को नहीं जानती थी। हालांकि, उसका भाई राघव का बहुत बड़ा फैन था। परिणीति के भाई शिवांग ने उसे राघव से मिलने के लिए कहा था और फिर उसने आयोजकों से कहा कि वह उससे मिलना चाहती है और तब उनकी पहली मुलाकात हुई।

परिणीति ने बताया कि राघव को इतनी भूख लगी थी कि 10-12 लोगों के बीच में उसने खाने से भरी प्लेट पकड़ ली थी। परिणीति ने उसके इस बेबाक अंदाज को देखकर सोचा, यह तो सही बंदा है। मैं इस आदमी से शादी करने जा रही हूं।

घर में 'कितने कमरे' नहीं जानती शालिनी पासी

शालिनी पासी गत दिनों वैब शो 'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' में नजर आने के बाद से ही सुर्खियां बटोर रही है। उसने अपने घर को लेकर बात की और बताया कि इसे बनाने में लम्बा समय लगा था। घर, जिसमें वह अपने पति बिजनैसमैन संजय पासी और बेटे रॉबिन के साथ रहती है, के बारे में शालिनी ने बताया कि यह बहुत प्यार और मेहनत से बनाया गया है। शालिनी के कला के प्रति प्रेम के कारण यह एक संग्रहालय के रूप में भी काम आता है।

शालिनी ने कहा, हम 2010 में यहां आए थे, हमें इस जगह को बनाने में पांच साल लगे। पूछे जाने पर कि इस बड़े घर में कितने लोग रहते हैं, शालिनी ने जवाब दिया, बहुतसारे लोग, वे मेरे परिवार की तरह हैं। हालांकि, शालिनी को ठीक से नहीं पता है कि उसके घर में कितने कमरे हैं। उसने कहा, मैंने कभी गिनती नहीं की। कपड़ों में बदलाव पसंद करती है अपने अतरंगी फैशन को लेकर भी चर्चा में रहने वाली शालिनी ने कहा कि वह बहुत कम ही अपने कपड़ों को दोबारा पहनती है। वह उन्हें दोहराने की बजाय उनसे ही कुछ नया बनाने की कोशिश करती है। उसने कहा, मैं कुछ नया बनाती हूं,

जैसे कि मैं सफेद कपड़ों को कलर करवा देती हूं और उन्हें बदल लेती हूं। हमारे घर पर एक मास्टर जी हैं, वे इसमें मेरी मदद करते हैं। वह और उसका पति कहीं घूमने जाते हैं तो सब्जियां साथ में ले जाते हैं और वहां खुद खाना बनाकर खाना पसंद करते हैं।

जब अल्लू अर्जुन ने हिंदी सिनेमा को लेकर दिया था बड़ा बयान

कहा था- बॉलीवुड में अब हीरो नहीं हैं

इस वक्त साउथ स्टार अल्लू अर्जुन फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर जितना चर्चा में हैं उतना ही विवादों में भी घिरे हैं। हैदराबाद में फिल्म की स्क्रीनिंग में हुई महिला की मौत के मामले को लेकर उन्हें कानूनी कार्रवाई से गुजरना पड़ रहा है। पुलिस लगातार उनसे सवाल-जवाब कर रही है। एक्टर के हाव भाव और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके जवाब को लेकर भी कई तरह की बातें बन रही है। उनकी ये फिल्म साल 2021 में आई 'पुष्पा' का ही दूसरा पार्ट है और उस वक्त भी वो काफी सुर्खियों में रहे थे। तब उन्होंने बॉलीवुड को लेकर भी कुछ ऐसा कहा था जिसकी अब तीन साल बाद चर्चा हो रही है।

कोरोना वायरस से फैली महामारी के बाद बॉलीवुड का बुरा समय चल रहा था, जो पिछले लगभग दो साल से ठीक हुआ है। मगर साउथ की फिल्में उस वक्त भी अच्छा कर रही थीं। तब साउथ वर्सेज बॉलीवुड को लेकर खूब बहस हुई थी। बॉलीवुड की 'लाल सिंह चड्ढा', 'पृथ्वीराज' जैसी हाई बजट फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ रही थी, वहीं साउथ की 'आरआरआर' और 'केजीएफ चैप्टर 2' जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया था।

फिर साल 2023 में शाहरुख खान की 'जवान', सनी देओल की 'गदर' और रणबीर कपूर की 'एनिमल' रिलीज हुईं और बॉलीवुड के हालात सुधरते चले गए। इसके बाद साल 2024 में फिर तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाया। इसे लेकर फिल्म डायरेक्टर, प्रोड्यूसर निखिल आडवाणी ने बताया कि उस वक्त इन सब पर अल्लू अर्जुन की क्या राय थी।

क्या बोले थे अल्लू अर्जुन?

जिस वक्त निखिल, अल्लू अर्जुन से मिले थे तब 'पुष्पा' एक सफल पैन इंडिया फिल्म बन चुकी थी। निखिल ने बताया कि अल्लू ने उनसे बॉलीवुड की फिल्में क्यों नहीं चल रहीं, इसके पीछे के कारण को लेकर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा, "मैं अल्लू अर्जुन से मिला और हम एक फिल्म के बारे में बात कर रहे थे और उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'आपको पता है कि बॉलीवुड में क्या दिक्कत है?' आप लोग भूल चुके हैं कि हीरो कैसे बनाने हैं।" फिल्ममेकर ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों को लेकर ढेर सारी बातें शेयर की। उन्होंने कहा, "हर कोई सोचता है कि साउथ सिनेमा पौराणिक कहानियों और ये ही सब है, लेकिन वे इमोशन पर काम करते हैं।

इसके अलावा अल्लू अर्जुन ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि कैसे अलग-अलग इंडस्ट्री के एक्टर्स भाई की तरह हैं। उन्होंने कहा था, "सिर्फ इसलिए कि उनका एक छोटा सा बुरा दौर था, बॉलीवुड को खराब लाइट में रखना हमारे लिए बहुत गलत है। उन्होंने 6-7 दशकों तक बेहतरीन सिनेमा दिया है। साउथ सिनेमा पर बॉलीवुड का काफी प्रभाव है और बॉलीवुड पर भी साउथ सिनेमा का काफी प्रभाव है। दिन के अंत में, हम सभी भाइयों की तरह हैं, जो अलग-अलग देशों से एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान रखते हैं।" बता दें कि पुष्पा 2 को लेकर चल रहे विवाद पर अब सीएम रेवंत रेड्डी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने बोला है कि- 'कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं'।

करियर में सिर्फ 1 हिट देने वाला फ्लॉप बॉलीवुड एक्टर

अल्लू-प्रभास से भी ज्यादा है अमीर!

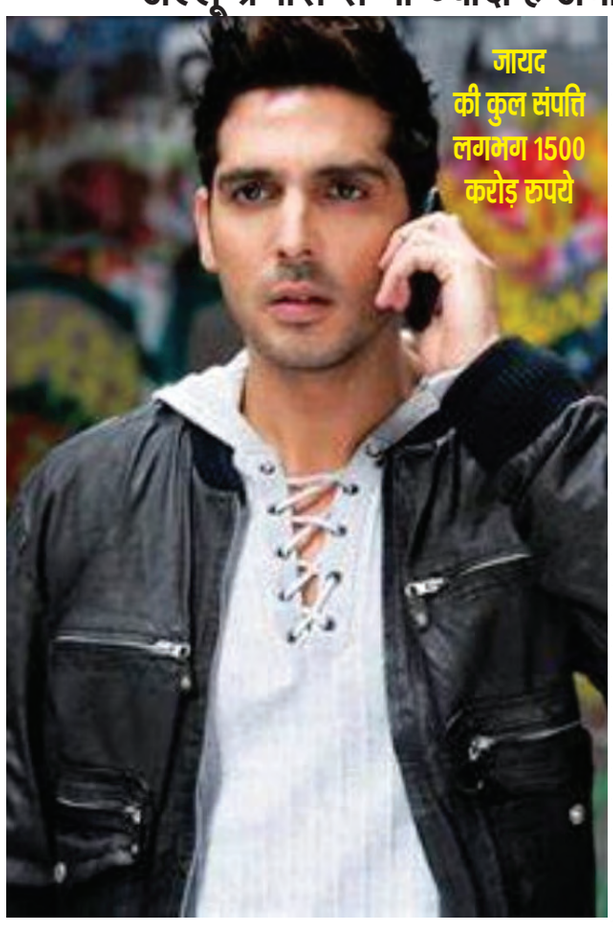

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय खान के बेटे जायद खान का फिल्मी करियर कभी सफल नहीं हो पाया. 12 साल के करियर में उनके हाथ सिर्फ 1 हिट लगी और उसमें भी वह सपोर्टिंग रोल में थे, जिसका नाम था 'मैं हूं न'. आज हम आपको जायद से जुड़ी कुछ ऐसी बात बताने जा रहे हैं, जिन्हें जान पर चौंक जाएंगे. जायद खान ने साल 2003 में फिल्म 'चुरा लिया है तुमने' से बॉलीवुड में कदम रखा था. उनकी डेब्यू फिल्म ही डिजास्टर साबित हुई थी. इसके बाद साल 2004 में शाहरुख खान की फिल्म 'मैं हूं न' में उनकी एंट्री हुई थी, जिसमें वह सपोर्टिंग रोल में थे और यही जायद की करियर की इकलौती हिट फिल्म है.

इसके बाद, जायद ने लगभग 17-18 फिल्मों में काम किया, जो लाइन से फ्लॉप और डिजास्टर होती चली गईं. करियर को लगातर फ्लॉप होता देख फिर जायद ने साल 2015 में एक बड़ा कदम उठाया. 2015 में जैसे ही उनकी फिल्म 'शराफत गई तेल लेने' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई तो उन्होंने एक्टिंग से दूरी बना ली.

इसके बाद, ऐसा नहीं था कि वह खाली घर में बैठ गए. उन्होंने बिजनेस में हाथ आजमाया, जहां उन्हें सफलता हाथ लगी. हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित एक खबर के अनुसार, फिल्मों से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपनी बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री का अच्छा इस्तेमाल किया और पिछले कुछ सालों में कई स्टार्टअप और व्यवसायों में निवेश किया.

2024 में ही बताया था कि जायद की कुल संपत्ति लगभग 1500 करोड़ रुपये थी. बाद में दिए गए एक इंटरव्यू में जायद ने न तो इस आंकड़े की पुष्टि की और न ही खंडन किया, बल्कि केवल इस पर हंसे.

अगर यह आंकड़े सही हैं तो यह जायद को रणबीर कपूर (नेटवर्थ- 550 करोड़), प्रभास (नेटवर्थ- 400 करोड़), अल्लू अर्जुन (नेटवर्थ- 350 करोड़) और राम चरण (नेटवर्थ- 1300 करोड़) जैसे कई मशहूर सितारों से भी ज्यादा अमीर बनाता है.

बता दें, मोंटगोमरी कॉलेज में बिजनेस मैनेजमेंट और लंदन फिल्म अकादमी में फिल्म मेकिंग में ग्रेजुएशन करने के बाद ही उन्होंने फिल्मों में कदम रखा था. इसलिए जब फिल्मों में वह सफल न हो पाए तो उन्होंने वापस से अपनी डिग्री का सही इस्तेमाल किया.

हालांकि अगस्त 2017 में जायद ने 'हासिल' नाम के एक शो में वत्सल शेठ और निकिता दत्ता के साथ रणवीर रायचंद की भूमिका निभाते हुए अपना टेलीविजन डेब्यू किया था, जिसका प्रीमियर अक्टूबर 2017 में हुआ था. यह टीवी शो 2018 तक चला था.

पहले थूकते हैं और फिर चाटते हैं' हनी सिंह ने बादशाह पर कसा तंज बीमारी का मजाक उड़ाने का लगाया आरोप

हनी सिंह और बादशाह के बीच लड़ाई सालों पुरानी है. पिछले कुछ समय से बादशाह लगातार हनी सिंह को लेकर कुछ न कुछ बयान देते रहे हैं. इस बीच हनी सिंह ने बादशाह के साथ अपने झगड़े को लेकर चुप्पी तोड़ी है और उन पर कई आरोप लगाए हैं. हनी सिंह का कहना है कि बादशाह ने बार-बार अपने अपने गानों के जरिए उन्हें निशाना बनाया. इसके साथ ही उनकी बीमारी का भी मजाक उड़ाया है.

इंटरव्यू में हनी सिंह ने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे बादशाह के साथ मेरी कॉन्ट्रोवर्सी के बारे में पूछते हैं. झगड़ा तब होता है, जब उसमें दोनों लोग शामिल हों, लेकिन 10 सालों तक एक आदमी मुझे गालियां देता रहा, मेरे बारे में गाने बनाता रहा, मेरी बीमारी का मजाक उड़ाता रहा लेकिन मैंने कभी जवाब नहीं दिया.'

थूककर चाटले वाले लोग

हनी सिंह ने कहा, 'इसी साल मैंने बोलना शुरू किया और वो भी अपने फैंस की वजह से. मेरे फैंस ने मुझे डीएम भेजकर कहा कि प्लीज कुछ बोलिए, अब ये हमारी इज्जत का सवाल है. एक आदमी (बादशाह) लगातार आपके बारे में बुरा बोल रहा है. इसके बाद उसने माफी मांगी और अपनी गलती मानी. लेकिन वो उन लोगों में से है जो पहले थूकते हैं और फिर चाटते हैं. देखना वो फिर पलट जाएगा. मैं ऐसे लोगों को कुछ नहीं समझता हूं.'

बादशाह पर कसा था तंज

इससे पहले भी हनी सिंह ने बादशाह पर खुल्लेआम तंज कसा था. उन्होंने 'इंडियाज बेस्ट डांसर vs सुपर डांसरः चैंपियंस का टशन' के एक एपिसोड में शिरकत की और बादशाह का नाम लिए बिना अपने हेटर्स पर निशाना साधा था.

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मैं रैप सीन में भी नहीं हूं. मैं थोड़ा लिखता हूं और थोड़ा गाता हूं. जो मैं करता हूं, उसे मुझसे बेहतर करने वाले कम हैं

और मुझसे बेकार करने वाले बहुत सारे. मुझ जैसा करने वाला कोई नहीं है तो मेरा कोई मुकाबला नहीं है. उनमें से आधे मेरे ही वंशज हैं. देखो, मेरे हेटर्स से नफरत मत करो, वो मेरी ही औलादें हैं, वो मेरी ही नस्ल हैं, कभी करते थे जज हसल.'

विवाद के बाद से बंद है बातचीत

हनी सिंह और बादशाह ने अपने करियर की शुरुआत एक साथ रैप ग्रुप माफिया मुंडीर के मेंबर के रूप में की थी. हालांकि, एक विवाद के बाद दोनों अलग हो गए. तब से लेकर आज तक दोनों के बीच बातचीत बंद है.

मुकेश अंबानी से कम आलीशान नहीं है अनिल अंबानी का घर

लग्जरी लाइफ में बड़े भाई को देते हैं टक्कर

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी को लग्जरी लाइफ जीने के लिए जाना जाता है। कहा जाता है कि अपनी इस लग्जरी लाइफ के कारण ही वह बर्बाद हुए थे। लेकिन अब समय बदल गया है। अनिल अंबानी की कई कंपनियां कर्ज से मुक्त हो गई हैं। कई नए प्रोजेक्ट मिल रहे हैं। ऐसे में उनकी गाड़ी फिर से पटरी पर लौटती दिखाई दे रही है। वहीं लग्जरी लाइफ के मामले में बड़े भाई मुकेश अंबानी भी कम नहीं हैं। मुकेश अंबानी के पास महंगे घर से लेकर प्राइवेट जेट तक है, लेकिन इस मामले में छोटे अंबानी भी पीछे नहीं हैं।

किसका घर है कितना महंगा ?

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और देश व एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी के घर का नाम एंटीलिया है। मुंबई में बने इस 27 मंजिला घर की कीमत करीब 15 हजार करोड़ रुपये है। यह दुनिया के सबसे महंगे निजी आवासों में एक है। यह आधुनिक विलासिता और वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। एंटीलिया 37,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। इसमें रहने के लिए हर तरह की सुविधा मौजूद है। इसमें तीन हेलीपैड हैं। यहां कई मंजिलों तक गाड़ियां खड़ी करने की जगह है। वहीं अनिल अंबानी का घर भी विलासिता में एंटीलिया से कम नहीं है। अनिल अंबानी के घर का नाम एबोड है। यह मुंबई के सबसे आलीशान इलाकों में से एक पाली हिल में बना है। 17 मंजिला यह घर 16,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है। ऐसे में यह मुकेश अंबानी के घर से काफी छोटा है। इसकी कीमत करीब 5 हजार करोड़ रुपये है। लेकिन इसमें भी काफी आलीशान सुविधाएं मौजूद हैं। अनिल अंबानी के घर में एक हेलीपैड है जिस पर कई हेलीकॉप्टर खड़े हो सकते हैं। इसके अलावा इसमें एक ओपन स्विमिंग पूल, कई जिम और गैरेज हैं। अनिल अंबानी के हर बच्चे के लिए एक अलग फ्लोर है।

निजी जेट और महंगी कारों का बेड़ा

प्राइवेट जेट और लग्जरी कारों के मामले में भी दोनों भाइयों में टक्कर है। मुकेश अंबानी के पास जहां करीब 1000 करोड़ रुपये का अल्ट्रा लग्जरी विमान बोइंग 737 एमएएक्स 9 है तो वहीं अनिल अंबानी के पास भी 300 करोड़ की कीमत से ज्यादा का बॉम्बार्डियर ग्लोबल एक्सप्रेस एक्सआरएस लग्जरी प्राइवेट जेट है। इस जेट में तीन केबिन जोन हैं, जो काफी आरामदायक हैं। इसके अलावा मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी, दोनों के पास लग्जरी कारों का भी काफिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास रॉल्स रॉयस कलिनन, रॉल्स रॉयस फैंटम, मर्सिडीज मायबैक बेंज, बीएमडब्ल्यू 760 एलआई सिक्योरिटी (आर्मर्ड) आदि हैं। वहीं महंगी कारों के कलेक्शन में अनिल अंबानी भी पीछे नहीं हैं। अनिल अंबानी के कार कलेक्शन में रोल्स रॉयस फैंटम, लेक्सस एक्सयूवी, ऑडी क्यू 7, मर्सिडीज जीएलके 350 आदि शामिल हैं।

कितनी है नेटवर्थ ?

कुल नेटवर्थ के मामले में दोनों भाइयों के बीच में जमीन-आसमान का अंतर है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 91.3 बिलियन डॉलर (करीब 7.80 लाख करोड़ रुपये) है। इतनी संपत्ति के साथ वह दुनिया के 17वें सबसे अमीर शख्स हैं। वहीं कुल नेटवर्थ में अनिल अंबानी अभी अपने बड़े भाई से काफी पीछे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनिल अंबानी और उनकी पत्नी टीना अंबानी की संयुक्त नेटवर्थ 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। हालांकि साल 2008 में अनिल अंबानी की नेटवर्थ 42 बिलियन डॉलर से ज्यादा थी और वह दुनिया के टॉप अमीरों में शुमार थे।

सेबी की गाइडलाइन, माता-पिता, भाई-बहन और पत्नी या संतान को शेयर ट्रांसफर करना नहीं माना जाएगा ओनरशिप चेंज

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक गाइडलाइन जारी कर लिस्टेड कंपनियों के ऑनरशिप चेंज के स्वरूप को स्पष्ट कर दिया है। इसके तहत नजदीकी रिश्तेदारों में शेयर ट्रांसफर को ऑनरशिप चेंज या मैनेजमेंट कंट्रोलिंग अथॉरिटी में चेंज नहीं माना जाएगा। सेबी ने नजदीकी रिश्तेदार की परिभाषा भी स्पष्ट कर दी है। इसके तहत केवल पत्नी, माता-पिता, भाई-बहन और संतान ही नजदीकी रिश्तेदार माने जाएंगे। इनको अपनी विरासत या शेयर ट्रांसफर करना मैनेजमेंट चेंज या ऑनरशिप ट्रांसफर नहीं होने के कारण सेबी को अलग से सूचना देने की कोई जरूरत नहीं है।

सेबी को स्पष्टीकरण के लिए अलग गाइडलाइन की क्यों पड़ी जरूरत

सेबी की ओर से मध्यस्थता या बिचौलिया फर्मों को शेयर ट्रासंफर करने से संबंधित एक गाइडलाइन जारी किया गया था। इसे लेकर असमंजस की स्थिति थी। माना जा रहा था कि क्या रिश्तेदारों को भी शेयर ट्रांसफर करने को मैनेजमेंट कंट्रोल के स्वरूप में चेंज माना जाएगा। सेबी ने स्पष्ट कर दिया है कि पत्नी, माता-पिता, भाई-बहन और संतान के अलावा कोई भी नजदीकी रिश्तेदार नहीं माने जाएंगे। वहीं इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, रिसर्च एनालिस्ट या इनसे जुड़ी सेवा देने वाली कंपनियों को शेयर ट्रांसफर करने की सूचना भी सेबी को देना अनिवार्य होगा। इन्हें मध्यस्थता या बिचौलिया फर्म की श्रेणी में माना जाएगा। सेबी ने निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए सारे मामले को गाइडलाइन जारी कर स्पष्ट करने की जरूरत महसूस की है।

पिता के निधन पर पुत्र का मैनेजमेंट संभालना मैनेजमेंट चेंज नहीं होगा

सेबी की नई गाइडलाइन के आधार पर जानकारों का मानना है कि इस तरह इन्वेस्टमेंट एडवाइजर और रिसर्च एनालिस्ट फर्म का कंपनी के साथ संबंधों का कानूनी स्वरूप तय हो गया है। इससे यह भी स्पष्ट है कि पिता की मौत के बाद पुत्र के मैनेजमेंट संभालने या किसी नजदीकी रिश्तेदार के संभालने को ऑनरशिप चेंज नहीं माना जाएगा।

2029 तक डाक विभाग को मुनाफे में लाने का प्लान

वित्त मंत्री से मिल सिंधिया ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसर, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। बैठक में मंत्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट के लिए एक नई विकास योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग लागतों को युक्तिसंगत बनाने और अधिकतम प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। सिंधिया ने दोहराया कि उनका उद्देश्य विभाग को ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान देने के साथ लाभ कमाने वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी बनाना है। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे चल रही बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बीपीआर) कवायद को वित्त मंत्रालय के निवेश से बहुत फायदा होगा। बैठक में, सिंधिया ने बताया कि हमारे पूंजीगत व्यय के लिए वित्त मंत्रालय से निवेश के साथ, हम देश भर में डाकघरों के बुनियादी ढांचे के विकास और नवीनीकरण के साथ-साथ कर्मचारियों के आवास क्वार्टरों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग प्रक्रियाओं को कुशल और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्वचालन की दिशा में काम किया जाएगा। मंत्री सिंधिया ने 2007 में डाकघरों के स्वरूप और अनुभव को मानकीकृत किया और डाक सेवकों को कार्यालय उपकरण प्राप्त करने में मदद की थी। 2024 में इस विभाग का कार्यभार संभालने के 6 महीने में, उन्होंने अपनी इंडिया पोस्ट टीम को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराने और विभाग के लिए नवीन रणनीतियों के साथ आने के लिए कहा था। सिंधिया ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि इंडिया पोस्ट अगले 5-7 वर्षों में अपने अधिकांश उत्पादों के लिए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने, राजस्व बढ़ाने और उद्योग में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखता है। उन्होंने बताया कि मेल और पार्सल वर्टिकल में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इंडिया पोस्ट भारत में डाक विभाग का डाक नेटवर्क है, जो देश के संचार और सामाजिक आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस वर्ष की महत्वपूर्ण पहलों में, विभाग ने पीएमए (पार्सल मॉनिटरिंग एप्लीकेशन) शुरू किया है, जो वास्तविक समय पर डिलीवरी की जानकारी साझा करता है।

क्रिसमस के बाद एलन मस्क ने बनाया नुकसान का रिकॉर्ड

दो दिन में गंवाए 1.88 लाख करोड़

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। किसमस के बाद और न्यू ईयर पहले दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने नुकसान का बड़ा रिकॉर्ड कायम कर लिया है। दो दिनों में एलन मस्क ने अपनी दौलत में 22 बिलियन डॉलर यानी 1.88 लाख करोड़ रुपए दौलत गंवाई है। इसका मतलब है कि इन दो दिनों में एलन मस्क की नेटवर्थ से हर सेकंड में 10.87 करोड़ रुपए गंवाए हैं। वैसे मौजूदा साल एलन मस्क का काफी अच्छा रहा है। इस साल उनकी दौलत में 223 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में एलन मस्क की वेल्थ को लेकर किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं।

दो दिनों में बड़ी गिरावट

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क दौलत में क्रिसमस के बाद बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 26 और 27 दिसंबर को एलन मस्क की नेटवर्थ में कुल 22 अरब डॉलर यानी 1.88 लाख करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि दो दिनों में एलन मस्क को हर सेकंड में 10.87 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। क्रिसमस के बाद एलन मस्क की नेटवर्थ में बड़ी गिरावट मानी जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या न्यू ईयर से पहले एलन मस्क इस नुकसान को रिकवर कर पाएंगे? देखने वाली बात होगी।

शुक्रवार को कितनी गिरावट

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार शुक्रवार को एलन मस्क की दौलत में 16.1 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। जबकि गुरुवार को एलन मस्क की नेटवर्थ से करीब 6 अरब डॉलर कम हुए थे। इस गिरावट के बाद एलन मस्क की कुल दौलत 474 अरब डॉलर से गिरकर 452 अरब डॉलर पर आ गई है। वैसे मौजूदा साल में एलन मस्की दौलत में 97.3 फीसदी यानी 223 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वैसे इससे पहले सभी इसी बात की कयास लगा रहे थे कि साल खत्म होने तक एलन मस्क 500 अरब डॉलर के आंकड़े को छू पाएंगे? मौजूदा समय में ये सवाल काफी बड़ा हो गया है।

50 दिन में 188 अरब डॉलर का इजाफा

वैसे 5 दिसंबर के बाद से करीब 50 दिनों में एलन मस्क की नेटवर्थ में 188 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिल चुका है। जानकारों की मानें तो एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप को खुला समर्थन किया था। साथ ही उनके लिए काफी पॉलिटिकल फंडिंग भी की थी। ट्रंप की जीत के बाद ये था कि टेस्ला के शेयरों में तेजी देखने को मिलेगी। साथ ही उम्मीद लगाई जा रही थी कि ट्रंप की जीतने के साथ सरकार टेस्ला और एलन मस्क को फायदे वाली पॉलिसी बनाई जाएंगी। जिसकी वजह से टेस्ला के शेयर रॉकेट बने हुए हैं।

इस हफ्ते सोना-चांदी में रही बड़ी बढ़त

सोना 1,059 बढ़कर 76,436 पर पहुंचा, चांदी 2,698 महंगी होकर 87,831 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 20 दिसंबर को सोना 75,377 रुपए पर था, जो अब (28 दिसंबर) को 76,436 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,059 रुपए बढ़ी है। चांदी की कीमत पिछले शनिवार को 85,133 रुपए थी, जो अब 87,831 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 2,698 रुपए बढ़ी है। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,990 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,840 रुपए है।

को ल का ता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,350 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,840 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,840 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,500 रुपये है।

3 करोड़ रेल यात्री ध्यान दें! भारतीय रेलवे 1 जनवरी से लागू करेगा नया टाइम टेबल

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 3 करोड़ से ज्यादा डेली ट्रेन पैसेंजर्स के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय रेलवे 1 जनवरी, 2025 से नया टाइम टेबल जारी करेगा। मौजूदा समय का टाइम टेबल 'ट्रेन एट ए ग्लांस' का 44वां एडिशन, 31 दिसंबर, 2024 तक प्रभावी रहेगा। पिछले साल, भारतीय रेलवे ने अखिल भारतीय रेलवे टाइम टेबल – ट्रेन एट ए ग्लांस जारी किया था, जो 1 अक्टूबर को प्रभावी हुआ। टैग भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

पिछले साल कितनी चलाई ट्रेनें

2025 में, रेल मंत्रालय की योजना सभी 136 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों, 2 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों और नमो भारत रैपिड रेल (वंदे मेट्रो) को लॉन्च करने की है। पिछले साल, नेशनल ट्रांसपोर्टर ने यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए 64 वंदे भारत ट्रेनें और 70 अतिरिक्त सेवाएं शुरू कीं। आमतौर पर, रेल मंत्रालय हर साल 30 जून से पहले 'ट्रेन एट ए ग्लांस' (टीएजी) वर्किंग शेड्यूल्ड जारी करता है। नया टाइम टेबल 1 जुलाई से प्रभावी होता है। हालांकि, इस साल, नॉर्म्स को रिवाइज्ड किया गया था।

रेलवे कर रहा महाकुंभ मेला 2025 की तैयारी

इस बीच, महाकुंभ मेला 2025 की तैयारी में, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) इस आयोजन में शामिल होने वाले लाखों भक्तों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित कर रहा है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 3,000 स्पेशल मेला ट्रेनों के संचालन के साथ-साथ 1 लाख से अधिक यात्रियों के लिए आश्रय प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है।

वित्तीय वर्ष में 997.83 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन (एमटी) का अपना अब तक का सबसे अधिक कोयला उत्पादन हासिल किया, जो 2022-23 में 893.191 एमटी की तुलना में 11.71 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान, कोयला उत्पादन अनंतिम 988.32 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, इसमें सालाना आधार पर 7.66 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। कोयले की आपूर्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, 15 दिसंबर, 2024 तक 963.11 मीट्रिक टन अनंतिम आपूर्ति की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.47 प्रतिशत अधिक है। बिजली क्षेत्र को 792.958 मीट्रिक टन कोयला मिला, जिसमें 5.02 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) में 14.48 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जिसमें 171.236 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई।

खराब सिमुलेटर के जरिए कर्मियों को प्रशिक्षण देकर सुरक्षा से हुआ समझौता

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए शुक्रवार को अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया।नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 27 दिसंबर को जारी अपने दो अलग-अलग आदेशों में कहा कि एयरलाइन जिसमें राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी है के दो वरिष्ठ अधिकारी नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं (सीएआर) का अनुपालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं।आकाश एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को निलंबित करने का निर्णय तब लिया गया जब डीजीसीए ने उन्हें क्रमशः 15 अक्तूबर और 30 अक्तूबर को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब को असंतोषजनक पाया। नागरिक विमानन महानिदेशालय ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी। अकासा एयर ने एक बयान में कहा, अकासा एयर को डीजीसीए से 27 दिसंबर 2024 का आदेश प्राप्त हुआ है। हम डीजीसीए के साथ काम करना जारी रखेंगे और तदनुसार अनुपालन करेंगे। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का निरंतर प्रयास करते हैं।

क्या है 1 लाख की चाय की प्याली का सीक्रेट कहां मिलती है यह गोल्ड कड़क टी?

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। दुबई में भारतीय मूल की सुचेता शर्मा के कैफे ने तेजी से पहचान बनाई है। उनके कैफे में 5000 एईडी यानी लगभग 1.14 लाख रुपये की 'गोल्ड कड़क चाय' मिलती है। यह कैफे डीआईएफसी के अमीरात फाइनेंशियल टावर्स में बोहो नाम से खुला है। इस चाय को 24 कैरेट सोने की पत्ती से सजे चांदी के कप में परोसा जाता है। यह कैफे चाय प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। आमतौर पर एक कप मसाला चाय के लिए 10 से 500 रुपये तक खर्च होता है। लेकिन, दुबई में लोग गोल्ड कड़क चाय के लिए एक लाख रुपये से ज्यादा भी खर्च कर रहे हैं। सुचेता शर्मा दुबई में रहने वाली भारतीय उद्यमी हैं। उन्होंने हाल ही में बोहो नाम का कैफे खोला है। यह कैफे अपने अनोखे और महंगे मेनू के लिए चर्चा में है। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा 'गोल्ड कड़क चाय' की है। इस चाय की कीमत 5000 एईडी है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.14 लाख रुपये बैठती है। चाय को शुद्ध चांदी के कप में परोसा जाता है, जिस पर 24 कैरेट सोने की पत्ती लगी होती है।

घर ले जा सकते हैं कप

बोहो कैफे दो तरह के मेनू पेश करता है। एक आम लोगों के लिए किफायती भारतीय स्ट्रीट फूड और दूसरा अमीर लोगों के लिए लग्जरी आइटम। सुचेता उन लोगों के लिए कुछ खास बनाना चाहती थीं जो लग्ज़री की तलाश में हैं। साथ ही आम लोगों की जरूरतों का भी ध्यान रखना चाहती थीं।

बोहो में सबसे खास है- गोल्ड कड़क चाय। इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये से ज्यादा बैठती है। इसके साथ आपको सोने से सजा क्रॉसेंट और चांदी के बर्तन भी मिलते हैं। इन्हें आप यादगार के तौर पर अपने पास रख सकते हैं। कॉफी पसंद करने वालों के लिए कैफे में गोल्ड कॉफी भी इसी कीमत पर उपलब्ध है।

यह भी है एक विकल्प

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर आप ज्यादा खर्च किए बिना सोने का स्वाद लेना चाहते हैं तो आप बिना चांदी के कप वाली गोल्ड टी 150 एईडी (लगभग 3,500 रुपये) में ले सकते हैं। कैफे के दूसरे लजरी आइटम में सोने वाला पानी, गोल्ड बर्गर (शाकाहारी और चीज विकल्पों के साथ) और गोल्ड आइसक्रीम शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-49 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	मकर...	07-56 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-46 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	11-24 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-00 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-45 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-46 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-58 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-10 बजे
			कन्या---	23-17 बजे
			तुला----	01-22 बजे
			वृश्चिक...	03-32 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-49 सूर्यास्त. -17-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी . 04-01 तक उपरान्त अमावस्या
मास - पौष कृष्ण , रविवार 29 December
नक्षत्र - ज्येष्ठा 23-22 तक उपरान्त मूल
योग - गण्ड 21-40 तक उप वृद्धि
करण- विष्टी 15-51 तक उप शकुनि
विशेष:- मास शिवरात्रि
व्रत -त्योहार - श्री जयप्रभ विजय पुण्य

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:27 से 17:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:49 - 08:09 अशुभ	शुभ..	17:47 - 19:27 शुभ
चंचल	08:09 - 09:32 शुभ	अमृत.	19:27 - 21:04 शुभ
लाभ	09:32 - 10:55 शुभ	चंचल.	21:04 - 22:42 शुभ
अमृत	10:55 - 12:18 शुभ	रोग	22:42 - 00:19 अशुभ
काल.	12:18 - 13:41 अशुभ	काल.	00:19 - 01:56 अशुभ
शुभ	13:41 - 15:04 शुभ	लाभ	01:56 - 03:33 शुभ
रोग	15:04 - 16:27 अशुभ	उत्पात	03:33 - 05:10 अशुभ
उत्पात	16:27 - 17:47 अशुभ	शुभ	05:10 - 06:49 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे | यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे | इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा |

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

कन्या टो पा पी यू ष ण ठ पे पो

आज आपको अपने खर्चों का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योंकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो । आपको कुछ अन्य कार्यों के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि आपकी आय बढ़ सके ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा । आप में ऐसी ऊर्जा और क्षमता है की आप और अधिक कार्य करके अपनी आय में और सुधार ला सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पूर्व मंत्री कवासी और बेटे के घर ईडी की रेड

शराब घोटाले में लखमा को हर महीने मिलते थे 50 लाख, कई कांग्रेसियों के यहां कार्रवाई

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और बेटे हरीश कवासी के घर ईडी ने छापेमारी की है। रायपुर के धरमपुरा स्थित कवासी लखमा के बंगले में टीम पहुंची है। यहां दस्तावेज खंगालने के बाद अफसर पूर्व मंत्री की कार को घर से बाहर निकालकर तलाशी ली। बंगले में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ जवान मौजूद हैं। कवासी के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर में भी ईडी ने छापा मारा है। सुकमा जिले में हरीश कवासी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी दबिश दी गई है।

बता दें कि शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा पर एफआईआर दर्ज है। जिन्हें हर महीने 50 लाख दिए जाने का जिक्र है। वहीं कवासी लखमा के बेटे वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। अधिकारियों की टीम उनके घर पर भी दस्तावेज खंगाल रही है। बड़ी संख्या में

सीआरपीएफ जवान उनके घर के बाहर मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ में शराब और कोयला घोटाले मामले में ईडी ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 100 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी।

इनमें कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक यूडी मिंज, गुलाब कमरो, शिशुपाल का नाम शामिल हैं। वहीं 2161 करोड़ के शराब घोटाले के मामले में ईडी ने ट्रिपल ए यानी आईएएस अफसर, अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी को घोटाले का मास्टरमाइंड बताया था। जिसके बाद एसीबी इस मामले में अलग से कार्रवाई कर रही है। एफआईआर में तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा का नाम भी एफआईआर में शामिल है, जिन्हें हर महीने 50 लाख दिया जाता था। ये पूरा सिंडिकेट सरकार के इशारों पर ही चलता रहा। तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा को भी इसकी जानकारी थी और कथित तौर पर कमीशन का बड़ा हिस्सा आबकारी मंत्री कवासी लखमा के पास भी जाता था।

मनमोहन सिंह के सम्मान में सरकार ने की सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। झारखंड सरकार मे उनके सम्मान में शुक्रवार को सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की। सरकार ने झारखंड मुख्यमंत्री मैय्यन सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम समेत अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया। बता दें कि देश में आर्थिक सुधारों के जनक डॉ. मनमोहन सिंह ने गुरुवार 26 दिसंबर को आखिरी सांस ली। झारखंड सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में भारत सरकार ने 26 दिसंबर से एक जनवरी तक सात दिनों का राजकीय शोक मनाने की घोषणा की। झारखंड सरकार ने भी सात दिनों का राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया है। झारखंड के जिन भवनों पर नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, वह आधा झुका रहेगा।

छत्तीसगढ़ में रद्द हो सकती है आरक्षक भर्ती

गृहमंत्री विजय शर्मा बोले- सभी जगहों पर होगी जांच, गड़बड़ी मिलने पर करेंगे कैंसिल

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 5 हजार 967 पदों पर आरक्षकों की सीधी भर्ती हो रही है। इसमें राजनांदगांव में गड़बड़ी की वजह से 528 पदों की भर्ती को निरस्त हो गई है। गड़बड़ी में फंसे एक पुलिसकर्मी ने सुसाइड भी किया था। अब इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, और भी जगहों पर भर्ती की जांच होगी। जहां गड़बड़ी मिलेगी भर्ती निरस्त कर देंगे। रायपुर में गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एक भी जुगाड़ वाला सिलेक्शन नहीं होगा। सारे सिलेक्शन शुध्दता के साथ होंगे। साथ ही कांग्रेस के आरोपों को लेकर कहा कि इन लोगों को अपनी भर्ती प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए। पीएससी घोटाले में अभी और कितने जेल के अंदर जाएंगे, उस पर ध्यान देना चाहिए। शराब घोटाला, कोयला घोटाला में लोग अंदर हैं, इन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

राजनांदगांव पुलिस भर्ती को सीएम साय के निर्देश पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने रद्द किया है। दुर्ग

आईजी दीपक कुमार झा ने जांच के लिए एसआईटी टीम बनाई है। भर्ती में करीब 3 हजार अभ्यर्थियों के अंकों की गलत एंट्री की गई है। इस मामले में एक अभ्यर्थी, 4 कॉन्स्टेबल समेत अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। संदिग्धों के वॉट्सऐप और मोबाइल की जांच की जा रही है। भर्ती रद्द होने पर कांग्रेस ने कहा कि जिसने शिकायत की उसे ही जेल में डाल दिया। घपला हुआ है, गड़बड़ी हुई है, युवाओं के हक को बेचा गया है। गृहमंत्री ने कहा कि गड़बड़ी करने वाले अभ्यर्थी, कंपनी और पुलिसकर्मियों पर एफआईआर है। इस पूरी घटना से एक सीख लेकर ऐसी जांच अन्य स्थानों पर भी कराई जाएगी। एक-एक सिलेक्शन बिल्कुल क्षमता के आधार पर कराया जाएगा।

गृहमंत्री विजय शर्मा से जब ये पूछा गया कि कुछ लोगों की गलती की वजह से अन्य कैंडिडेट परेशान हो रहे हैं, उनका क्या होगा। जवाब में उन्होंने कहा कि अन्य व्यक्तियों को अवसर मिलेगा, फिर से वह मौका पाएंगे और अपना फिर से प्रदर्शन कर पाएंगे। इसमें यही रास्ता है। आप मुझे यह कहेंगे कि छांटकर जो चार लोग गलती किए हैं, उन्हें निकाल दो और बाकी सब को ठीक कर दो यह संभव नहीं है। जिन्होंने ठीक प्रदर्शन किया था, उन्हें फिर से अवसर दिया जाएगा।

मामले से जुड़े आरक्षक अनिल रत्नाकर ने 21 दिसंबर को लालबाग थाना इलाके के रामपुर रोड से 1 किलोमीटर अंदर पेड़ पर फांसी लगा ली थी। आरक्षक का नाम अनिल रत्नाकर (25 साल) था। वो खैरागढ़ पुलिस में पदस्थ था और फिजिकल टेस्ट प्रक्रिया की निगरानी में शामिल था। अनिल सरायपाली बसना का रहने वाला था और उस पर भी भर्ती में लेन-देन के आरोप थे। आरक्षक अनिल रत्नाकर ने हथेली पर सुसाइड नोट में लिखा था कि, 'आरक्षक भर्ती में कर्मचारी को फंसाया जा रहा है, अधिकारी को बचाया जा रहा है। इसमें सभी इन्वॉल्व हैं।' वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने X पोस्ट पर मृतक आरक्षक अनिल रत्नाकर के हथेली का वीडियो शेयर किया है।

सीएम विष्णुदेव साय को टैग करते हुए बघेल ने लिखा है- कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है, अधिकारियों को बचाया जा रहा है। भ्रष्टाचार तो हुआ है।

झरिया में सड़क हादसा मौके पर ही मौत

बाजार से घर लौट रहा था युवक बाचोल भुइयां, सिर पर चढ़ा ट्रक का चक्का

धनबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के झरिया थाना क्षेत्र के साउथ झरिया कोयरिबान्ध रेलवे लाइन के समीप 14 चक्का ट्रक के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा- तफरी मच गई। सूचना मिलते ही काफी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी झरिया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही झरिया पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घटना से गुस्साए लोगों ने मुआवजा की मांग को लेकर शव को सड़क पर रख सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की देर शाम न्यू दोबारी खदान कोयरीबांध निवासी मृतक 45 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर बाचोल भुइयां झरिया बाजार से अपने घर जा रहे थे। तभी स्टेशन रोड की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा एक ट्रक (जेएच 10 बीके - 6199) ने उसे अपनी चपेट में लिया। बाचोल के सर पर ट्रक का चक्का चढ़ गया। जिससे मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर भागने लगा। आसपास के लोगों को पीछे आता देख ट्रक चालक ट्रक छोड़ कर फरार हो गया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक के आगे के चक्का को धारदार हथियार से मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। बाचोल अविवाहित था। अपने भाई यमुना भुइयां के साथ रहता था। मुआवजे की मांग कर बाचोल के परिवार व आसपास के लोग शव को सड़क पर रख बैठ गए। पुलिस गुस्साए लोगों को समझा बूझकर मामले को शांत करवाने का प्रयास किया।

निश्चलानंद सरस्वती बोले- भूत की तरह मोदी-योगी मेरे पीछे पड़े

नकली-असली शंकराचार्य विवाद पर कहा- आतंकवादी को 4-4 गनर देकर देश-विदेश घुमा रहे

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। निश्चलानंद ने आरएसएस प्रमुख के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर भी पलटवार करते हुए कहा कि, मोहन भागवत कहते हैं कि हर मस्जिद में मंदिर मत ढूंढो तो हम कहते हैं कि मोहन भागवत के शरीर में हिंदुओं का दिल मत ढूंढो। पुरी पीठ के शंकराचार्य ने ये बातें हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा कार्यक्रम के तहत रायपुर में कही। पुरी शंकराचार्य ने कहा कि यह संघ की लाचारी है कि उनके पास गुरु, गोविंद और ग्रंथ का बल नहीं है। आरएसएस अगर एक भी ग्रंथ अपना लेता तो उसे ग्रंथ बल मिल जाता, इसके बिना उसका स्थान बहुत छोटा है। उन्होंने कहा कि हिंदू हैं, तभी तक सारी कौम सुरक्षित हैं। अगर हिंदू नहीं रहेंगे, तो इन्हें मार-काट कर भगा दिया जाएगा। हालांकि हिन्दू

जब तक पेट और परिवार में ही सीमित रहेगा उनकी दुर्दशा यही होगी। सेवा, सम्मान और संघ का बल होना जरूरी है। रायपुर रावाभांठा स्थित शंकराचार्य आश्रम में निश्चलानंद 30 दिसंबर तक रहेंगे। रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के बाद वे 31 दिसंबर को शाम पांच बजे रेलमार्ग से ओडिशा रवाना होंगे। वे हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा कार्यक्रम के तहत रायपुर प्रवास पर हैं। 3 महीने पहले अंबिकापुर में पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने पीएम मोदी को गौ-हत्या का एजेंट बताया था। उन्होंने कहा था कि, गौ-रक्षा के नाम पर प्रधानमंत्री बने, प्रधानमंत्री बनने के बाद वे गौ रक्षकों को गुंडा कहते हैं। शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचे, लेकिन मर्यादा का ज्ञान नहीं रखते हैं। उन्होंने अमर्यादित ढंग से रामलला के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की। इस कारण से वे गिर भी रहे हैं। जहां-जहां राम गए, वहां भाजपा साफ हो गई। जय श्री राम कहना भूल गए। पहले मोदी की गारंटी कहते थे, अब नीतीश-नायडू की बैसाखी पर हैं।

अक्टूबर महीने में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती बिलासपुर दौरे पर थे। उन्होंने हिन्दू राष्ट्र पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने ये कभी नहीं कहा कि वो हिन्दू राष्ट्र बनाएंगे।

गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

2 महीने बाद लड़की की होने वाली थी शादी शादीशुदा था प्रेमी, टुकड़ों में मिली लाश

भिलाई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में एक प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। सुपेला अंडर ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर टुकड़ों में लाश मिली है। बताया जा रहा है कि घर में क्रिसमस की पार्टी थी, लेकिन सुबह युवती की मौत की खबर मिली। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। युवती की पहचान चरोदा निवासी श्रेया फर्नांडीज और युवक की पहचान राहुल कुमार सिंह निवासी भिलाई सेक्टर 9 के रूप में की गई है। लड़की की 2 महीने बाद शादी होने वाली थी।

युवती के परिजनों ने बताया कि श्रेया फर्नांडीज सुपेला में रुद्रा मोबाइल शॉप में काम करती थी। श्रेया पिछले दो-तीन महीने से सुपेला में किसी मोबाइल शॉप में काम करना शुरू किया था। 26 दिसंबर को सुबह 11 बजे स्कूटी से चरोदा गई थी। गुरुवार को उनके घर पर क्रिसमस सेलिब्रेशन की पार्टी रखी गई थी। देर शाम जब उन लोगों ने श्रेया को फोन किया तो उसने कहा कि वो रात में घर आ जाएगी। इसके बाद जब वह नहीं आई तो उसे फोन लगाया गया, लेकिन उसका फोन बंद आया। इसके बाद अगले दिन सुबह उन्हें श्रेया की मौत की खबर मिली।

श्रेया के परिजनों ने पुलिस को बताया कि उन लोगों ने श्रेया की शादी तय कर दी थी। दो महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी। परिजनों ने श्रेया की पसंद के लड़के से ही शादी तय की थी। इसके बाद भी उसने ऐसा क्यों किया यह किसी को नहीं पता।

श्रेया फर्नांडीज का प्रेमी राहुल कुमार सिंह पहले से ही शादीशुदा था। राहुल शेयर मार्केट में काम करता था। दोनों के बीच कब से प्रेम संबंध था घरवालों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। एक साथ मौत को गले लगाने की वजह का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस को गुरुवार रात सुबह सूचना मिली थी सुपेला अंडर ब्रिज के पास रेलवे लाइन में 2 लोगों के शव क्षत-विक्षत हालत में पड़े हुए मिले हैं।

पुलिस ने दोनों शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवा दिया। एएसपी ने बताया कि दोनों के चेहरे पहचान में नहीं आ रहे थे। बड़ी मुश्किल के बाद दोनों की पहचान की गई। शुक्रवार को दोनों का पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसके बाद शवों को परिजनों को सौंपा गया। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

एक जनवरी को बैद्यनाथ के वीआईपी दर्शन का रेट डबल

शीघ्र दर्शनम कूपन के लगेंगे 600 रुपए, पहले दिन जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

देवघर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में साल के पहले दिन बाबा का दर्शन करना महंगा होगा। नए साल पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए शीघ्र दर्शनम कूपन की कीमत को दोगुना कर दिया गया है। इस दिन जो भक्त शीर्घ दर्शनम कूपन लेकर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करना चाहेंगे, उन्हें 600 रुपए देने होंगे। आम दिनों में इसकी कीमत 300 रुपए है। अनुमंडल पदाधिकारी सह बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बढ़ोत्तरी पर निर्णय लिया गया है। नए साल के पहले दिन देवघर में काफी भीड़ होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर

पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी उठाना न पड़े, इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों, मंदिर के दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को आपसी सहयोग के साथ काम करने को कहा गया है। नए वर्ष जैसे विशेष अवसरों पर न केवल देवघर और उसके आसपास बल्कि पूरे झारखंड से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में बिहार और पश्चिम बंगाल से भी पर्यटकों का आना होता है। ऐसे में प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने तमाम संबंधित अधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सभी चिन्हित प्वाइंट व रूटलाईन में मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा है।

साथ ही मंदिर प्रांगण के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई और विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि बाबा मंदिर व आस पास के क्षेत्रों को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सके। बैठक में सहायक मंदिर प्रभारी संतोष कुमार, मंदिर के अधिकारी, नगर निगम, मंदिर थाना एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

नए वर्ष के स्वागत में दंतली डैम पहुंच रहे लोग

पिकनिक मनाने के लिए आकर्षक केंद्र बना, बोटिंग का भी उठा सकते हैं आनंद

गुमला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला में यूं तो कई पिकनिक स्पॉट हैं पर दंतली डैम की बात ही निराली है। यहां प्राकृतिक सुंदरता बिखरी हुई है। गुमला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर गुमला-सिमडेगा सड़क पर स्थित है दंतली डैम। इसे तपकरा डैम भी कहते है। नए साल के पास आते ही यहां लोग पिकनिक मनाने के पहुंच रहे हैं।

गुमला से होकर जाने के लिए पहले आपको जिला मुख्यालय से होकर पालकोट प्रखंड पहुंचना होगा। फिर वहां से सिमडेगा रोड में लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर मुख्य सड़क के किनारे तपकरा डैम है। आवागमन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध है। यहां लोग ऑटो, बस से आसानी से आ सकते हैं। साथ ही आप अपने निजी वाहन से आसानी से घूमकर लौट सकते हैं। वहीं, इस पर्यटक स्थल को जिला प्रशासन द्वारा और भी व्यवस्थित करने का प्रयास किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अगर पर्यटन विभाग इस पर ध्यान दें तो इसे और निखारा जा सकता है। यहां मुफ्त बोटिंग का भी आनंद उठा सकते हैं। यहां पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थल उपलब्ध है। हालांकि यह क्षेत्र शाम होने के बाद सुरक्षित नहीं है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में तेज हवाओं के साथ बारिश

किसानों को सताने लगी फसल नुकसान की चिंता, प्रदेश में 2 दिन बाद 4सी तक गिरेगा तापमान

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। बारिश के चलते फसल नुकसान की भी चिंता किसानों को सताने लगी है। मौसम विभाग ने भी प्रदेश में बस्तर संभाग को छोड़कर चारों संभाग में बारिश के आसार जताए हैं। समुद्र से आ रही नमी के कारण बारिश की स्थिति बन रही है। अगले 2 दिनों तक न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। हवा में नमी बढ़ने से कई जिलों में शुक्रवार को दिन का पारा सामान्य से अधिक रहा। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार रहा। वहीं 11 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ बलरामपुर सबसे ठंडा रहा। 2 दिन बाद 4 डिग्री तक रात का तापमान गिर सकता है। आज बादल छाए रह सकते हैं। एक-दो जगह गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इससे रात के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी के आसार हैं। अगले दो दिनों तक मौसम में कोई विशेष बदलाव के आसार नहीं है। इसके बाद तापमान में दो से चार डिग्री तक की गिरावट आएगी। समुद्र से आने वाली नमी के कारण राजधानी समेत पूरे प्रदेश में शनिवार को दिन में मौसम ठंडा रहेगा। बारिश होने के कारण दिन का तापमान कम रहेगा। ठंडी हवा चलेगी। इससे रात के तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी। शुक्रवार को भी रायपुर में रात का तापमान सामान्य से अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 5.8 डिग्री अधिक है। दिसंबर के मौसम में भी शहर में ठंड का असर कम है। मौसम के उतार-चढ़ाव के बीच शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहे। इसके चलते अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक था। वहीं, रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री ज्यादा रहा। पश्चिमी विभोग (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से आज शाम बारिश की संभावना है। इसके बाद 30 दिसंबर के बाद से फिर ठंड बढ़ सकती है।

कांग्रेस बोली- लखमा पर कार्रवाई की वजह निकाय चुनाव

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, उनके बेटे हरीश कवासी और करीबी सुशील ओझा के घर ईडी की रेड की वजह कांग्रेस ने निकाय और पंचायत चुनाव को बताया है। कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, वरिष्ठ आदिवासी नेता पर ईडी की कार्रवाई बीजेपी की दुर्भावना को दर्शाती है। जब-जब छत्तीसगढ़ में चुनाव होते हैं, तब कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाया जाता है।

प्रदेश में अभी नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव होने वाले हैं। इसलिए ही ईडी के जरिए विपक्ष के नेताओं का निशाना बनाया जा रहा। शुक्ला ने कहा कि हम लड़ेंगे मुकाबला करेंगे।

वित्त मंत्री पहुंचे हॉस्पिटल, गंदगी देख हुए नाराज

कहा- अस्पताल में दलाली बंद करने का उपाय करें, सभी स्टाफ ड्रेस में रहें

पलामू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर शनिवार को अचानक पलामू स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंच गए। उन्होंने वहां निरीक्षण किया। इस दौरान वहां फैली गंदगी को देख वो नाराज हो गए। हॉस्पिटल में सक्रिय दलालों को लेकर के भी मंत्री ने नाराजगी जाहिर की। डॉक्टर और कर्मियों से कहा- यह धंधा यहां नहीं चलेगा। दलाली बंद करने का उपाय करें। हॉस्पिटल के सभी स्टाफ ड्रेस में रहें ताकि मरीजों को उन्हें पहचानने में आसानी हो। वित्त मंत्री डेढ़ घंटे तक हॉस्पिटल में रहे और हर वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी से डॉक्टर गायब मिले, हॉस्पिटल में गंदगी फैला दिखा। मरीजों ने मंत्री से पैसे मांगने की भी शिकायत

की। मंत्री को अपने बीच पाकर भर्ती मरीजों के परिजनों ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज नहीं किया जाता है। हॉस्पिटल के कर्मी 10 हजार और 15 हजार रुपए पैर के ऑपरेशन के लिए मांग रहे हैं। इस पर मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी का इलाज निःशुल्क करें। इमरजेंसी वार्ड की हालत को देख उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नाम के लिए इमरजेंसी है। इमरजेंसी वार्ड में ना तो ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था है और ना ही हार्ट रेट, ऑक्सीजन लेवल और बीपी मापने के लिए मॉनिटर तक नहीं लगा है।

सर्जरी वार्ड में बेड पर खून लगा चादर और गंदगी देखकर भी मंत्री नाराज हो गए। वहीं, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने बताया कि 5 करोड़ रुपए अकाउंट में पड़ा है। लेकिन बैठक नहीं होने के कारण उसे खर्च करने की स्वीकृति नहीं मिल पा रही है। इसके अलावे मेडिकल कॉलेज का निर्माण पांच वर्ष में भी पूरा नहीं होने पर मंत्री ने निर्माण कंपनी के प्रतिनिधि को हर हाल 2025 के दिसंबर तक उसे पूरा करने का निर्देश दिया।

छत्तीसगढ़ का बड़ा नशा कारोबारी एमपी से गिरफ्तार

20 साल पहले शुरु किया था अवैध धंधा, कई शहरों में सप्लाई करोड़ों की संपत्ति होगी जब्त

बिलासपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सहित कई जिलों में नशे के सामानों की तस्करी करने वालों का सरगना संजीव उर्फ सुच्चा सिंह छाबड़ा को पुलिस ने मध्यप्रदेश के जबलपुर से गिरफ्तार किया है। करीब 20 साल पहले बिलासपुर में नशे के कारोबार की जड़ जमाने वाला मुख्य सरगना 16 साल से फरार था। वो अपने चैनल के जरिए युवाओं को नशे का तस्कर बनाया। पुलिस ने अवैध कारोबार में कमाए करोड़ों रुपए की जानकारी भी जुटा ली है, जिसे जब्त करने की तैयारी की जा रही है। एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम शहर के साथ ही जिले में प्रतिबंधित नशीली दवाओं का कारोबार करने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है।

धमतरी-गरियाबंद में 11 ठिकानों पर एनआईए की रेड

घर से मिला डेढ़ लाख कैश और आईईडी पोलिंग-पार्टी पर हमले में एक जवान हुआ था शहीद

गरियाबंद/धमतरी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी और गरियाबंद जिले में एनआईए की टीम ने 11 अलग-अलग लोगों के घरों में छापा मारा है। ये सभी एक साल पहले पोलिंग पार्टी पर हमला करने की घटना के संदिग्ध हैं। इनके घरों से एनआईए ने करीब डेढ़ लाख रुपए कैश समेत आईईडी, नक्सल साहित्य, मोबाइल फोन समेत अन्य डॉक्यूमेंट बरामद किए हैं। 27 दिसंबर को एनआईए ने एक प्रेस रिलीज जारी की थी, जिसमें बताया था कि छत्तीसगढ़ के गरियाबंद और धमतरी जिले के अंदरूनी और नक्सल प्रभावित इलाके सेमरा, मैनपुर, केराबहरा, घोरागांव समेत कुल 11 संदिग्ध लोगों के अलग-अलग ठिकाने पर रेड की गई। जांच में पता चला कि, आईईडी ब्लास्ट के पीछे नक्सलियों के मैनपुर-नुआपाड़ा डिवीजन का हाथ था। साल 2023 में विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान के बाद बड़ेगोबरा में पोलिंग पार्टी पर ब्लास्ट कर हमला किया था, जिसमें आईटीबीपी का एक हेड कॉन्स्टेबल शहीद हो गया था। एनआईए ने 11 संदिग्धों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। गरियाबंद और धमतरी जिले के जिन ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी की है, उनमें नक्सल प्रभावित क्षेत्र रावन डिग्गी, सेमरा, मैनपुर, घोरागांव, केराबाहरा और गरियाबंद शामिल हैं। इन इलाकों में 11 संदिग्धों के कई ठिकानों पर तलाशी ली गई। जांच के आधार पर, एनआईए टीम का मानना है कि संदिग्ध लोग प्रतिबंधित सीपीआई आतंकवादी संगठन के मैनपुर-नुआपाड़ा डिवीजन के समर्थक और ओवर ग्राउंड वर्कर थे।

साउथ कोरिया की संसद में हंगामा, सांसदों ने कॉलर पकड़े

देश में 14 दिन में 3 राष्ट्रपति, इमरजेंसी के बाद महाभियोग से हटे 2 प्रेसिडेंट

सियोल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया की संसद में शुक्रवार को प्रधानमंत्री और कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू को महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया गया। उन्हें हटाने के पक्ष में 192 वोट पड़े, जबकि इसके लिए 151 वोटों की जरूरत थी। महाभियोग की वजह से संसद में काफी हंगामा हुआ। इस वजह से सांसदों ने एक-दूसरे के कॉलर पकड़ लिए। कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ में एक भी वोट नहीं पड़ा क्योंकि सत्ताधारी पार्टी ने वोटिंग का बहिष्कार कर दिया। अब वित्त मंत्री चोई सांग-मोक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालेंगे। चोई सांग ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने का खुलकर विरोध किया था। उन्होंने इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी बताया था। यून सुक योल ने 3 दिसंबर को देश में इमरजेंसी (मार्शल लॉ) लगा दिया था। हालांकि विपक्ष की कोशिशों से यह सिर्फ 6 घंटे के लिए ही लागू रह पाया। विपक्षी

पार्टी ने संसद में वोटिंग के जरिए मार्शल लॉ प्रस्ताव को अवैध घोषित कर दिया था। इसके बाद साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग चलाकर हटा दिया गया था। इसके बाद 14 दिसंबर को हान डक-सू को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था, लेकिन वे इस पद पर सिर्फ 13 दिन ही रह पाए। साउथ कोरिया की संसद में शुक्रवार को वोटिंग के दौरान खूब हंगामा हुआ। दरअसल स्पीकर ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति को हटाने के लिए 50% सांसदों के वोट चाहिए होंगे। ऐसे में सिर्फ 151 सांसदों की वोटिंग से कार्यवाहक राष्ट्रपति को हटाया जा सकता था। संसद में विपक्षी पार्टियों के पास 192 सीटें हैं। ऐसे में कार्यवाहक राष्ट्रपति को हटाना आसान हो गया। सत्ताधारी पार्टी जिनसे पास सिर्फ 108 सीटें हैं, उन्होंने इसका विरोध किया। इससे पहले राष्ट्रपति यून को हटाने के लिए 200 सीटों की जरूरत पड़ी थी। महाभियोग सफल होने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने कहा कि वह संसद के फैसले का सम्मान करते हैं। लेकिन वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करेंगे। साउथ कोरिया में इमजरेंसी लगाने वाले यून सुक योल को महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया गया है। हालांकि उन्हें पूरी तरह पद से हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के 9 में से 6 जज अगर उनके पक्ष में फैसला सुनाते हैं तो वे फिर से देश के अलगे राष्ट्रपति बन जाएंगे। इसमें समस्या यह है कि अभी साउथ कोरिया के सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं। ऐसे में एक जज भी यून सुक योल के पक्ष में वोटिंग कर उन्हें फिर से देश का राष्ट्रपति बना सकता है। यही वजह है कि विपक्षी पार्टी सुप्रीम कोर्ट में खाली हुए 3 सीटों को भरना चाहती है, लेकिन कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने इससे इनकार कर दिया।

दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपुल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं।

बीएनपी ने की यूनुस की आलोचना

मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने का दिया था सुझाव

ढाका, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के उस सुझाव की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने की बात की थी। बीएनपी ने कहा कि इससे चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में भी देरी हो सकती है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, यूनुस ने शुक्रवा को मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने का सुझा दिया था। यूनुस ने एक चुनावी चर्चा में वीडियो में संदेश में कहा, युवाओं को अपने भविष्य पर अपनी राय देने का अधिकार होना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि उनके लिए मतदान की न्यूनतम आयु 17 साल की जानी चाहिए। महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने ढाका में प्रेस क्लब में एक चर्चा के दौरान कहा कि यूनुस के इस सुझाव से चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और नए मतदाताओं की सूची तैयार करनी पड़ेगी।

विदेशी कंपनियों को आकर्षित करें न कि उनके श्रमिकों को

एच1बी वीजा आवंटन पर निक्की हेली का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली अमेरिका में एच1बी वीजा आवंटन पर चल रही बहस में शामिल हो गईं। जबकि, अरबपति एलन मस्क, रिपब्लिकन नेता विवेक रामस्वामी और डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के नीति सलाहकार के लिए नामित श्रीराम कृष्णन द्वारा वीजा कार्यक्रम का विस्तार करने को लेकर चर्चा की जा रही है।

निक्की हेली ने बताया कि दक्षिण कैरोलिना के गवर्नर रहते हुए राज्य में बेरोजगारी दर 11 प्रतिशत से घटकर चार प्रतिशत हो गई थी, क्योंकि राज्य सरकार ने विदेशी कंपनियों को निवेश करने के लिए आकर्षित किया था, न कि उनके श्रमिकों को। उन्होंने बताया कि कैसे दक्षिण कैरोलिना के लोगों को नए रोजगार के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अब लोग विमान और ऑटोमोबाइल जैसी चीजें बना रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी श्रमिकों में निवेश करने के महत्व पर जोर देकर कहा, 'अगर टेक उद्योग को कर्मचारियों की आवश्यकता है, तो हमारी शिक्षा प्रणाली में निवेश करें। हमारे अमेरिकी कर्मचारियों में निवेश करें। हमें पहले अमेरिकियों में निवेश करना चाहिए, फिर कहीं और देखना चाहिए। अमेरिकियों की प्रतिभा और आत्मा को कभी हल्के में न लें।' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क और विवेक रामस्वामी द्वारा एच1बी वीजा कार्यक्रम के विस्तार के पक्ष में किए गए सोशल मीडिया पोस्ट ने ट्रंप के समर्थकों के बीच एक बहस को छेड़ दिया है कि इस कार्यक्रम को नए प्रशासन के आव्रजन एजेंडे में कैसे फिट किया जाए। यह बहस उस समय शुरू हुई जब ट्रंप ने रविवार को एलान किया कि वह श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्हाइट हाउस के नीति सलाहकार के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। कृष्णन को नवंबर में किए गए एक पोस्ट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, जिसमें उन्होंने कहा था, 'ग्रीन कार्ड के लिए देश-विशेष सीमा को हटाना/कौशल आधारित आव्रजन को अनलॉक करना बहुत बड़ा होगा।' इसके बावजूद, डेविड सैक्स जैसे ट्रंप के करीबी सहयोगियों ने कृष्णन के रुख का बचाव किया, यह कहते हुए कि वह ग्रीन कार्ड के लिए देश-विशेष सीमा को हटाने की बात कर रहे थे, न कि सभी सीमाओं को समाप्त करने की। आव्रजन 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है।

जबकि राष्ट्रपति-निर्वाचित ट्रंप ने दक्षिणी सीमा पर अवैध आव्रजन को समाप्त करने और बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान शुरू करने का वादा किया है, वर्तमान बहस कानूनी आव्रजन पर केंद्रित है, जो कभी-कभी नस्लवादी और विरोधी आप्रवासी दृष्टिकोण को उजागर करती है।

सीरिया की बदनाम सेडनाया जेल का जज गिरफ्तार

हजारों लोगों को स्लॉटर हाउस में डालने का आरोप, कैदियों के परिवार से लूटे 1500 करोड़

दमिश्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में बशर अल असद के राष्ट्रपति रहते बदनाम सेडनाया जेल में हजारों लोगों को मौत की सजा देने वाले टॉप मिलिट्री जज मोहम्मद कंजू अल-हसन को गिरफ्तार कर लिया गया है। कंजू हसन की गिरफ्तारी सीरिया में हाल ही में हुए विद्रोह के बाद सबसे टॉप लेवल की गिरफ्तारी है। कंजू अल-हसन 2011 से 2014 तक सीरिया की मिलिट्री कोर्ट का जज था। इस दौरान उसने हजारों लोगों को मौत की सजा दी थी।

कंजू हसन पर आरोप है कि कैदियों के रिश्तेदारों से उसने अलग-अलग तरीकों से 1500 करोड़ रुपए वसूले थे। ब्रिटेन की सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक कंजू हसन को 20 अन्य लोगों के साथ गुरुवार को गिरफ्तार किया गया।

सीरिया के अंतरिम गृह मंत्री मोहम्मद अब्देल रहमान ने बताया कि ततूंस प्रांत में छिपे कंजू अल-हसन को गिरफ्तार करने के दौरान सरकार के 14 सैनिकों की मौत हो गई। सीरिया में नागरिकों के दमन की वजह से 2023 में ब्रिटेन सरकार ने कंजू अल-हसन पर बैन लगा दिया था। कंजू सेडनाया जेल में अमानवीय अपराधों के लिए जिम्मेदार था। जज कंजू हसन पर मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप हैं। उसने कानून की पढ़ाई के बाद सीरियाई सेना की मिलिट्री कोर्ट में सर्विस दी थी। 2011 में जब असद के खिलाफ सीरिया में अरब क्रांति हुई तब हसन दमिश्क की रिजनल आर्मी कोर्ट में जज था।

एक गवाह के मुताबिक, हसन ने खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर राजनीतिक कैदियों के खिलाफ के खिलाफ अन्य लोगों से झूठी गवाहियां दिलाई। कोर्ट में सिर्फ 30 मिनट सुनवाई होती है, जिसमें आरोपी को बोलने की इजाजत नहीं होती।

कंजू हसन पर आरोप है कि वह राष्ट्रपति की माफी के बाद वो कैदियों पर लगे आरोपों को बदल देता था, ताकि उनकी रिहाई न हो सके। इसके बाद उन्हें रिहा करने के लिए परिवार वालों से वसूली करता था। बता दें कि असद के भागने के बाद उनके करीबी कई अन्य लोग पीछे रह गए। जिनमें असद का भाई माहेर अल-असद भी शामिल था।

तिब्बत पर चीन की तिरछी नजर

लारुंग गार बौद्ध अकादमी में सैकड़ों सैनिक तैनात

बीजिंग, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे बड़े तिब्बती बौद्ध अध्ययन केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले लारुंग गार बौद्ध अकादमी में चीनी सैन्यकर्मियों में काफी बढ़ोतरी देखी गई है, जो धार्मिक प्रथाओं पर गहन निगरानी और सख्त नियमों को दर्शाता है। सीटीए ने 20 दिसंबर को बताया कि तिब्बती खाम क्षेत्र में मौजूद करजे (चीनीः गंजी) के सेरथर काउंटी में अकादमी में लगभग 400 चीनी सैन्य कर्मियों को तैनात किया गया था, जो अब सिचुआन प्रांत का हिस्सा है। इस तैनाती के साथ हेलीकॉप्टर निगरानी भी की गई, जो महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल की बढ़ी हुई निगरानी का संकेत है। सूत्रों के अनुसार, चीनी अधिकारी 2025 में लारुंग गार में नए नियम लागू करने की योजना बना रहे हैं।

तनाव के बीच भारत से चावल खरीदेगा बांग्लादेश

27 हजार टन की पहली खेप चटगांव पहुंची, कहा– भविष्य में संकट से बचने के लिए किया फैसला

ढाका, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश में लगातार बढ़ती तल्खी के बाद भी व्यापार जारी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत से चावल इंपोर्ट करना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश ने भारत से 2 लाख टन चावल खरीदने का फैसला किया है। शुक्रवार को 27 हजार टन चावल की पहली खेप बांग्लादेश के चटगांव पहुंच गई है। बांग्लादेश के एक फूड अधिकारी ने बताया कि इस वक्त बांग्लादेश में चावल की कोई कमी नहीं है। हालांकि, हाल ही में आई भीषण बाढ़ के कारण सरकार ने भविष्य में संकट से बचने के लिए चावल इंपोर्ट करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा- बांग्लादेश की अंतरिम सरकार 2 लाख टन उबले चावल के अलावा टेंडर के जरिए भारत से 1 लाख टन चावल का इंपोर्ट करेगी। अधिकारी ने कहा- टेंडर के अलावा हमारा प्लान सरकार से गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (जी2जी) लेवल पर

भारत से और ज्यादा चावल इंपोर्ट करने का है। इसके अलावा भारत के प्राइवेट एक्सपोर्ट्स से अब तक 16 लाख टन चावल आयात करने के लिए बांग्लादेश सरकार से परमिशन ले ली है। उन्होंने बताया कि हमने म्यांमार के साथ 1 लाख टन चावल इंपोर्ट करने के लिए जी2जी समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वियतनाम और पाकिस्तान से भी इसे लेकर चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश ने कीमतों को स्थिर रखने के लिए चावल के इंपोर्ट पर सभी ड्यूटी हटा ली है। भारत से प्राइवेट लेवल पर जीरो इंपोर्ट ड्यूटी के साथ बड़ी मात्रा में चावल का निर्यात किया जा रहा है। भारत ने भी बांग्लादेश की नई सरकार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर प्रणय कुमार वर्मा ने हाल ही में कहा कि 5 अगस्त के उथल-पुथल भरे बदलावों के बाद भी, मुझे लगता है कि हमने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ पूरी ईमानदारी से काम किया है। बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में पिछले कुछ वक्त में तल्खी काफी ज्यादा बढ़ गई है।

शेख हसीना का तख्तापलट होने के बाद से लगातार हिंदू नेताओं और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा भारत को लेकर भी कई तरह के भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु देशद्रोह के आरोप में 25 नवंबर से जेल में बंद हैं। इसे लेकर भी दोनों देशों ने काफी तल्ख बयान दिए हैं। बता दें कि इस साल बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं।

पाकिस्तान के हाथ लगा काले और नीले सोने का खजाना

बदल सकती है पड़ोसी देश की किस्मत शहबाज दूर कर पाएंगे कंगाली?

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में तेल का एक बड़ा भंडार मिला है। पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) ने सिंध प्रांत के सुजावल जिले में स्थित शाह बंदर ब्लॉक में नए तेल और गैस के भंडार की खोज की घोषणा की है। कंपनी ने तेल भंडार मिलने के बारे में पाकिस्तानी स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक शाह बंदर ब्लॉक में झाम्प ईस्ट X-1 कुआं रोजाना 1 करोड़ मानक घन फीट प्राकृतिक गैस और 150 से अधिक बैरल हल्के तेल का उत्पादन कर रहा है। कुएं से मिलने वाला प्राकृतिक भंडार का दबाव 2,800 पाउंड प्रति वर्ग इंच है। इससे निकाली गई गैस को सुजावल गैस प्रोसेसिंग प्लांट में संसाधित किया जा रहा है और इसे सुई साउथर्न गैस कंपनी के सिस्टम में जोड़ा जा रहा है, जिससे क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में वृद्धि हो रही है। शाह बंदर ब्लॉक में हिस्सेदारों का एक कंसोर्टियम है, जिसमें पीपीएल की 63 फीसदी हिस्सेदारी है। मारी पेट्रोलियम की 32 फीसदी जबकि सिंध एनर्जी होल्डिंग और गवर्नमेंट होल्डिंग्स (प्राइवेट) लिमिटेड की ढाई-ढाई फीसदी हिस्सेदारी है। इससे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने अधिकारियों को आदेश दिया था कि वे सर्दियों के मौसम में घरेलू उपभोक्ताओं को निरंतर और विश्वसनीय गैस आपूर्ति सुनिश्चित करें। पाकिस्तान में घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की कमी का सामना करना पड़ता है।

पिज्जा डिलीवरी गर्ल ने प्रेग्नेंट लेडी पर हमला किया

2 डॉलर टिप मिलने से भड़की, चाकू से किए ताबड़तोड़ 14 वार

फ्लोरिडा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में कम टिप मिलने से नाराज पिज्जा डिलीवरी गर्ल ने प्रेगनेंट महिला पर चाकू से 14 बार हमला किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 2 डॉलर यानी करीब 170 रुपए टिप मिलने से नाराज हुई और वारदात को अंजाम दिया। हमले में महिला बुरी तरह जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर बनी हुई है।

कुछ दिन पहले फ्लोरिडा के एक मोटल में बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान 22 साल की डिलीवरी गर्ल ब्रियाना अल्वेलो आर्डर लेकर पहुंची थी। जिसके बाद टिप को लेकर प्रेग्नेंट महिला के साथ विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक अल्वेलो कुछ देर अपने एक दोस्त के साथ हथियार लेकर पहुंची और गर्भवती महिला पर

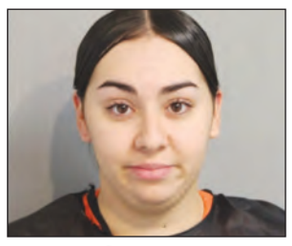

हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार वारदात के वक्त कमरे में पीड़ित महिला के साथ उसका दोस्त और 5 साल की बेटी थी। अल्वेलो ने जो पिज्जा डिलीवर किया उसकी कीमत 33 डॉलर थी। महिला ने अल्वेलो से 50 डॉलर नोट का खुल्ला मांगा तो उसने ने इनकार कर दिया।

इसके बाद महिला ने किसी तरह पिज्जा के पैसे दिए और सिर्फ 2 डॉलर टिप दी। जिसे देख डिलीवरी गर्ल भड़क गई और विवाद बढ़ गया। करीब डेढ़ घंटे बाद आरोपी एक नकाबपोश व्यक्ति के साथ होटल लौटी। पुलिस ने मौके से सीसीटीवी फुटेज भी बरामद की है।

रिपोर्ट में बताया गया कि हमले के वक्त ने महिला ने अपनी बेटी को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी लड़की ने महिला की पीठ पर कई बार चाकू से हमला किया। उसने महिला का फोन भी तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तब तक आरोपी फरार हो गए। इस मामले में आरोपी लड़की को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका दोस्त फरार है। आरोपी डिलीवरी गर्ल पर हत्या के प्रयास, बंदूक से घर पर हमला और अपहरण जैसी कई धाराओं में केस दर्ज किया गया। आरोपी लड़की अल्वेलो मार्को पिज्जा कंपनी में काम करती थी। कंपनी ने घटना को लेकर दुख जताया है। कंपनी ने कहा कि हम पुलिस के साथ लगातार सहयोग कर रहे हैं।

हमास, हिजबुल्लाह और सीरिया की तरह होगा अंजाम

यमन के हूती विद्रोहियों को नेतन्याहू ने दी अंजाम भुगतने की धमकी

तेल अवीव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि यह तो अभी शुरुआत है। नेतन्याहू ने हूतियों को कहा कि अगर उन्होंने इजरायल पर हमला जारी रखा तो वे गाजा, लेबनान और सीरिया में ईरान समर्थित सहयोगियों की ही तरह हश्र भुगतेंगे। गुरुवार को इजरायल ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और पास का हेज्याज पावर प्लांट पर हमला किया। होदेइदा, सलीफ और रस कंतीब के बंदरगाहों में स्थित आतंकवादी अड्डों को भी निशाना बनाया गया। हवाई हमलों के बाद होदेइदा के रस कुटैब पावर स्टेशन पर आग लगने की तस्वीरें सामने आई हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'हमने अभी इस हमले के जरिए शुरुआत की है। हम उन्हे किसी भी दिन इजरायल पर हमला करने नहीं देंगे चाहे वह आज हो या कल। हम अंत तक उन पर हमला करेंगे, जब तक कि वे सीख न लें।' उन्होंने आगे कहा, 'हमास ने सीखा, हिजबुल्लाह ने सीखा और सीरिया ने सीखा। अब हूती भी सीखेंगे।'

यमन और इजरायल के बीच लगभग 2000 किमी की दूरी है। हाल ही में यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल के खिलाफ एक मिसाइल लॉन्च की थी। हूती विद्रोहियों को ईरान से समर्थन मिलता रहता है। गाजा में युद्ध की शुरुआत से ही वह इजरायल के खिलाफ हमला कर रहा है। हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों पर भी हमला कर रहे हैं। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग के लिए एक बड़े झटके की तरह है।

इजराइल के सैनिकों ने शुक्रवार को गाजा के सबसे उत्तरी हिस्से में संचालित आखिरी अस्पतालों में से एक पर हमला किया, जिससे कई कर्मचारियों और मरीजों को अस्पताल से बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा। क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इजराइली सैनिकों ने अस्पताल के कर्मियों और मरीजों को जबरन बाहर निकालकर उसमें आग लगा दी। अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, पिछले तीन महीने में इजराइली सैनिकों ने हमास के लड़ाकों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर कमाल अदवान अस्पताल पर कई बार हमला किया है।

मंत्रालय ने कहा कि एक दिन पहले अस्पताल पर हुए हमले में पांच चिकित्सा कर्मी मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि वह अस्पताल के क्षेत्र में हमास के बुनियादी ढांचे और लड़ाकों के खिलाफ अभियान चला रही थी, लेकिन उसने इस बारे में विवरण नहीं दिया।

पाकिस्तान-अफगान सीमा पर रातभर 'युद्ध'

तालिबान ने पाकिस्तानी सेना की 2 चौकियों पर कब्जा किया, 19 सैनिक भी मारे

काबुल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी वायुसेना के हवाई हमले का बदला लेने के लिए तालिबान की सेना ने शुक्रवार की रात को करीब 4 बजे पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर भीषण हमला बोला। तोपों और भारी मशीनगन से किए हमले में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि यह लड़ाई अभी जारी है। अफगान मीडिया ने बताया कि इस हमले में कम से कम 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई घायल हो गए हैं। तालिबानी रक्षा मंत्रालय के सूत्र ने टोलो न्यूज को बताया कि डूरंड लाइन पर खोस्त और पाकटिआ प्रांतों में यह लड़ाई हुई है। तालिबान ने दावा किया कि इस हमले के बाद उन्होंने पाकिस्तानी सेना की दो चौकियों पर कब्जा कर लिया है। टोलो न्यूज ने बताया कि तालिबानी सैनिकों ने भारी हथियारों का इस्तेमाल करके डूरंड लाइन पर मौजूद पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों को जला डाला। यही नहीं पाटन जिले के डांड ए पाटन जिले में पाकिस्तानी सेना की दो चौकियों पर कब्जा कर लिया है। इन चौकियों से पाकिस्तानी सैनिक या तो मारे गए हैं या भाग खड़े हुए हैं।

तालिबानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कम से कम 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई घायल हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना ने कायरता दिखाते हुए नागरिक इलाकों पर मोर्टार हमला बोला जिसमें 3 आम नागरिक मारे गए हैं। वहीं तालिबानी मीडिया अल मिरसाद ने बताया कि तालिबानी सेना ने रात को सटीक तरीके से पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर हमला बोला। ये हमले डांड पाटन जिले की ओर से डूरंड लाइन पर दाबगई इलाके में किए गए। इसके अलावा खोस्त प्रांत से भी तालिबानी सेना ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर हमला बोला। बताया जा रहा है कि सुबह होने तक कई इलाकों में दोनों ही सेनाओं के बीच गोलाबारी जारी है। तालिबान के इस भीषण हमले के बाद से पाकिस्तानी सेना ने चुप्पी साध रखी है। वहीं अफगान इलाके से कई लोग घर छोड़कर दूसरी जगह चले गए हैं। इन हमलों से कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर इस हमले के वीडियो अब वायरल हो रहे हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना इस नुकसान को अब छिपाने में जुट गई है। पाकिस्तानी सूत्रों ने दावा किया है कि केवल एक सैनिक मारा गया है। पाकिस्तानी सूत्रों ने कहा कि यह हमला सुबह 4:30 बजे शुरू हुआ।

उन्होंने यह भी कहा कि जवाबी हमले में कम से कम 3 अफगान मारे गए हैं और 9 अन्य घायल हो गए हैं। पाकटिआ प्रांत पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले के दूसरी ओर पड़ता है। यहां पर सीमा को शिया और सुन्नी विवाद के बाद पिछले 80 दिनों से बंद रखा गया है।

तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने जा रहा चीन

आलोचना पर दी ये सफाई

बीजिंग, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की अपनी योजना का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस परियोजना से अन्य देशों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा और दशकों के अध्ययन के माध्यम से सुरक्षा मुद्दों का समाधान किया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने 137 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत वाली इस विशाल परियोजना पर आशंकाओं को खारिज किया। यह परियोजना पारिस्थितिक रूप से बेहद नाजुक हिमालयी क्षेत्र में बनाई जा रही है, जो टेक्टोनिक प्लेट सीमा पर स्थित है, जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि चीन ने

दशकों तक गहन अध्ययन किया है और सुरक्षा उपाय किए हैं। माओ ने यहां प्रेस वार्ता में बांध से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि चीन हमेशा से सीमा पार गुजरने वाली नदियों के विकास के लिए जिम्मेदार रहा है। उन्होंने कहा कि तिब्बत में जलविद्युत विकास का दशकों से गहन अध्ययन किया जा रहा है और परियोजना की सुरक्षा तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं। भारत और बांग्लादेश की चिंताओं का जिक्र करते हुए माओ ने कहा, "इस परियोजना से निचले इलाकों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।" उन्होंने कहा, "चीन मौजूदा चैनलों के माध्यम से निचले इलाकों के देशों के साथ संपर्क बनाए रखेगा और नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लाभ के लिए आपदा निवारण और राहत पर सहयोग बढ़ाएगा।" माओ ने कहा कि 'यारलुंग जांगबो' नदी के निचले इलाकों में चीन के जलविद्युत विकास का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाना तथा जलवायु परिवर्तन और चरम जल विज्ञान संबंधी आपदाओं से निपटना है। चीन ने बुधवार को भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना बताया जा रहा है। इससे भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है जहां से होकर ये नदी गुजरती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह जलविद्युत परियोजना 'यारलुंग जांगबो' नदी के निचले हिस्से में बनाई जाएगी। 'यारलुंग जांगबो' ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम है।

किसानों के हित में मुख्यमंत्री का बड़ा कदम

असमय बारिश से प्रभावित किसानों को राहत का भरोसा

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के किसानों के हित में मूंग के खरीद लक्ष्य को बढ़ाने सहित खरीद अवधि को भी 5 फरवरी तक बढ़ाने के संबंध में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है।

शर्मा ने राज्य में असमय हुई वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मूंग खरीद के लिए गुणवत्ता मापदण्डों में शिथिलता प्रदान करने के लिए भी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को पत्र लिखा है।

इससे अधिकाधिक किसानों से मूंग की खरीद सुनिश्चित होने के साथ ही उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी।

सीएस सुधांश पंत को आ गया गुस्सा, अधिकारी भी चौंक गए देखकर

रिटायर्ड आरएएस ने अचानक अपनी राय देने की कोशिश की

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सीएस सुधांश पंत की मीटिंग में बाहरी व्यक्ति के जुड़ने का मामला सामने आया है। जिसके बाद अब ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच गया है। जब रोड सेफ्टी को लेकर मीटिंग चल रही थी। उसी समय मीटिंग में एक रिटायर्ड आरएएस अधिकारी ने अचानक अपनी राय देने की कोशिश की तो सभी उपस्थित अधिकारी हैरान रह गए। मुख्य सचिव ने जब उस व्यक्ति से उनका परिचय मांगा तो उसने बताया कि वह एक रिटायर्ड आरएएस अधिकारी हैं। इस पर मुख्य सचिव ने तुरंत मीटिंग खत्म कर दी।

इसके बाद मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जांच के आदेश दिए है। जिसमें यह जांच की

जाएगी कि बाहरी व्यक्ति को वीसी लिंक कैसे मिला, जिस पर जांच के आदेश दिए गए हैं। वीसी में प्रदेश के सभी संभागीय आयुक्त, कलेक्टर, डीआईजी, एसपी और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी अधिकारी शामिल थे। बैठक के दौरान उस व्यक्ति ने न केवल सरकार की योजनाओं और रोड सेफ्टी पर विचारों को सुना, बल्कि मीटिंग खत्म होने के बाद वह बोल पड़ा कि वह भी इस विषय पर अपनी राय देना चाहता है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जब उस व्यक्ति से उसकी पहचानने की कोशिश की तो उसने खुद को एक रिटायर्ड आरएएस अधिकारी है। इस घटना के बाद सीएस ने यह स्वीकार किया कि यह लापरवाही की एक बड़ी चूक है और उन्होंने तत्काल जांच के आदेश दिए।

निकाय चुनावों की बिछने लगी बिसात

शहरी सीमा का होगा विस्तार; बनेंगे कई नए वार्ड

सीकर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नए साल में होने वाले शहरी सरकारों के चुनावों के लिए अब सियासी बिसात भी बिछना शुरू हो गई है। भाजपा में नगर परिषद सीमा विस्तार एवं परिसीमन के लिए गठित समिति की बैठक जिला भाजपा कार्यालय में हुई।

जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल की अध्यक्षता व समिति के संयोजक पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के संयोजन में हुई बैठक में नगर परिषद के वार्डों के परिसीमन व सीमा विस्तार पर चर्चा हुई।

वार्ड परिसीमन के लिए समितियों का गठन

बैठक में वार्डों के पुर्नगठन के लिए विस्तार से चर्चा कर वार्ड स्तर पर वार्ड परिसीमन के लिए समितियों का गठन किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आमजन व प्रबुद्ध लोगों से चर्चा कर शहर के विकास के लिए व्यापक रिपोर्ट बनाकर जिला प्रशासन को देने पर सहमति बनी है।

शहर के विकास के लिए परिसीमन जरूरी

जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल ने बैठक में कहा कि नगर परिषद का क्षेत्र आबादी के हिसाब से काफी बड़ा हो चुका है। शहर के विकास के लिए नगर परिषद सीमा विस्तार व परिसीमन बेहद आवश्यक है। इसके होने से शहर का चहुमुंखी विकास होगा और आवासीय कॉलोनियों, पार्क आदि विकसित होंगे।

आमजन से सुझाव लेकर तैयार होगी रिपोर्ट

समिति के संयोजक पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि नगर परिषद सीमा विस्तार व वार्डों के परिसीमन विस्तार शहर के विकास व विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए करना है। कहा कि समिति के सदस्य सभी कार्यकर्ताओं व आमजन से सुझाव लेकर रिपोर्ट बनाए।

धोद विधायक बोले, लगातार बढ़ रहा दायरा

समिति के सदस्य धोद विधायक गोरधन वर्मा ने कहा कि नगर परिषद का क्षेत्र काफी बड़ा हो गया है। शहर के विकास के लिए सीमा विस्तार व वार्डों के पुर्नगठन होने से भविष्य में और अधिक विकास कार्य होंगे। कहा कि आबादी के हिसाब से शहर का सीमा विस्तार होने व वार्डों के पुर्नगठन में सबका सहयोग व सुझाव लेने है।

सीमा विस्तार एवं परिसीमन के लिए गठित समिति सदस्यों के साथ चर्चा की है। इस मामले में सभी सदस्यों से चर्चा के बाद सामूहिक निर्णय किया जाएगा।

शहर में आबादी विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में नगरीय सीमा का दायरा क्या होना चाहिए इसको लेकर समिति सदस्यों की बैठक हुई है। इसमें सभी नए वार्ड के साथ पुराने वार्ड की सीमा व शहरी सीमा विस्तार को लेकर गहन मंथन हुआ है। शिक्षानगरी के हित में जो होगा उसकी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को भिजवाई जाएगी।

बारिश के बाद कोहरे में लिपटा

22 जिलों के लिए मौसम विभाग की चेतावनी

अलवर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जबरदस्त धुंध और कोहरे की चपेट में आ गया है। मौसम विभाग की ताजा अपडेट है कि राजस्थान के 22 जिलों शनिवार को कोहरे का जबरदस्त असर रहेगा। इससे रेल, सड़क और हवाई मार्ग पर यातायात बाधित होने की आशंका है। राजस्थान में इंडिगो की तीन उड़ानों को खराब मौसम के चलते डॉयवर्ड करना पड़ गया था।

राजस्थान से गुजरने वाले एनएच पर कोहरा और शीतलहर की चेतावनी

मौसम केंद्र ने राजस्थान से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग 11 पर जयपुर से भरतपुर, जयपुर से सीकर और जयपुर से बीकानेर मार्ग पर अति घना कोहरा छाए जाने की चेतावनी दी है। इस दौरान यहां विजिबिलिटी बहुत कम रहेगी।

जयपुर-अलवर, जयपुर-अजमेर व अजमेर-उदयपुर राष्ट्रीय

राजमार्ग पर भी अति घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी गई है। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग 15, 65, 76, 89 और 12 पर भी अगले तीन दिन तक अति घना कोहरा और शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है।

सबसे सर्द दिन

बारिश के चलते कई शहरों में दिन के अधिकतम तामपान में ही जबरदस्त गिरावट देखने को मिल रही है।

बीते 24 घंटों में दिन के अधिकतम तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी जयपुर में दिन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। यहां दिन का अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहा।

इसमें 4 डिग्री से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। चुरू में न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री रहा। अलवर में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री दर्ज किया गया। जैसलमेर में 9.6 डिग्री, संगरिया में 9.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

भांकरोटा अग्निकांड में बढ़ती जा रही मरने वालों की संख्या, घायल ने तोड़ा दम

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भांकरोटा में गैस टैंकर अग्निकांड को आज सात दिन हो चुके है। दर्दनाक हादसे के शिकार मरीज अब भी मरते जा रहे है। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। देर रात झुलसे एक मरीज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। जिसका एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा था। ऐसे में अब तक इस दर्दनाक हादसे में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा सात मरीज अब भी गंभीर हालात में है। जो जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे है। डॉक्टर्स उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे है। लेकिन एक के बाद एक लगातार मरीज दम तोड़ते जा रहे है।

यह सभी मरीज अस्पताल में दर्द से छटपटा रहे है। इनका शरीर 60 फीसदी से ज्यादा झुलसा हुआ है। इनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि झुलसे मरीजों के अगले 48 घंटे अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन मरीजों की लीवर, किडनी व अन्य आर्गन अब धीरे धीरे प्रभावित हो रहे है। जिससे इन मरीजों की जान खतरे में है। हादसे में झुलसे मरीजों का स्किन ट्रांस्प्लांट किया जा रहा है। फिर भी मरीज लगातार दम तोड़ रहे है। करनी सिंह राठौड़ की उनकी बेटी सुमन राठौड़ के डीएनए सैंपल से पहचान हुई। संजेश यादव की उनके भाई इंदरजीत के सैंपल से पहचान हुई। प्रदीप कुमार की भाई वीरेंद्र के डीएनए सैंपल से उन्हें पहचाना गया। स्लीपर बस के खल्लासी कालूराम की पहचान उनके बच्चों गायत्री और दीपक बैरवा के सैंपल से की गई। ज्ञान सिंह के सैंपल का मिलान किसी से नहीं हो सका।

इस घटना ने पीड़ित परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। कई परिवार अब भी अस्पताल के बाहर अपने प्रियजनों की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। बीते दिन तीन घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी, लेकिन अब भी अस्पताल में भर्ती मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस अग्निकांड के बाद अलग-अलग जांच एजेंसिया अपनी रिपोर्ट तैयार करने में जुटी हुई हैं।हादसे के कारणों और जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाने का काम जारी है। केंद्र और राज्य सरकार मुआवजा दे चुकी हैं।

पिछले सुबह गैस टैंकर की ट्रक से भिड़ंत हुई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि गैस टैंकर के तीनों नोजल टूट गए। अचानक हुई इस टक्कर से गाड़ियां आपस में टकरा कर रुक गईं। जैसे ही लोगों को गैस फैलने का आभास हुआ, सभी अपनी गाड़ियों को स्टार्ट कर फटाफट वहां से निकलने की कोशिश करने लगे।

कितने जिले? 50 जिलों में से 9 का गठन निरस्त

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जिलों की संख्या घट गई है! शनिवार, 28 दिसंबर 2024 को भाजपा सरकार ने 9 नए जिलों और 3 संभागों को रद्द कर दिया। ये जिले और संभाग पिछली कांग्रेस सरकार ने बनाए थे। इस बदलाव की वजह प्रशासनिक दक्षता और जनगणना की तैयारी बताई जा रही है। इस फैसले के बाद राजस्थान में अब 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। कांग्रेस सरकार के समय 2023 में कुल 50 जिले बनाए गए थे। पिछले साल 7 अगस्त के इस फैसले को पलटते हुए अब भाजपा सरकार ने दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ और सांचौर जिलों को खत्म कर दिया है। साथ ही, पाली, सीकर और बांसवाड़ा संभाग भी अब नहीं रहेंगे। यह फैसला एक मंत्री स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। इस कमेटी ने ललित के पंवार कमेटी की सिफारिशों को भी ध्यान में रखा। कमेटियों ने पाया कि कुछ जिले जरूरी मानदंडों पर खरे नहीं उतरते। इसलिए उन्हें रद्द करने की सलाह दी गई।

भीलवाड़ा में एसीबी की कार्रवाई, मांडलगढ़ रेंजर 1.90 लाख रुपये की संदिग्ध राशि के साथ पकड़ाया

भीलवाड़ा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भीलवाड़ा-प्रथम इकाई ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मांडलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) पुष्पेंद्र सिंह को 1.90 लाख रुपये की संदिग्ध राशि के साथ पकड़ा। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई। आरोपी रेंजर सरकारी वाहन बोलेरो कैंपर से भीलवाड़ा जा रहा था, जब उसे रास्ते में पकड़ा गया।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी को एक गुप्त सूचना मिली थी कि पुष्पेंद्र सिंह खनन माफियाओं से मिलीभगत कर वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन का संरक्षण दे रहा है। इसके एवज में वह दलालों के जरिए भारी रिश्वत वसूल रहा था। इस सूचना के आधार पर एसीबी अजमेर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम

रावत के निर्देशन और भीलवाड़ा-प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद टीम ने आकस्मिक चेकिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी की टीम ने सरकारी वाहन बोलेरो कैंपर को चेकिंग के लिए रोका। वाहन की तलाशी के दौरान 1.90 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। जब आरोपी से इस संदिग्ध राशि के स्रोत के बारे में पूछा गया, तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। इसके बाद एसीबी ने इस राशि को कब्जे में ले लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में मौके पर आरोपी से पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यह राशि रिश्वत की है और इसे खनन माफियाओं से अवैध खनन को संरक्षण देने के बदले में एकत्रित किया गया था।

एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। एसीबी अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि यह रिश्वत किससे और किन परिस्थितियों में ली गई थी। जांच अधिकारियों का मानना है कि पुष्पेंद्र सिंह खनन माफियाओं के साथ मिलकर वन विभाग की जमीन पर अवैध खनन को बढ़ावा दे रहा था। यह राशि इसी अवैध गतिविधि के संरक्षण के बदले में एकत्रित की गई हो सकती है।

एसीबी की इस कार्रवाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। यह घटना न केवल वन विभाग के भीतर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है, बल्कि खनन माफियाओं और अधिकारियों की मिलीभगत को भी उजागर करती है। यह घटना भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के खिलाफ जनता और प्रशासन को सतर्क रहने का संदेश देती है।

नीलगाय के कारण पलटी एसयूवी

2 सरकारी कर्मचारियों की मौत

पाली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाली में एक एसयूवी एक्सीडेंट में दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर घायल है। पुलिस के अनुसार तीन लोग जालोर जिला परिषद के कर्मचारी हैं। हादसा नीलगाय के कारण शुक्रवार देर रात 11.30 बजे बाली के नाणा में दूदनी गांव के पास हुआ। थाना इंचार्ज रतन सिंह ने बताया- तीनों को सुमेरपुर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया था। वहां डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया। एक्सीडेंट के दौरान एयरबैग भी खुल गए थे, लेकिन फिर भी ड्राइवर की मौत हो गई। घायल विनोद राव ने फोन पर बताया- मैं जिला परिषद में अकाउंटेंट हूं। जितेंद्र सिंह जिला परिषद एमएएस थे। वहीं, प्रीतेन सिंह जिला परियोजना डीपीसी में लगे थे। हम तीनों शुक्रवार को जितेंद्र की एसयूवी से पाली से दूदनी जा रहे थे। किसी परिचित को सामान देना था। दूदनी से लौटते समय नीलगाय अचानक नीलगाय सामने आ गई। ड्राइव कर रहे जितेंद्र सिंह ने कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन स्पीड के कारण सड़क से उतरकर पलट गई। बाली के एडिशनल एसपी चैन सिंह महेचा ने बताया- जितेंद्र (30) और प्रीतेन(32) की मौके पर ही मौत हो गई। प्रीतेन सिंह पुत्र हमीर सिंह पाली के रहने वाले थे। जितेंद्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह जालोर के तिखी गांव के निवासी थे। वहीं, विनोद राव (32) जालोर के संजय नगर कॉलोनी के रहने वाले हैं। एयरबैग के कारण विनोद की जान बच गई। विनोद के मामा राजूदान राव ने बताया- जितेंद्र का गांव तिखी जालोर जिला परिषद से 8 किलोमीटर दूर है।

व्यापारियों ने बंद रखा किशनगंज कस्बा, पांच दिन का दिया अल्टीमेटम

बारां, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। किशनगंज. कस्बे में 10 दिन पूर्व हुई 27 लाख की चोरी का खुलासा नहीं होने से गुस्साए व्यापारियों ने विरोध स्वरूप बंद का आह्वान किया। इस दौरान कस्बे के सारे बाजार बंद रहे। बंद का असर रानीबड़ौद कस्बे में भी देखा गया। यहां पर भी व्यापारिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। इस दौरान व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। सभी दोपहर में एकत्र हुए और पैदल की रैली के रूप में तहसील पहुंचे। इसके बाद तहसील अधिकारी अभयराज हाड़ा को पुलिस महानिदेशक, जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिया गया। इसमें चोरी का पांच दिनों में खुलासा करने की चेतावनी दी गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर खुलासा नहीं हुआ तो फिर से कस्बा बंद किया जाएगा।

सीसीटीवी फुटेज देने पर भी कार्रवाई नहीं

सर्राफा व्यापारी ने पुलिस को चोरी की घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध करवा दिए थे। इसके बाद भी अब तक पुलिस के हाथ खाली है। कस्बे में आए दिन चोरी की घटना को चोर गिरोह अंजाम दे रहे हैं। मामले को लेकर व्यापार महासंघ ने एसपी को भी ज्ञापन सौंपकर इसके खुलासे की मांग की थी। महासंघ ने खुलासा नहीं होने पर पुनः अनिश्चितकाल तक कस्बा बंद करने व विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। कस्बा बंद करने व ज्ञापन देने के दौरान आकाश राठौर, नीरज गुप्ता, उपाध्यक्ष बृजमोहन नागर, ऐश्वर्य जैन, त्रिलोक कटारिया, मंत्री कन्हैयालाल राठौर, कोमल नागर, अनिल चौरसिया, उम्मेदमल चौरसिया, प्रमोद नागर, हरिशंकर कटारिया, मनोज राठौर आदि मौजूद रहे।

'महिला मित्रों को बचाने के लिए एसआई परीक्षा रद्द नहीं होने दे रहे'

बेनीवाल का मंत्री और आईएएस पर आरोप

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का एक ट्वीट जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। उन्होंने इसमें एआई भर्ती को लेकर सरकार के दो मंत्री और सीएमओ के एक वरिष्ठ आईएएस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने लिखा, सरकार के दो मंत्री और सीएमओ में बैठे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सब इंस्पेक्टर भर्ती को रद्द करने की सभी सिफारिशों पर इसलिए भारी पड़ रहे हैं। क्योंकि इस भर्ती में उन मंत्रियों और आईएएस अधिकारी की महिला मित्रों का भी फर्जीवाड़े से चयन हो रखा है। सासंद हनुमान ने कहा कि राजस्थान में पुलिस उप-निरीक्षक की भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर पेपर लीक होने के प्रमाण मिलने तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग जैसी संस्था की साख बंटाधार होने व RPSC सदस्यों की गिरफ्तारी होने के बावजूद राजस्थान की भाजपा सरकार पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती को रद्द करने तथा विपक्ष में रहते हुए भर्ती घोटालों की जांच सीबीआई से करवाने जैसे की गई मांगों को भुला चुकी है। हर रोज होते पेपर लीक के मामलों ने राजस्थान के लाखों युवाओं के भविष्य पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और सरकार की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि एसओजी द्वारा एसआई भर्ती का पेपर लीक होने की प्रमाण सहित पुष्टि करने और भर्ती रद्द करने की सिफारिश करने, पीएचक्यू द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की सिफारिश करने तथा इस मामले में गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की सिफारिश करने व एडवोकेट जनरल द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की राय व्यक्त करने के बावजूद सरकार की एसआई भर्ती को रद्द करने की बात पर लंबे समय तक चुप्पी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बेरोजगार युवाओं की समस्याओं और उनके भविष्य को लेकर पूरी तरह उदासीन है।

पुलिस की साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई

केरल फ्रॉड मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। केरल में 59 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी कैलाश लाल कीर को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। आरोपी का नाम साइबर फ्रॉड के कुल 28 मामले में सामने आये हैं, जिनमें 12 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी दर्ज की गई है। भीलवाड़ा के एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन में कारोई थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। आईपीएस प्रोबेशनर जतिन जैन के नेतृत्व में साइबर पुलिस थाना त्रिशूर सिटी, केरल के मामले में आरोपी कैलाश लाल कीर पुत्र गोपी लाल कीर, निवासी गाडरमाला, थाना कारोई, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया गया। भीलवाड़ा के एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि कैलाश कीर ने आरके फार्मिंग ग्रुप के नाम से बैंक खाते खोलकर साइबर ठगी को अंजाम दिया। दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश सहित 12 राज्यों में 28 साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं में उसकी संलिप्तता पाई गई है। इन मामलों में कुल 12 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की राशि की ठगी की पुष्टि हुई है। संबंधित राज्यों की पुलिस को इन शिकायतों की जानकारी दे दी गई है। आरोपी का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है, जो साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को उजागर करता है। इस सफलता में जिला स्तर पर गठित विशेष टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में जतिन जैन (आईपीएस प्रोबेशनर), कांस्टेबल अंकित यादव (साइबर सेल, भीलवाड़ा), लक्ष्मीनारायण (थानाधिकारी, कारोई थाना) और कांस्टेबल विक्रम शामिल थे। टीम ने साइबर अपराधियों पर निगरानी रखते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

डीसीपी ने मनोरंजन के सभी सार्वजनिक स्थानों के प्रबंधन के साथ बैठक की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी वेस्ट जोन कार्यालय में मनोरंजन के सभी सार्वजनिक स्थानों (पब, बार और रेस्टोरेंट तथा स्टार होटल) के प्रबंधन के साथ आगामी 31 दिसंबर को नए साल की पूर्व संध्या के मद्देनजर विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर बातचीत और समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में, पश्चिम क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों के प्रबंधकों, सुरक्षा अधिकारियों और लाइसेंस धारकों ने भाग लिया और नए साल की पूर्व संध्या पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर प्रतिष्ठानों को निर्देश/सलाह जारी की गई।

पब, बार और रेस्टोरेंट तथा स्टार होटल के सभी लाइसेंस धारकों को प्राथमिकता के आधार पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाने और सुरक्षा कर्मियों को हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से लैस करने की सलाह दी जाती है। परिसर में अधिक सुरक्षा कर्मचारियों को तैनात करके और पर्याप्त महिला सुरक्षा कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करके सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की सलाह दी जाती है। प्रतिष्ठानों को सलाह दी जाती है कि वे परिसर में अधिक भीड़ न लगाएं। प्रतिष्ठानों को सलाह दी जाती है कि वे उपद्रव की घटनाओं की सूचना 100 डायल करके दें या यदि कोई हो तो फोन के माध्यम से स्थानीय पुलिस कर्मियों से संपर्क करें। सभी पब और बार को सख्त सलाह दी जाती है कि वे नाबालिगों को अपने परिसर में न आने दें। प्रतिष्ठानों को नशे में गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, इसके बजाय उन्हें अपनी और दूसरों की सुरक्षा के हित में उन्हें घर वापस छोड़ने के लिए किराए के ड्राइवरों को रखने का आग्रह किया जाना चाहिए। नशे में धुत व्यक्ति, जो खुद जाने में असमर्थ हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वे सुरक्षित घर पहुचें।

सुरक्षा कर्मचारी बदमाशों/अराजक व्यक्तियों द्वारा पब/बार में घूमने-फिरने की अनुमति नहीं देंगे। सभी प्रतिष्ठानों को सलाह दी जाती है कि वे 31 दिसंबर, 2024 और 1 जनवरी, 2025 की मध्य रात्रि को 01.00 बजे तक परिसर खाली कर दें। नए साल की रात को नशे में गाड़ी चलाने के कारण शून्य सड़क दुर्घटनाओं को सुनिश्चित करने में अपना पूर्ण सहयोग देने के लिए विशेष अनुरोध किया गया है। सभी प्रतिष्ठानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने परिसर के अंदर और बाहर उचित रोशनी और सीसीटीवी कैमरे लगाएं। यदि कोई बिजली गुल होती है, तो वैकल्पिक बिजली आपूर्ति व्यवस्था ठीक से स्थापित की जानी चाहिए। प्रतिष्ठानों को परिसर से निकलने वाले ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग/अनुकूलित परिवर्तन/व्यवस्था करने की सलाह दी जाती है।

सभी सुरक्षा अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षा कर्मचारियों को शरारती तत्वों/संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुलिस को रिपोर्ट करने के लिए निरंतर प्रयास करें। प्रतिष्ठान के अंदर और आसपास बिना नंबर प्लेट वाले या संदिग्ध गतिविधियों वाले ऑटोरिक्शा, कैब जैसे परिवहन वाहनों की पहचान की जाएगी तथा पुलिस के ध्यान में लाया जाएगा, ताकि वाहनों और चालकों की पहचान सुनिश्चित की जा सके तथा किसी भी अपराध को रोका जा सके। प्रतिष्ठानों को अपने परिसर के अंदर और आसपास अंधेरे क्षेत्रों को कवर करने के लिए सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था करनी होगी। प्रतिष्ठानों के प्रबंधन ने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के सभी सुझावों और सलाहों पर सहमति व्यक्त की। समन्वय बैठक की अध्यक्षता पुलिस उप आयुक्त, पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद ने की, जिसमें पश्चिम क्षेत्र के अतिरिक्त उप आयुक्त और बंजाराहिल्स डिवीजन, जुबलीहिल्स डिवीजन, पंजागुट्टा डिवीजन और एसआर नगर डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त और पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद के सभी एसएचओ शामिल थे।

अज्ञात लोगों ने विवाहित महिला से किया सामूहिक बलात्कार

निर्मल, 28 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार मध्य रात्रि को यहां टीजीएसआरटीसी बस स्टैंड पर ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रही एक विवाहित महिला के साथ कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस को संदेह है कि मंजुलापुर गांव की रहने वाली महिला का रात करीब 12.30 बजे बस स्टेशन पर 3 लोगों ने यौन उत्पीड़न किया। बस स्टैंड के पास एक सुनसान जगह पर बलात्कार करने से पहले उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया गया। घटना के समय वह ऑटो-रिक्शा का इंतजार कर रही थी। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने सरकारी सामान्य अस्पताल में उपचाराधीन पीड़िता को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि अपराधियों का पता लगाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों का पता लगाने के लिए बस स्टैंड और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पावन गुरुसत्ता व्यक्ति के भीतर की शर्म को जगाती : सुधांशु जी महाराज

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूज्य महाराजश्री ने कहा कि पावन गुरुसत्ता व्यक्ति के भीतर की शर्म को जगाती है और झुकना व झुकाना सिखाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि अपने घर में प्रवेश करते समय एक बार श्रद्धा भाव से दृष्टि डालें, परमात्मा की मेहर निश्चित होगी। प्रेम और श्रद्धा से गुरु कृपा मिलती है। शान्ति में जीवन आसानी से बीत जाती है और अशांति में व्यक्ति बेचैन होता है इसलिए शान्ति ही आपका मूल रूप है।

शिक्षकों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्र

जगतियाल, 28 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मल्लियाल की छात्राओं ने शनिवार को अपने शिक्षकों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और अन्य शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठों को सुनने से इनकार कर दिया। यहां यह याद रखना चाहिए कि समग्र शिक्षा अभियान के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी पिछले 19 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं और सरकार से उनसे किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दूसरे शिक्षकों को लगाकर छात्रों को पढ़ाने की कोशिश की है लेकिन छात्रों ने अपने शिक्षकों की मांग को लेकर धरना दिया। अधिकारियों ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कक्षाओं में जाने से इनकार कर दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से भक्त के सोने के कंगन का पता लगाने में मिली मदद

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से शनिवार को यदागिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में एक श्रद्धालु का सोने का कंगन बरामद हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब खम्मम से एक भक्त मंदिर में प्रार्थना करने आया था। दर्शन के बाद उसे एहसास हुआ कि उसका दो तोला सोने का कंगन गायब है और उसने मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से संपर्क किया।

पुलिस कमांड कंट्रोल के प्रभारी रिजर्व सब-इंस्पेक्टर श्रीकांत, सुरेश और एक कांस्टेबल ने तेजी से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और खोया हुआ कंगन बरामद कर लिया।

मूल्यवान वस्तु को तुरंत उसके मालिक को लौटा दिया गया, जिसने पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया और उसकी सराहना की। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने यादगिरिगुट्टा कमांड कंट्रोल टीम की सराहना की।

लंबित मेस बिल और कॉस्मेटिक शुल्क जारी किए जाएं

सिद्दीपेट, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि सरकार अभी भी आवासीय स्कूलों और कॉलेजों के लिए पुराने मेस शुल्क और पुराने कॉस्मेटिक बिल छात्रों को दे रही है। शनिवार को सिद्दीपेट के ब्रिज स्कूल में छात्रों को स्वेटर और कंबल बांटने के बाद छात्रों को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि लंबित मेस बिल आवासीय स्कूलों और कॉलेजों के कामकाज को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मांग की कि वे लंबित बिलों को तुरंत जारी करें। रेवंत ने दावा किया कि उन्होंने ग्रीन चैनल के माध्यम से आवासीय संस्थानों को धनराशि जारी करवाई, लेकिन राव ने कहा कि सभी छात्रावासों को बिल जारी करना चार महीने से लंबित है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बढ़े हुए मेस चार्ज और कॉस्मेटिक चार्ज जारी नहीं कर रही है। हालांकि उच्च प्राथमिक विद्यालय तक के छात्रों के लिए मेस बिल 1,050 रुपये से बढ़कर 1,300 रुपये और हाई स्कूल के छात्रों के लिए 1,500 रुपये और कॉस्मेटिक बिल 100 रुपये से बढ़कर 150 रुपये हो गए हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि छात्रावास वार्डन और छात्रों को पुराने बिल ही मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय पी. जनार्दन रेड्डी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

टीईटी अभ्यर्थियों को झटका दिया दूरदराज के केंद्र आवंटित

हैदराबाद, 28 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दो घंटे की परीक्षा के लिए 24 वर्षीय एक महिला 210 किलोमीटर की यात्रा करेगी, जो लगभग 4 घंटे का सफर है। एक अन्य अभ्यर्थी 130 किलोमीटर की यात्रा करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में लगभग ढाई घंटे का समय लेगा। यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है जिसका सामना कुछ शिक्षक नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को करना पड़ रहा है, क्योंकि स्कूल शिक्षा विभाग ने उन्हें तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) 2024 II के लिए उनके निवास से बहुत दूर केंद्र आवंटित किए हैं। टीजी टीईटी 2 से 20 जनवरी तक आयोजित किया जाना है। अपने हॉल टिकट डाउनलोड करने पर कई अभ्यर्थी यह जानकर हैरान रह गए कि उनका परीक्षा केंद्र उनके घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। राजन्ना श्रीसिला जिले की निवासी एक महिला अभ्यर्थी, जिसने टीईटी पेपर-II के लिए पंजीकरण कराया था, को लगभग 210 किलोमीटर दूर, रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद मंडल में जेबी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में परीक्षा केंद्र सौंपा गया है।

एक अन्य 26 वर्षीय व्यक्ति, जिसने टीईटी पेपर-I और II दोनों के लिए पंजीकरण कराया था, को क्रमशः मेडचल-मलकाजगिरी जिले में लक्ष्मण आईटी अकादमी और आईओएन डिजिटल ज़ोन में केंद्र आवंटित किए गए हैं, जो सिद्दीपेट में उसके निवास से लगभग 130 किमी दूर हैं। एक अन्य मामले में, खम्मम जिले के एक उम्मीदवार को सिद्दीपेट जिले में एक केंद्र मिला, जो लगभग 210 किमी दूर है। यह स्थिति महिला उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है, जिन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ता है और समय पर केंद्र पर पहुंचने के लिए सुबह जल्दी यात्रा करने की संभावना होती है। पेपर-I सुबह 9 बजे से आयोजित किया जाएगा और उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले उपस्थित होना होगा। इसके लिए उम्मीदवारों को सुबह 4 बजे से ही अपनी यात्रा शुरू करनी होगी।

अभ्यर्थियों ने शिकायत की कि परीक्षा केंद्रों के रूप में नजदीकी क्षेत्रों को चुनने के बावजूद उन्हें उनके निवास से सैकड़ों किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए। टिप्पणी के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास व्यर्थ साबित हुआ। कुल 2,75,773 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 94,335 पेपर-I के लिए और 1,81,438 पेपर-II के लिए पंजीकृत थे। पेपर-I कक्षा I से V तक पढ़ाने की योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया जाता है, जबकि पेपर-II कक्षा VI से VIII तक पढ़ाने की योग्यता निर्धारित करने के लिए आयोजित किया जाता है।

तीन सदस्यीय डकैती गिरोह को किया गया गिरफ्तार

लूट का माल जब्त

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा पुलिस ने शनिवार को शहर भर में डकैती और चेन स्नैचिंग के लगभग आधा दर्जन मामलों में शामिल तीन सदस्यीय डकैती गिरोह को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने उनके कब्जे से एक देसी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, एक नक्कल पंचर, 11 मोबाइल फोन और दो बाइक जब्त कीं।

गिरफ्तार लोगों की पहचान राजेंद्रनगर निवासी ऑटो रिक्शा चालक सैयद अब्दुल हसन, याकूतपुरा निवासी पेंटर सैयद तालेब अली और चिंतलमेट निवासी बिजली बोर्ड के ठेका कर्मचारी सैफ अली मिर्जा के रूप में हुई है। यह गिरोह पहले चारमीनार, बहादुरपुरा, राजेंद्रनगर, फलकनुमा, एसआर नगर, महंकाली, पंजागुट्टा, हुमायूं नगर, जीडीमेटला, जगदगिरिगुट्टा, गच्चीबोवली, मिरचौक, बालानगर, मिरचौक, मलकाजगिरी और नल्लाकुंटा में दर्ज मामलों में शामिल था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरोह सुनसान सड़कों पर पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को निशाना बनाता था और घातक हथियारों का भय दिखाकर उन्हें लूटता था। वे चोरी की गई सामग्री को ठिकाने लगाते हैं और पैसे आपस में बांट लेते हैं। हाल ही में वे अत्तापुर, लंगर हौज, कुलसुमपुरा, नरसिंगी और गच्चीबोवली में दर्ज मामलों में शामिल थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरोह को पकड़ लिया और उनसे सामग्री बरामद कर ली।

भाग्यनगर हैदराबाद में, प.पू. श्री गोविन्द गिरिजी महाराज के मुखारविंद से श्रीकृष्ण नीति प्रवचन माला का भव्य आयोजन हो रहा है। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में समस्त भक्तगण सादर आमंत्रित हैं।

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में होगा बड़ा बदलाव

जेएनटीयू-हैदराबाद शुरू करेगा आर-25

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए विनियम-25 (आर-25) को लागू करने के लिए तैयार है, जिसके तहत स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में बड़े बदलाव किए जाएंगे। नया पाठ्यक्रम छात्रों को उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा, ताकि वे स्नातक होने के बाद भर्ती के लिए तैयार हो सकें। नया पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए, जेएनटीयू-हैदराबाद ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास से सहयोग मांगा है।

विश्वविद्यालय ने 7 जनवरी को आईआईटी-मद्रास के वरिष्ठ प्रोफेसरों के साथ एक कार्यशाला आयोजित की है, जिसमें वे प्रस्तावित पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम और संस्थान द्वारा किस प्रकार व्यापक पैमाने पर ऑनलाइन ओपन पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं, इस पर एक प्रस्तुति देंगे। इस सत्र में उद्योग विशेषज्ञ भी अपने विचार और स्नातकों की आवश्यकताएं प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय ने स्वायत्त एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं डीन के साथ 8 जनवरी को एक और कार्यशाला आयोजित की है, जिसमें हितधारकों से भी सुझाव लेने का निर्णय लिया गया है।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

10 किलो गांजा जब्त

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा से हैदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र में ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरोह को शुक्रवार को सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पकड़ा। गिरोह के पास से 10.1 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत 2.50 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अरुण कुमार और दीपक कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के कूड़ा बीनने वाले हैं। मुख्य संदिग्ध मोहित, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, फरार है। अरुण और दीपक, जो नशीले पदार्थों के सेवन के आदी हैं, वर्तमान में महाराष्ट्र के रत्नागिरी में रह रहे थे। हाल ही में उन्हें पता चला कि मोहित नशीले पदार्थों की तस्करी के जरिए आसानी से और मोटी रकम कमा रहा है और उन्होंने उसके साथ हाथ मिलाने की योजना बनाई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मोहित ने वादा किया था कि अगर वे ओडिशा से महाराष्ट्र के कल्याण तक गांजा की तस्करी में उसकी मदद करेंगे तो वह प्रत्येक को 15,000 रुपये देगा, जिसके लिए दोनों सहमत हो गए।

ऋण चुकाने में असमर्थ व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऋण चुकाने में असमर्थ और बैंक अधिकारियों के बढ़ते दबाव के कारण बोवेनपल्ली में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वनपर्थी निवासी एम नरसिम्हा (35) कुछ साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ शहर आया था और ओल्ड बोवेनपल्ली में किराए के मकान में रह रहा था। वह नारियल का व्यवसाय करता था। पुलिस ने बताया कि नरसिंह ने अपने गांव में अपने घर की मरम्मत और कारोबार को बढ़ाने के लिए गद्वाल के एक निजी बैंक से 5 लाख रुपये का लोन लिया था। हालांकि, अपनी कम आय के कारण वह समय पर ईएमआई का भुगतान करने में विफल रहा।

हाल ही में बैंक अधिकारी उसके गांव स्थित घर और हैदराबाद स्थित उसकी दुकान पर आए और दुकान जब्त करने की चेतावनी दी। इससे परेशान होकर उसने शुक्रवार को परिजनों की गैरमौजूदगी में घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी पत्नी की शिकायत के आधार पर बोवेनपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो यूट्यूबर्स पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुंजागुट्टा पुलिस ने एक समुदाय और पुलिस के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक और भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में दो यूट्यूबर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने शुरू में करुणाकर सुगुना और प्रवीण कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच के हिस्से के रूप में, पुलिस टीम ने अमीरपेट में स्थित यूट्यूब कार्यालय का दौरा किया और घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस ने कहा कि फुटेज की जांच करने पर पता चला कि करुणाकर ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक और वीडियो अपलोड किया था, जिसमें दूसरे समुदाय को भड़काने वाली इसी तरह की अपमानजनक टिप्पणियां की गई थीं। एक अन्य व्यक्ति, ललित कुमार भी करुणाकर का समर्थन करते हुए पाया गया, जिसने पुलिस के खिलाफ पंजागुट्टा स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करने के लिए असंवेदनशील टिप्पणियां की थीं।

तदनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। पुंजागुट्टा एसीपी एस मोहन कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी समुदाय की बदनामी, अपमान या भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले वीडियो अपलोड करने वाले के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस अपने नेताओं को सम्मानित करने में दोहरा रवैया अपना रही : सुभाष

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को मंजूरी देने के केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा प्रवक्ता एनवी सुभाष ने अपने नेताओं को सम्मानित करने में कांग्रेस की दोहरी नीति की आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के लिए दिल्ली में एक स्मारक बनाने से इनकार कर दिया, जिन्होंने भारत के आर्थिक सुधारों की शुरूआत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुरोध पर मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक को मंजूरी दी, जो निष्पक्षता और समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: 30247629, दिनांक: 24.12.2024

कार्य का नाम: चौड़े आधार वाले कर्व PSC स्लीपरों (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेटों की आपूर्ति। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। मात्रा: 10101 संख्यक। निरीक्षण: TPI एजेंसी द्वारा।

द्रष्टव्य: 60 दिनों के अंदर सामग्रियों की आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 23.01.2025 को 1500 बजे

सम्पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-840/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: WAT-TRD-11-23-24, दिनांक: 24.12.2024

कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: अमृत भारत योजना के अंतर्गत बोब्बिलि (VBL), पार्वतीपुरम (PVP) तथा दामनजोडी (DMNJ) स्टेशनों के उन्नयन के लिए TRD सुधार कार्य।

निविदा का मूल्य: रु. 65,42,311.00, EMD रु. 1,30,900.00, कार्य के समापन की अवधि: 09 महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 20.01.2025 को 1500 बजे।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज के साथ सम्पूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/TRD, वाल्टियर

PR-843/P/24-25

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दिल्ली चुनाव के ...

गौरतलब है कि 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव फरवरी में होने हैं। खास बात यह है कि एनसीपी की लिस्ट में 4 मुस्लिम उम्मीदवारों को भी जगह दी गई है।

बता दें कि हाल ही में कांग्रेस ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की थी। इसमें 26 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया था। नाम जारी करने से पहले कांग्रेस की सेंट्रल इलेक्शन कमेटी (सीईसी) की बैठक हुई थी। इस बैठक में 35 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को लेकर चर्चा की गई थी। हालांकि 26 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर ही मुहर लगी थी। बची हुई 9 सीटों को फिलहाल पेंडिंग रखा गया था।

सीएम नीतीश कुमार ...

विजय कुमार सिन्हा ने बीजेपी के मुख्यमंत्री की इच्छा जताई थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न ले लिया। इधर, आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने नीतीश कुमार से महागठबंधन में शामिल होने की अपील की है। ऐसे में नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है।

नीतीश कुमार बिहार में प्रगति यात्रा कर रहे थे। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद उन्होंने इसे स्थगित कर दिया है। सात दिन के राजकीय शोक के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। इस बीच नीतीश कुमार का अचानक दिल्ली दौरा कई सवाल खड़े कर रहा है। खासकर ऐसे समय में जब बीजेपी और जेडीयू के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही हैं।

ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली में नीतीश कुमार किन नेताओं से मुलाकात करते हैं और क्या कुछ बातचीत होती है। इससे बिहार की राजनीति की आगे की दिशा का अंदाजा लग सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे पर टिकी है। देखना होगा कि इस दौरे के बाद बिहार की राजनीति किस करवट बैठती है।

CLASSIFIEDS

WANTED

Wanted a Branch supervisor, Business executive and Assistant for Shree Baliram Road Carriers. Min 3-5years experience in Transport industry. Walk-in interview.

Ph: 9347231534

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नीतीश रेड्डी की पहली सेंचुरी

वॉशिंगटन के साथ भारत को फॉलोऑन से बचाया

सुंदर की फिफ्टी; इंडिया 358/9

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। नीतीश रेड्डी के शतक के दम पर भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी कर ली है। एक समय उस पर फॉलोऑन खेलने का खतरा मंडरा रहा था। फिलहाल, टीम 116 रन से पीछे है। भारत ने मेलबर्न में शनिवार को तीसरे दिन स्टंप्स तक पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाए। नीतीश रेड्डी 105 और मोहम्मद सिराज 2 रन पर नाबाद हैं।

इंडिया ने सुबह 164/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। ऋषभ पंत ने 6 और रवींद्र जडेजा ने 4 रन अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। पहले सेशन में पंत 28 और रवींद्र जडेजा 17 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम इंडिया का स्कोर 221/7 था। यहां से नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर ने 8वें विकेट के लिए 285 बॉल पर 127 रन की साझेदारी करके फॉलोऑन टाला। सुंदर 162 बॉल पर 50 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 3-3 विकेट झटके। नाथन लायन को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 474 रन बनाए थे।

नीतीश रेड्डी ने इस सीरीज के पहले मुकाबले से ही दमदार खेल दिखाया है और हर अहम मौके पर टीम इंडिया के लिए रन बनाए हैं. मेलबर्न में भी उन्होंने ऐसे समय पर रन बनाए जब टीम इंडिया पर फॉलो ऑन का खतरा मंडरा रहा है. वह इस मैच में 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे, ऐसे में उनके साथ कोई भी फुल टाइम बल्लेबाज नहीं था. इन सब के बावजूद उन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई बॉलिंग अटैक का जमकर सामना किया और एक यादगार शतक जड़ा. उन्होंने 100 रन तक पहुंचने के लिए 171 गेंदें लीं.

बता दें, नीतीश कुमार रेड्डी ने इस शतकीय पारी के साथ ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर इतिहास भी रच दिया है. वह नंबर-8 या उससे नीचे खेलकर ऑस्ट्रेलिया में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं. वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नंबर-8 पर खेलकर शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय हैं. इससे पहले रिद्धिमान साहा भी ये कारनामा कर चुके हैं. हालांकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये शतक भारत में लगाया था.

बीजीटी में शतक जड़ने वाले सबसे युवा भारतीय

नीतीश कुमार रेड्डी इसी के साथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय भी बन गए हैं. वहीं, दोनों टीमों को मिलाकर दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं. नीतीश ने ये कारनामा 21 साल 216 दिन की उम्र में किया है. वहीं, इससे पहले कार्ल हूपर ने 21 दिन 011 दिन की उम्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक लगाया था.

आपसी कलह के बीच प्रासंगिकता के लिए जूझता रहा भारतीय टेनिस, प्रदर्शन रहा निराशाजनक

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय टीम के लिए बड़े खिलाड़ियों की बेरुखी और संचालन संस्था के अंदरूनी कलह के कारण साल 2024 भारतीय टेनिस काफी हद तक निराशाजनक रहा है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और खिलाड़ियों के बीच मतभेद कोई नई बात नहीं है लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी थी और खिलाड़ियों की चिंताओं को दूर करने के प्रयास लगभग नहीं के बराबर दिखे।

टेनिस का स्तर देश में गिरा

इन सब का परिणाम यह हुआ कि देश में इस खेल का स्तर लगातार नीचे की ओर गिरता जा रहा है। एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन पर व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का उपयोग करने का आरोप लगा। उन्होंने इस मामले में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने से इनकार कर दिया लेकिन काफी हाय तौबा के बाद अपना पद छोड़ने के लिए राजी हुए। साल के आखिर में प्रशासकों की एक नयी टीम ने भारतीय टेनिस को बदलने का वादा करते हुए चुनाव जीता, लेकिन दो पूर्व खिलाड़ियों द्वारा दायर एक रिट याचिका ने उन्हें पदभार संभालने से रोक दिया जिससे उनकी घोषित सुधार प्रक्रिया को शुरू करने में विलंब हो रहा है।

खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा

इन खिलाड़ियों ने एआईटीए के चुनाव में खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया। इस मामले की सुनवाई 25 मार्च से पहले नहीं होगी, जिससे पूरी प्रणाली के लिए जरूरी सुधार रुकी हुई है। संक्षेप में 2024 में भारतीय टेनिस के लिए जो कुछ भी गलत हो सकता था, वह गलत हुआ। युकी भांबरी ने बिना कोई कारण बताए सितंबर में स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भारत के लिए खेलने से इनकार कर दिया।

एआईटीए से भांबरी की निराशा

महासंघ के सूत्रों ने बताया कि वह पेरिस ओलंपिक से बाहर किये जाने से निराश थे। पेरिस ओलंपिक के लिए रोहन बोपन्ना ने शीर्ष -10 खिलाड़ी होने के नाते एन श्रीराम बालाजी को अपने युगल साथी के रूप में चुना था। भांबरी इससे पहले जनवरी-फरवरी में डेविस कप कार्यक्रम के लिए सुरक्षा चिंताओं के बावजूद इस्लामाबाद, पाकिस्तान गए थे। एआईटीए से भांबरी की निराशा का एक और कारण 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के लिए उनका नाम नहीं भेजे जाने को लेकर भी है।

कोई ठोस जवाब नहीं दे सका एआईटीए

एआईटीए इस मुद्दे पर उन्हें कोई ठोस जवाब नहीं दे सका। जहां भांबरी निराश थे, वहीं भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल का पाकिस्तान और स्वीडन दोनों के खिलाफ मुकाबले से हटने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला था। कप्तान रोहित राजपाल वार्षिक डेविस कप ड्यूटी के लिए नागल की 50,000 अमेरिकी डॉलर की पारिश्रमिक राशि की मांग पर भी सहमत हो गए थे, लेकिन झज्जर के खिलाड़ी ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन मुकाबले से नाम वापस ले लिया। वह इसके अगले सप्ताह एटीपी टूर कार्यक्रम से भी हट गये।

भारत को स्वीडन से 0-4 से मिली हार के बाद एआईटीए ने नागल की पैसों की मांग को सार्वजनिक कर दिया। इससे एक बार फिर एआईटीए और नागल के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। इस नाटक के बीच भारत के दूसरे सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद को मुकाबले के लिए भी नहीं चुना गया क्योंकि उन्होंने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और उनके खिलाफ कुछ अन्य अनुशासनात्मक मामले भी थे।

मुद्दों को बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था

इन सभी मुद्दों को बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। इस साल कोर्ट पर भारत को ज्यादा सफलता नहीं मिली। 44 वर्षीय बोपन्ना ने मैथ्यू एबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब के साथ साल का शानदार आगाज किया था। इसके बाद यह जोड़ी पूरे साल अपेक्षित सफलता से दूर रही। एकल वर्ग में पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद नागल ने अपने करियर की सर्वोच्च 68वीं रैंक को छुआ।

इंडिया विमेंस टीम ने तीसरा वनडे 5 विकेट से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया, रेणुका ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज

वडोदरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया। भारतीय टीम ने पहला मैच 211 और दूसरा 115 रन से जीता था। 3 वनडे में 10 विकेट लेने वालीं रेणुका सिंह ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर ही सिमट गई। जवाब में भारत ने 28.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने नाबाद 39 रन बनाए और 6 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेनरी का अर्धशतक, दीप्ति को 6 विकेट

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन बनाए। मैच के पहले ओवर में ही रेणुका सिंह ने दोनों ओपनर्स को आउट कर

दिया। कीयाना जोसेफ और हेली मैथ्यूज बिना खाता खोले ही आउट हुईं। टीम के लिए शिनेले हेनरी ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। शेमाइन कैम्पबेल ने 46 रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट झटके। रेणुका सिंह ने 4 विकेट लिए।

दीप्ति ने नाबाद 39 रन बनाए

टारगेट चेज करते हुए भारत ने 55 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। स्मृति मंधाना 4, हरलीन देओल 1 और प्रतिका रावल ने 18 रन बनाए। यहां से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 32 रन और जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति ने 48 गेंद पर 39 और रिचा घोष ने 11 गेंद पर नाबाद 23 रन बनाए।

भारत ने 115 रन से जीता था दूसरा वनडे

इंडिया विमेंस ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 115 रन से हराया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में भारत ने 5 विकेट के नुकसान पर 358 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज टीम 46.2 ओवर में 243 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

भारत ने 2-1 से जीती थी टी-20 सीरीज

दोनों टीमों के बीच वनडे से पहले 3 टी-20 की सीरीज भी खेली गई थी। भारत ने पहला और तीसरा टी-20 जीता था, वहीं वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 में जीत मिली थी। भारत से स्मृति मंधाना ने तीनों मैचों में फिफ्टी लगाई थी।

मैग्नस कार्लसन ने किया ड्रेस कोड का उल्लंघन

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर

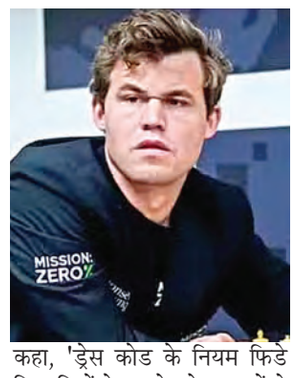

न्यूयॉर्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पांच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद पहले जुर्माना लगाया गया और बाद में उन्हें विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर कर दिया गया। गत चैम्पियन कार्लसन पर जींस पहनने के कारण 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। उन्होंने अगले दिन ड्रेस कोड का पालन करने पर रजामंदी जताई लेकिन कहा कि वह तुरंत नहीं बदलेंगे।

फिडे ने एक बयान में कहा कि ड्रेस कोड के नियम खिलाड़ियों को भली भांति बता दिए गए थे। फिडे ने एक्स पर साझा किये गए बयान में कहा, 'ड्रेस कोड के नियम फिडे खिलाड़ियों के आयोग के सदस्यों ने बनाये हैं जिसमें पेशेवर खिलाड़ी और विशेषज्ञ हैं। ये नियम बरसों से हैं और सभी प्रतिभागियों को इसके बारे में भली भांति पता है। हर टूर्नामेंट से पहले उन्हें इसकी जानकारी दी जाती है।'

इसमें कहा गया, 'फिडे यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों के रहने का स्थान आयोजन स्थल के बहुत पांस हो ताकि उन्हें नियमों का पालन करने में सुविधा हो।' इसमें कहा गया, 'मैग्नस कार्लसन ने जींस पहनकर ड्रेस कोड के नियम का उल्लंघन किया। इतने लंबे समय से चले आ रहे नियमों में यह साफ है कि जींस पहनना निषिद्ध है। मुख्य पंचाट ने कार्लसन को इसके बारे में बताया और 200 डॉलर का जुर्माना लगाया। उनसे कपड़े बदलने का अनुरोध किया गया जो उन्होंने नहीं माना। इस वजह से उन्हें अयोग्य करार देना पड़ा।'

इससे पहले रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोम्नियाश्चि ने भी इस नियम का उल्लंघन किया था लेकिन वह कपड़े बदलकर लौट आये जिससे उन्हें बाहर नहीं किया गया। इस बीच कार्लसन ने कहा कि वह ब्लिट्ज वर्ग में भाग नहीं लेंगे क्योंकि फिडे की ड्रेस कोड नीति से वह तंग आ चुके हैं। उन्होंने नॉर्वे के मीडिया से कहा, 'मैं फिडे से तंग आ चुका हूं और अब और नहीं सह सकता।

विश्व मुक्केबाजी ने नई एशियाई संस्था बनाई

लवलीना बोरगोहेन एथलीट आयोग में

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को मुक्केबाजी की अलग वैश्विक संस्था 'विश्व मुक्केबाजी' के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है जबकि अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के छह अधिकारी नवगठित अंतरिम एशियाई निकाय का हिस्सा होंगे। भारत इस नई संरचना के भीतर एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें बीएफआई से जुड़े अधिकारियों को सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

बोरगोहेन एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दे उठाएंगी। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को क्रमशः ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। सिंह के हवाले से एक बयान में कहा गया, एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि मुक्केबाजी एलए 2028 और उसके बाद ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनी रहे।

सचिन ने मान ली एमसीजी की खास डिमांड

इस सम्मान को पाने वाले पहले भारतीय बने तेंदुलकर

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) का मानद सदस्य बनने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। एमसीसी ने इसकी घोषणा की। एमसीसी ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक है और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) को मैनेज करता है। सचिन को यह खास सम्मान इसलिए मिला है क्योंकि वो इस खेल के महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनका मेलबर्न में शानदार रिकॉर्ड भी है।

इसको लेकर एमसीसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एक महान हस्ती को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके बेहतरीन योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।' एमसीजी वर्तमान में चल रही बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के चौथे टेस्ट की मेजबानी कर रहा है।

एमसीजी में तेंदुलकर का जोरदार रिकॉर्ड

तेंदुलकर का एमसीजी पर शानदार रिकॉर्ड है। उन्होंने यहां

पांच टेस्ट में 44.90 की औसत से 449 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन फिफ्टी शामिल हैं। सचिन इस मैदान पर अब भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। 58.69 का उनका स्ट्राइक रेट दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को और भी दर्शाता है।

ऐसा है सचिन का इंटरनेशनल करियर

सचिन ने अपने 24 साल के करियर में भारत के लिए कुल 200 टेस्ट, 463 वनडे और 1 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। टेस्ट और वनडे में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। तेंदुलकर ने भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू 15 नवंबर 1989 को कराची में पाकिस्तान के खिलाफ किया था और उनका आखिरी मैच 16 नवंबर 2013 को मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ था।

सुनील गावस्कर ने पंत को बताया स्टूपिड

खराब शॉट सिलेक्शन पर लगाई जमकर क्लास

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ऋषभ पंत एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर है। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में पंत खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौटे। भारतीय विकेटकीपर ने ऐसा शॉट खेला शायद जिसकी उस समय कोई जरूरत भी नहीं थी। सोशल मीडिया पर पंत को फैन्स ने तो आड़े हाथों लिया ही है। इसके साथ ही भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का भी पंत पर गुस्सा फूट पड़ा है। गावस्कर ने पंत की ऑन एयर कमेंट्री करते हुए ही जमकर क्लास लगाई है। पंत क्रीज पर सेट नजर आ रहे थे और 28 रन बनाकर खेल रहे थे। हालांकि, स्कॉट बोलैंड के खिलाफ बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में वह अपना विकेट तोहफे के तौर पर देकर चलते बने।

तीसरे दिन की शुरुआत पंत और जडेजा ने सूझबूझ के साथ की थी। दोनों अच्छी लय में दिखाई दे रहे थे और टीम इंडिया का स्कोर 200 के करीब पहुंच चुका था। मगर तभी स्कॉट बोलैंड के खिलाफ पंत ने स्कूप शॉट खेलकर गेंद को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाने का प्रयास किया। हालांकि, भारतीय विकेटकीपर अपने इरादे में सफल नहीं हो सका और गेंद हवा में खड़ी हो गई। पंत अपने शॉट को मिस टाइम कर बैठे और डीप थर्ड मैन पर खड़े नाथन लायन ने कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की।

बुलवायो टेस्ट में जिम्बाब्वे ने 586 रन बनाए

विलियम्स, इरविन और बेनेट की सेंचुरी, अफगानिस्तान ने 95 रन पर 2 विकेट गंवाए

बुलवायो, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच बुलवायो में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है। जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 586 रन बना दिए। टीम से शॉन विलियम्स, कप्तान क्रैग इरविन और ब्रायन बेनेट ने सेंचुरी लगाई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अफगानिस्तान ने 95 रन पर 2 विकेट गंवा दिए।

जिम्बाब्वे ने दूसरे दिन 363/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शॉन विलियम्स ने 145 और क्रैग इरविन ने 56 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। विलियम्स 154 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद इरविन ने बेनेट के साथ पारी संभाली।

जिम्बाब्वे ने 383 रन के स्कोर पर 5वां विकेट गंवाया। यहां से इरविन और ब्रायन बेनेट टीम को 450 के पार ले गए। इरविन 104 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद बेनेट एक एंड पर टिक गए, उनके सामने न्यूमैन न्यामुरी 26, ब्लेसिंग मुजरबानी 19 और ट्रेवर ग्वांडु 3 रन बनाकर आउट हुए। ब्रैंडन मावुटा खाता भी नहीं खोल सके।

बेनेट 110 रन बनाकर नॉटआउट रहे, उन्होंने अपने टेस्ट करियर का पहला ही शतक लगाया। उनकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने 586 रन बना दिए। अफगानिस्तान से अल्लाह गजनफर ने 3 विकेट लिए। नावीद जादरान, जहीर खान और जिया-उर रहमान को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट अजमतुल्लाह ओमरजई ने लिया। दूसरे दिन ही अफगानिस्तान ने भी अपनी पहली पारी शुरू कर दी। टीम ने 3 रन पर ही सेदिकुल्लाह अटल का विकेट गंवा दिया। अटल ने 3 रन बनाए। उनके बाद अब्दुल मलिक ने रहमत शाह के साथ 61 रन की पार्टनरशिप की। अब्दुल 23 रन बनाकर आउट हुए।

दिन का खेल खत्म होने तक रहमत 49 और कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी 16 रन बनाकर नॉटआउट रहे। टीम ने 95 रन बना लिए। जिम्बाब्वे से ट्रेवर ग्वांडु और ब्लेसिंग मुजरबानी को 1-1 विकेट मिला।

पीजेआर जीवन भर गरीबों के लिए काम करते रहे : श्रीधर बाबू

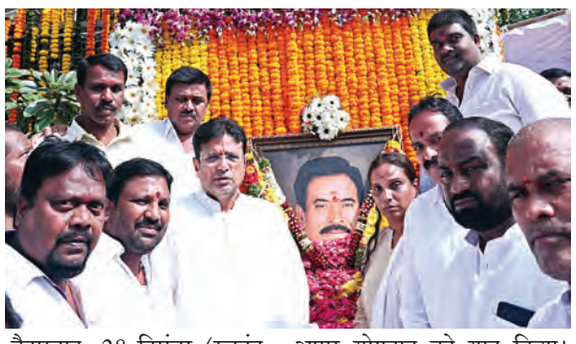

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता दिवंगत पी जनार्दन रेड्डी जीवन भर गरीबों और मजदूरों के लिए काम करते रहे और वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। श्रीधर बाबू ने शनिवार को खैरताबाद जंक्शन पर जनार्दन रेड्डी की 17वीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने गरीबों, मजदूरों और कांग्रेस पार्टी के सशक्तिकरण में पीजेआर के अपार योगदान को याद किया। केवल मुट्ठी भर राजनीतिक नेता ही लोगों के दिलों में अमर रहते हैं और पीजेआर निस्संदेह उस सूची में सबसे आगे हैं।

मंत्री ने कहा, उन्होंने वंचितों और मजदूर वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए हर सांस समर्पित की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों के प्रति पीजेआर की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिसे उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक कायम रखा। सीएलपी (कांग्रेस विधायक दल) के नेता के रूप में, पीजेआर ने तत्कालीन आंध्र प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने एकीकृत राज्य के दौर में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय का जोरदार विरोध किया। श्रीधर बाबू ने कहा कि अपने आदर्श वाक्य, "मेरा क्षेत्र, मेरे लोग पहले आते हैं" से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत भी की। मंत्री ने पीजेआर द्वारा कई व्यक्तियों को मार्गदर्शन देने को भी याद किया जो राजनीति में प्रमुख नेता बन गए। यह उनकी विरासत और भावना है जो कांग्रेस पार्टी के मिशन को प्रेरित करती रहती है। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 'पीपुल्स गवर्नमेंट' वंचितों के कल्याण के लिए अथक प्रयास कर रही है। श्रीधर बाबू ने कहा, इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सिकंदराबाद के पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, पीजेआर की बेटी विजया रेड्डी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

रैतू भरोसा, फसल बीमा के लिए एआई का उपयोग किया जाएगा : तुम्मला

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने बताया कि राज्य सरकार उपग्रह डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित आधुनिक तकनीक का उपयोग करके राज्य में रैतू भरोसा और फसल बीमा योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करेगी।

तुम्मला नागेश्वर राव ने सचिवालय में रिमोट सेंसिंग डेटा में विशेषज्ञता रखने वाली विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ "रैतू भरोसा" योजना में उन्नत तकनीक के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। इस संक्रांति से शुरू होने वाली इस पहल का उद्देश्य खेती की गई भूमि की सटीक पहचान और मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया है कि रैतू भरोसा के तहत निवेश सहायता केवल खेती करने वाले किसानों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के अधिकारी खेती की गई भूमि का विवरण नियमित रूप से रिकॉर्ड

और अपडेट करेंगे। सटीकता बढ़ाने के लिए, उपग्रह डेटा का उपयोग गांव और सर्वेक्षण संख्या स्तरों पर खेती वाले क्षेत्रों, फसल के प्रकारों और एकड़ का सर्वेक्षण और मानचित्रण करने के लिए किया जाएगा।

इसके अलावा, मंत्री ने फसल बीमा, फसल स्वास्थ्य की निगरानी, प्रारंभिक चरण में कीटों और बीमारियों की पहचान और बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल के नुकसान का आकलन करने जैसी भविष्य की पहलों के लिए उन्नत तकनीक को अपनाने के लिए सरकार की तत्परता पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान, कंपनी के प्रतिनिधियों ने पिछले परियोजना परिणामों को प्रस्तुत किया और एक पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से फसल और गांव द्वारा वर्गीकृत दो नमूना मंडलों में खेती के बारे में विवरण साझा किया। उन्होंने खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान करने वाले डिजिटल मानचित्र और कीटों के संक्रमण का जल्द पता लगाने के लिए डिजाइन किए गए एआई-संचालित मॉडल भी दिखाए। मंत्री ने प्रतिनिधियों को तकनीकी समिति द्वारा समीक्षा के लिए व्यापक परियोजना विवरण तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निष्कर्ष मंत्रिस्तरीय उप-समिति को प्रस्तुत किए जाएंगे और बाद में अनुमोदन के लिए कैबिनेट को भेजे जाएंगे। बैठक में कृषि सचिव रघुनंदन राव, कृषि विभाग के निदेशक गोपी और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

माइक्रो आर्टिस्ट ने चॉक के टुकड़े पर उकेरी मनमोहन सिंह की तस्वीर

राजन्ना-सिरसिल्ला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और नक्काशी कलाकार कपिला नरेश ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तस्वीर को चाक के टुकड़े पर उकेर कर उन्हें एक अभिनव तरीके से श्रद्धांजलि दी। अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अद्भुत कलाकृतियां बनाने वाले नरेश ने साढ़े चार घंटे का समय लगाकर चाक के टुकड़े पर पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर उकेरी।

नरेश ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए उन्होंने मनमोहन सिंह की तस्वीर उकेरी, जिन्होंने आर्थिक सुधारों को लागू करके देश के आर्थिक विकास के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि देश मनमोहन सिंह द्वारा राष्ट्र के लिए की गई सेवाओं को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें चाक के टुकड़े पर पूर्व प्रधानमंत्री की उकेरी गई तस्वीर देखकर गर्व महसूस होगा।

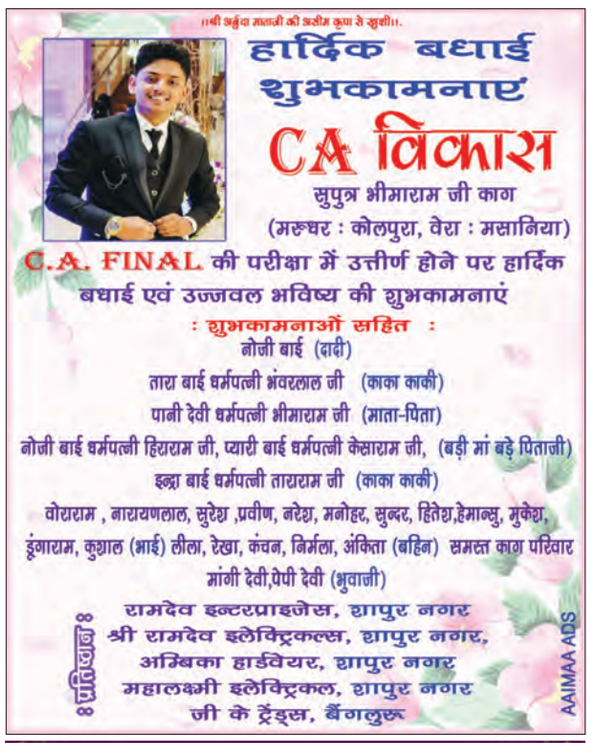

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

पेद्दापल्ली, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर-रायपट्टनम मुख्य मार्ग पर धर्माराम मंडल के लबाडी थांडा के पास शुक्रवार रात हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी।

हादसा उस समय हुआ जब उनकी बाइक सड़क किनारे खड़ी धान से लदी एक लॉरी से टकरा गई। हादसे में लंबाडी थांडा निवासी बनोथ संतोष (26) और नुनसावथ शेखर (26) की मौत हो गई। शेखर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संतोष ने करीमनगर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। शवों को पोस्टमार्टम के लिए करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

धर्माराम एसआई लक्ष्मण ने अस्पताल का दौरा किया और घटना के बारे में जानकारी ली।

वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए केवल टिकट या टोकन वाले भक्तों को ही अनुमति

तिरुमला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ द्वार दर्शन की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि 10 से 19 जनवरी तक श्रीवारी वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए केवल टिकट या टोकन वाले भक्तों को ही अनुमति दी जाएगी। शनिवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में मासिक डायल-योर-ईओ कार्यक्रम के दौरान भक्तों के फोन कॉल का जवाब देते हुए ईओ ने कहा कि टीटीडी ने आगामी मेगा उत्सव के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। तिरुपति से मुनिलक्ष्मी, कोथापेटा से बबलाराजू, चित्तूर से वेंकटरमण के कॉल का जवाब देते हुए ईओ ने कहा कि भक्तों को दर्शन टोकन जारी करने के लिए तिरुपति में 87 और तिरुमाला में चार सहित 91 काउंटरों की व्यवस्था की गई है। भक्तों को इन टोकन को बुक करने के लिए अपना मूल आधार लाना होगा। उन्होंने बताया कि पहले तीन दिनों के लिए, 10 से 12 जनवरी तक, इन केंद्रों में 9 जनवरी की सुबह 5 बजे से टोकन जारी किए जाएंगे, जबकि शेष दिनों के लिए केवल एक दिन पहले टोकन जारी किए

जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन दस दिनों के दौरान सभी विशेषाधिकार दर्शन रद्द कर दिए गए हैं और केवल टिकट या टोकन वाले भक्तों को ही उस समय दर्शन की अनुमति दी जाएगी। दो ओविभिन्न दक्षिणी राज्यों से कॉल करने वाले नरसिम्हा राव, साई कुमार, कृष्णमूर्ति, रघु ने ईओ को कोविड के समय में एसवीबीसी द्वारा प्रसारित किए जा रहे विभिन्न आध्यात्मिक प्रवचनों के बारे में बताया, जिन्हें फिर से शुरू करने के लिए रोक दिया गया था, ईओ ने कहा कि वह इसकी पुष्टि करेंगे। जब वारंगल से सुमन और राजमपेटा से प्रशांत रेड्डी ने ईओ से अंगप्रदक्षिणा टोकन को ऑफ़लाइन शुरू करने की मांग की, तो उन्होंने कहा कि इसकी कोई संभावना नहीं है। जब राजेश्वरी ने श्रीवारी सेवा में वैकुंठ एकादशी के दौरान अतिरिक्त कोटा के लिए ईओ से पूछा, तो उन्होंने कहा कि उस स्लॉट के लिए पर्याप्त संख्या में सेवकों ने ऑनलाइन पंजीकरण किया है और इसलिए कोई अतिरिक्त कोटा जारी नहीं किया गया है। श्रीकाकुलम के किरण ने ईओ को ऑनलाइन टिकट बुक करते समय पेमेंट गेटवे के दौरान आई समस्या के बारे में बताया, ईओ ने कहा कि वे इसकी पुष्टि करेंगे। रेनीगुंटा के विष्णु ने ईओ से अलीपीरी में जांच बढ़ाने की मांग की, जिस पर ईओ ने कहा कि संबंधित को निर्देश दिया जाएग। हैदराबाद के मुरली ने कहा कि घी के अधिक उपयोग के कारण लड्डू बहुत गीले लग रहे हैं, जिस पर ईओ ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में लड्डू प्रसादम की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। आमतौर पर, हम दित्तम के अनुसार लड्डू तैयार करते हैं। वैसे भी, हम इसकी पुष्टि करेंगे। अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी, जेईओ गौतमी, सीवीएसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण और अन्य विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

रिश्वत लेते हुए उपतहसीलदार रंगे हाथों गिरफ्तार

करीमनगर, 28 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने शनिवार को शंकरपट्टनम के उप तहसीलदार मल्लेशम को एक व्यक्ति से 6000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मल्लेशम ने एक व्यक्ति से नाला परिवर्तन के लिए रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत देने में असमर्थ पीड़ित ने एसीबी से संपर्क किया, जिसने डिप्टी तहसीलदार को राशि स्वीकार करते हुए पकड़ लिया। छापेमारी में एसीबी के डीएसपी राममूर्ति और अन्य लोग शामिल थे।

नवंबर में 20 लाख से अधिक भक्तों ने श्रीवारी के दर्शन किए : टीटीडी

तिरुमला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि नवंबर महीने में करीब 20.35 लाख भक्तों ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। तिरुमला में अन्नामैया भवन में आयोजित मासिक डायल योर ईओ कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हुंडी दान 111 करोड़ रुपये को पार कर गया है, जबकि वितरित किए गए लड्डुओं की कुल संख्या 97 लाख है। करीब 19.74 लाख भक्तों ने अन्नप्रसादम का आनंद लिया, जबकि बाल चढ़ाने वालों की संख्या 7.31 लाख थी। अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी, जेईओ गौतमी, सीवीएसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण भी मौजूद थे।

भोंगीर के पास सड़क दुर्घटना में 2 लोगों की मौत, 2 घायल

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदागिरिगुट्टा से लौट रहे एक परिवार पर शनिवार सुबह उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब एक दुर्घटना में परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई।

यह हृदय विदारक घटना भोंगिर बाईपास के पास हुई, जब एक परिवार यदागिरिगुट्टा में लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर के दर्शन करके लौट रहा था। जिस मोटरसाइकिल पर वे यात्रा कर रहे थे, वह सड़क के डिवाइडर से टकरा गई।

इस घटना में पवनी नामक महिला और उसके 3 वर्षीय बेटे कन्नैया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति जगन और बेटी सात्विका घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित हैदराबाद के चम्पापेट के रहने वाले थे।

मकई के खेत में बाघ दिखने से दहशत

वारंगल, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नल्लाबेल्ली मंडल के ओर्री नरसय्यापल्ली गांव में शनिवार को बाघ दिखने से लोगों में भय व्याप्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, एक महिला ने मकई के खेत में बाघ को देखा और गांव वालों को इसकी सूचना दी। बाघ की मौजूदगी की खबर सुनकर किसान खेत छोड़कर चले गए। वन और पुलिस अधिकारी गांव पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया। शुक्रवार को वारंगल और महबूबाबाद जिलों में दो बाघों के पदचिह्न पाए गए।

वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) नरसंपेट रवि किरण के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने शुक्रवार को नल्लाबेल्ली मंडल के कोंडापुरम और रुद्रगुडेम गांवों में बाघ के पैरों के निशान पाए। रुद्रगुडेम गांव का एक किसान (जो सुबह कीटनाशक का छिड़काव करने मिर्च के खेत में गया था) ने बाघ के पैरों के निशान देखे और वन अधिकारियों को सूचित किया। रवि किरण ने बताया कि पैरों के निशानों के आधार पर यह पता चला है कि 10 वर्षीय नर बाघ रुद्रगुडेम की ओर आया था। वन विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मुलुगु जिले के ताड़वई जंगलों से एक बाघ महबूबाबाद जिले के कोत्तागुडा मंडल के कोंडापुरम जंगलों में आ गया है। अधिकारियों ने दावा किया कि बाघ खेतों से कोंडापुरम उपनगर के वन क्षेत्र में चला गया था। उन्होंने कोंडापुरम के जंगलों से ओटाई, रामपुर और कर्णगंडी के जंगलों की ओर इसकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। वन अधिकारियों का मानना है कि बाघ उपयुक्त आवास की तलाश में मैदानी क्षेत्र रूद्रगुडेम में आया था।

बुजुर्ग महिला को अस्पताल से निकाला

पति के लिए आवंटित बिस्तर पर सोने का मामला

जगतियाल, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अमानवीय घटना में एक वृद्ध महिला को अस्पताल से बाहर भेज दिया गया, क्योंकि वह अपने पति के लिए आवंटित बिस्तर पर सो रही थी। यह घटना शुक्रवार को जगतियाल सरकारी अस्पताल में घटी। राघवपट्टनम की मूल निवासी मल्लव्वा ने अपने पति राजनारसु को एक सप्ताह पहले तबियत खराब होने पर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया था। अपने बाएं हाथ में चोट के बावजूद, मल्लव्वा अपने पति की देखभाल कर रही हैं चूंकि उनका रक्तचाप बहुत बढ़ गया था, इसलिए उन्हें राजानारसु को आवंटित बिस्तर पर सोना पड़ा लेकिन अस्पताल के कर्मचारियों ने उसका इलाज करने के बजाय मल्लव्वा को व्हीलचेयर पर अस्पताल से बाहर ले जाकर छोड़ दिया। राजनारसु भी अस्पताल से चले गए और अपनी पत्नी के साथ रहने लगे। अन्य मरीजों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दम्पति को वापस अस्पताल पहुंचाया।

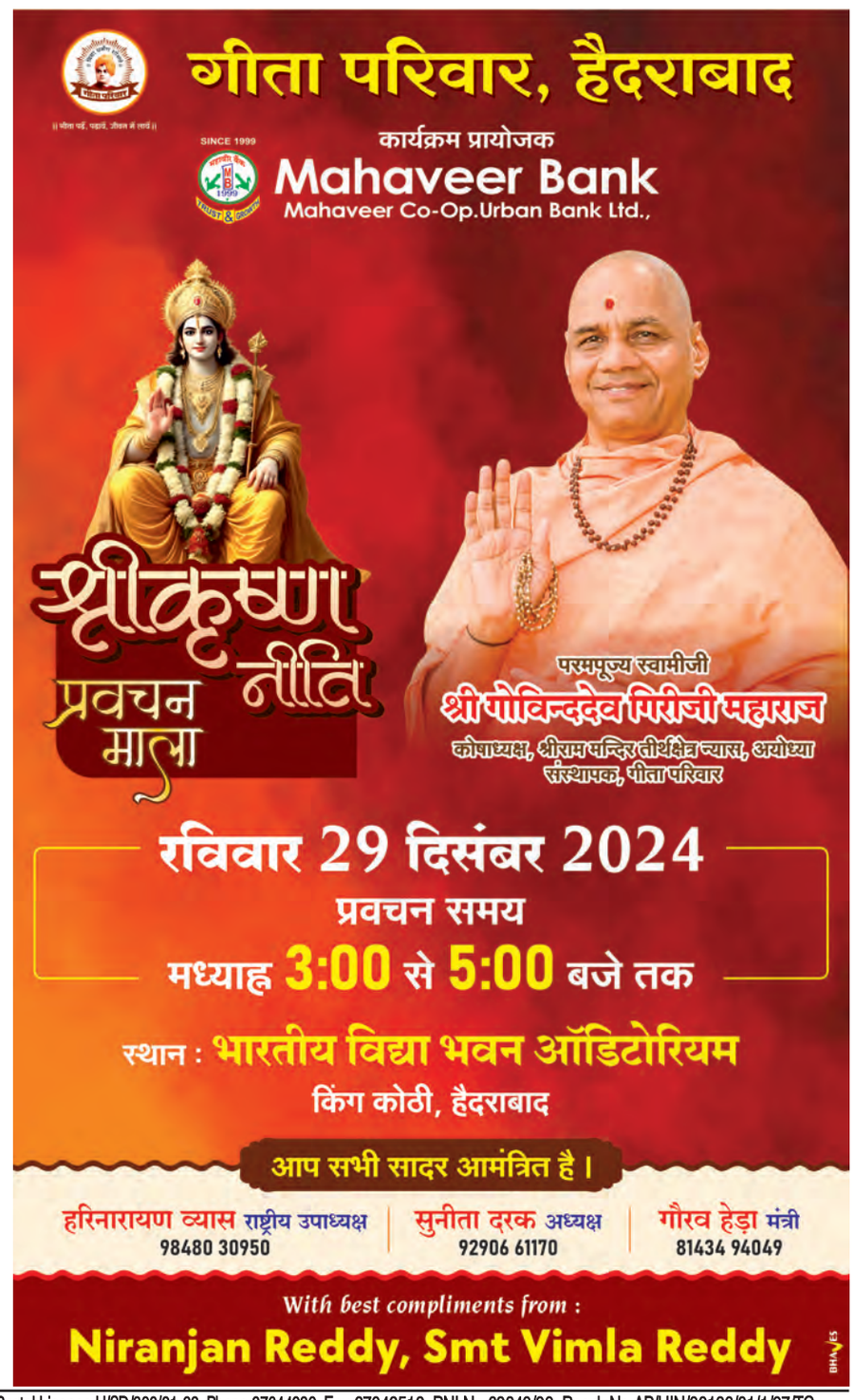

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.